The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 7, 1976 (माघ 18, 1897)

No. 6]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 7, 1976 (MAGHA 18, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० पी०/1855-प्रशा०-]—इं। जीसफ़ पी० जान जिन्हें संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक श्रिध्सूचना दिनांक 29 अन्तूबर, 1975 द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 1-10-1975 से 30-11-1975 तक पहले श्रवर सचिय के पद पर नियुक्त किया गया था, वे 1-12-1975 से श्रागामी श्रादेशों तक इस कार्यालय में श्रवर सचिव के पद पर कार्य करते रहेंगे।

पी० एन० मुखर्जी स्रवर मचिव, इन्ते अध्यक्ष मंघ लोक सेवा ग्रायोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० पी० एफ०/एस०-202/70-प्रशासन-I---इस कार्यालय के दिनांक 28-11-75 की समसंख्यक श्रिधसूत्रना के श्रिधिकमण में, पश्चिम बंगाल से केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरो मे पुलिस निरीक्षक के रू। में प्रतिनियुक्ति श्रिधिकारी श्री एस० के० सिकन्दर को दिनांक 1--446GI/75

10 सितम्बर, 1974 को केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो की कलकत्त शाखा में थ्रपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है श्रौर उनकी सेवाए पिष्चम बगाल सरकार को वापस सौप दी गई श्रौर कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग पत्न संख्या 217/3/74-ए० वी० छी०-II दिनांक 29 जुलाई, 1974 में निहित सरकारी श्रादेशों द्वारा उनको सिक्किम सरकार के पास इ्यूटी के लिए रिपोर्ट करने के निदेश दिए गए ।

दिनांक 8 जनवरी 1976

सं० ए०-20023/6/75-प्रशासन-5—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो, एतद्-बारा, श्री गोपाल सरण को दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से ग्रंगले ग्रादेश तक के लिए ग्रस्थायी रूप से लीक ग्रभि-योजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, ग्राधिक ग्रंपराध स्कंध, बम्बई के रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० टी०-20/66-प्रशासन-5—सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री टी० राघवन, पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी, ने दिनांक 27-11-75 के ग्रपराह्म से श्रपने पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, मद्रास शाखा के पद का कार्य-भार त्याग दिया ।

> गुलजारी लाल ध्रप्रवाल प्रशासन श्रधिकारी (स्था)

गृह मलालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस 💳 💳 निदेशालय

> ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनाक 9 जनवरी 1976

सं० 25/2/74-श्रार० जी० (ए० डी०)-1—इस कार्यालय की अधिसूचना स० 25/2/74-श्रार० जी० (ए० डी० 1), दिनाक 16 श्रगस्त, 1975 की श्रनुवृति में राष्ट्रपति, श्री श्रार० वाई० रेवाशेट्टी, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) की श्रस्थाई तदर्थ नियुक्ति को, जनगणना कार्य निदेशक, कर्नाटक, बगलौर के कार्यालय में श्रगले श्राठ मास की श्रवधि तक के लिए 1 श्रक्तूबर, 1975 से 31 मई, 1976 तक या जब तक यह पद नियमित रूप से भरा नहीं जाता, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री भ्रार० वाई० रेवाणेट्टी का मुख्य कार्यालय बगलौर में होगा ।

सं ० 10/8/75-प्रार० जी० (ए० डी० 1)—हस कार्यालय की प्रिधिसूचना सं० 10/8/75-प्रार० जी० (ए० डी० 1) दिनांक 10 सितम्बर, 1975 की प्रनुवृत्ति मे राष्ट्रपति, श्री घ्रार० सी० निगम, सहायक महापंजीकार (भाषा) की तदत् पुनर्नियुक्ति वर्तमान णतीं पर, 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से श्रगले घ्राठमास की श्रवधि तक के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री श्रार० सी० निगम का मुख्य कार्यालय कलकत्ता मे होगा ।

दिनांक 12 जनवरी 1976

सं० 25/23/74-आर० जी० (ए० डी० 1)---केन्द्रीय सांख्यिकीय सगटन (श्राई० एम० खण्ड) में सहायक निदेशक के पद पर स्थानान्तरण के परिणामरवरूप, श्री पी० के० सहा, भारतीय सांख्यिकीय सेवा श्रणी 4 श्रधिकारी, भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में अनुंसधान श्रधिकारी के पद का कार्य-भार दिनाक 9 जनवरी, 1976 (श्रपराह्म) में सौप देंगे।

सं० 25/36/73-म्रार० जी० (ए० डी० 1)—- श्री बी० एच० शाह, गुजरात सिविल सेवा म्रधिकारी ने उप-निदेशक जन गणना कार्य, गुजरात, म्रहमदाबाद के पद का कार्य भार दिनाक 31 दिसम्बर, 1975 को म्रपराह्म मे सौप दिया। श्री शाह की सेवा गुजरात सरकार के म्रधीन उसी तिथि से हटा दी गई थी। श्री ए० डब्ल्यू० महात्मे के, कार्यालय जनगणना कार्य निदेशक महाराष्ट्र, बम्बई से स्थानान्तरण होने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 को ध्रपराह्म मे उप-निदेशक जनगणना कार्य, गुजरात, ग्रहमदाबाद के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया श्री महात्मे का मुख्य कार्यालय श्रहमदाबाद में होगा।

> रा० भ० चारी भारत के महापंजीकार एवं भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1976

सं० 10/19/75-ए० डी०-1—राष्ट्रपति, श्री छीतरमल, अन्वेषक को जो कि भारत के महापंजीकार के कार्यालय में हैं, उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर, छ: मास की अवधि के लिए, 12 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अथवा नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो पहले हो, सदत् आधार पर बिल्कुल अस्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री छीतरमल का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

बद्री नाथ भारत के उप-महापंजीकार थ्रौर भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

सरदार । वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 6 जनवरी 1976

स० पी० एस० | 1-6-4— डा० एस० एस० साहा, सामान्य इयूटी अफसर (ग्रेड-1) ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली को स्थानान्तरित होने के फलस्वरूप सरदार वल्लम भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैवराबाद में दिनाक 31-12-75 के अपराह्म से अपना कार्यभार हस्तान्तरित किया।

2 सघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा स्टाफ सर्जन के पद पर चुने जाने के श्राधार पर दक्षिण मध्य रेलवे के शोलापुर श्रस्पताल के सहायक चिकित्सा श्रिधकारी डा० एन० सी० बोस ने केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना के विशेषक्ष वर्ग में 1100 रू० से 1800 रू० तक के वेतनमान में सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी, हैदरावाद में दिनाक 31-12-75 के श्रयराह्म से कार्यभार ग्रहण किया।

> महम्द बिन मुहम्मद, उप निदेशक (प्रशिक्षण)

वित्त मंत्रालय श्राधिक कार्य विभाग बैक नोट मुद्रणालय, देवास देवास, दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० बी० एन० पी०/सी०/ 76/ 75—श्री एन० एन० श्रग्नवाल, सहायक इंजीनियर (बिद्युस्) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म०प्र०) में सहायक इंजीनियर (वालानुकूल) के पद पर दिनांक 23-12-75 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की श्रविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/81/74—श्वी ए० एम० छीपा, किनिष्ठ यंत्री, गुजरात विद्युत् मण्डल का बैंक नोट मुझ्णालय, देवास में सहायक यंत्री (विद्युत) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति दिनांक 23 अगस्त,1975 से 1 अक्तूबर, 1975 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुकर्जी महा प्रबन्धक प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद (म०प्र०), दिनाक 1 जनवरी 1976

इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमाक सं० 7(35)/14385 दिनांक 17-3-75 एवं 7(35)/7963 दिनांक 23/24-10-75 के आगे श्री एन० पी० सिह, फोरमन (यात्रिक) को प्रतिभृति कागज कारखाना, होशंगाबाद, मे तद्दर्थ आधार पर 29-2-76 तक की अवधि तक रूपए 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

भ्रार० विश्वनाथन, महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० 42-सी० ए०-1/75-75---ग्रपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में सहर्ष पदोन्नत किया है और उन्हे प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में दिए गए कार्यालयों में लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न करने के लिए नीचे दिए गए कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से श्रगला श्रादेश मिलने तक नियुक्त किया है:---

| प्रनुभाग ग्रिधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम | पदोन्नति से पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे । | कार्यालय जिस में पदोक्षति पर लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्ति की गई। | लेखापरीक्षा श्रिधिकारी (वाणिज्कि) के रूप में स्थानापक्ष करने की |
|--|--|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्वेश्री : | | | |
| ए० के० मिस्रा | . महालेखाकार पश्चिम बंगाल कलकत्ता i | , महालेखाकार पश्चिम बंगाल | त, 10-10-75 (पूर्वाह्न) |
| एस० वी० राधाकृष्णा मूर्थी . | = | ं सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड ए क पदेन निदेशक वाणिजि लेखापरीक्षा बंगलौर । | |
| एच० एस० चौधरी | पवेन-निदेशक वाणिज्यि | एवं सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड ए क पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा, 'रांची । | |

| 1 | | | 2 | 3 | 4 |
|------------------|------|---|---|--|-------------------------|
| ए० एस० गुप्ता | | | सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली। | निवासी लेखापरीक्षा श्रधिकार्र (भारतीय तेल निगम) कलकत्ता सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून । | |
| एस० डी० म्रार्या | • | • | महालेखाकार, उत्तर प्रदेश | महालेखाकार बिहार, पटना | 27-10-75 (भ्रपराह्न) |
| जे० बी० माथुर | ٠ | • | भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर। | महालेखाकार हरियाणा चंडीगढ़ | 27-10-75 (पूर्वाह्न) |

सुणील देव भट्टाचार्य, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेश्वर, दिनाक 29 दिसम्बर 1975

सं० ग्रो० ग्रो० /सी० 1224—महा लेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर ने इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग ग्रिधकारियो को उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तारीख से अगले ग्रादेश जारी किए जाने तक इस कार्यालय के स्थानापन्न (Officiating) लेखा ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सर्वश्री:--

(1) म्रार० ए० चौधुरी 22-12-75 (पूर्वाह्म)
(2) म्रार० एन० दाश 24-12-75 (पूर्वाह्म)
(3) म्रार० के० घोष 30-12-75 (पूर्वाह्म)
बी० एस० भरहाज
विरुट उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, श्रान्ध्रप्रदेश-I हैदराबाद-500004, दिनाक जनवरी 1976

सं० ई० बी० प्राई०/8-312/74-76/441—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० एस० रामिकण्णन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-12-75 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है । यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत्न प्रभाव डालने वाली नहीं है ।

सं० ई० बी० आई०/8-312/74-76/443—महालेखाकार, आन्ध्र प्रवेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री वि० राम मोहन राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान र० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रु०पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 31-12-75 के ग्रपराह्म से जब तक ग्रागे भ्रादेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस म्रार० मुखर्जी प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात एहमदाबाद, दिनाक 9 जनवरी 1976

स० ऐस्ट (ए०)/जी० ग्रो०/2(165)/3902—महा-लेखाकार, गुजरात ने भ्राधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री जे० हार्बे को दिनाक 26 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर ग्रगला ग्रादेण मिलने तक ग्रपर-महालेखाकार गुजरात, राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

> कें० एच० छाया उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षालेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनाक 6 जनवरी 1976

म० 18224/प्रणा-2-58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री के० जगन्नाथन, रक्षा सेवा उप नियलक (नौ सेना) को 31-3-1976 (श्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जाएगा श्रीर तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 71019(7)/75-प्रणा०-2-सघ लोक सेवा आयोग द्वारा सन् 1974 मे ली गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के भ्राधार पर राष्ट्रपति निम्नलिखित को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय रक्षा सेवा में परिवीक्षा-धीन सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

| ऋम सं० | नाम | नियुक्ति की तारीस्त्र |
|-----------|--|---|
| 2. | कु० ऊषा ग्रेस एम० . श्री के० एम० श्रिवकुमार | . 16-7-75 (पूर्वाह्न) 21-7-75 (पूर्वाह्न) |
| | श्री थांमस ए० कल्ली वायलिल श्री भ्रभिजित बसु | 16-7-75 (श्रपरा ह्न) 1 <i>7</i> -7-75 (पूर्वाह्न) |
| 6. | कु० राधा एस० श्रय्यर श्री हरि सन्तोष कुमार कु०गंगा पुरकुटि | 16-7-75 (पूर्वाह्न) 16-7-75 (पूर्वाह्न 31-7-75 (पूर्वाह्न) |
| 8. 9. | श्री धीर सिंह मीना श्री यणवन्त एस० नेगी श्री कहाऊ वैफे | 22-7-75 (पूर्वाह्म) 16-7-75 (प्रपराह्म) 16-7-75 (पूर्वाह्म) |
| 10, | ଆ ୩ ମ୍ ଓ ୩ ୩ | 10-1-19 (Halle) |

दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० 18334/प्रशा०-2—58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० सी० देशपाण्डे, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 31-3-76 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जाएगा ग्रीर उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

एस० के० सुन्दरम रक्षा लेखा ग्रपर महानियंद्रक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कीयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

अगजीवन नगर, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

सं० प्रशासन-12(16)-सामान्य/75—श्री के० भ्रार० सिंह को, जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के स्थायी भोवरसियर हैं, दिनांक 2-12-75 (पूर्वाह्न) से सहायक भ्रभियंता के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त कर कार्यपालक भ्रभियंता कल्याण कार्य प्रभाग नं० 1, धनबाद के श्रधीन तैनात किया जाता है।

श्चार० पी० सिन्हा कोयलाखान कल्याण श्रायुक्त धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय

बम्बई 20, दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० सी० ई० आर०/6/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) भ्रादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रौर केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा निम्निलिखित सारणी के स्तंभ 2 में निर्दिष्ट श्रिधिकारियो को वही स्तंभ 3 में उनके सामने दी गई प्रविष्ठी में निर्दिष्ट क्षेत्र में उक्त भ्रादेश के खंड 25 के भ्रन्तर्गत वस्त्र ग्रायुक्त की शक्तियों का मेरी श्रोर से प्रयोग करने का श्रिधकार देता हू:—

सारणी

| ऋम संख्या | ग्रधिकारियों का पद नाम | द नाम | | | | |
|-----------|---|-----------------------------------|---|--|--|--|
| 1 | 2 | | 3 | | | |
| (2) | निदेशक खाद्य एवं रसद, मध्य प्रदेश, भोपाल राज्य वस्त्र श्रायूक्त गौहाटी- 3 सिचव, श्रांध्र प्रदेश सरकार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद । | •• | मध्य प्रदेश श्रसम भ्रांध्य प्रदेश | | | |
| (2) | उप ग्रायुक्त, खाद्य एवं पूर्ति दिल्ली र्जियोग निदेशालय, उद्योग निदेशालय, | बल वस्त्र के लिए बल सूत के लिए | दिल्ली | | | |
| | उप ग्रायुक्त तथा निदेशक खाद्य एवं पूर्ति, संघ शासित क्षेत्रे, ज्ञानिक खाद्य एवं पूर्ति, संघ शासित क्षेत्रे, ज्ञानिक खाद्य एवं पूर्ति, संघ शासित क्षेत्रे, ज्ञानिक खाद्य ग्रीर पूर्ति श्रधिकारी संघ शासिस क्षेत्र, चंडीगढ़ | नल पूरा कालए | } चंडीगढ़ | | | |

| | | - W1 | | | | | |
|-------|------|--|----------|-----------|-------------------|--------------------------|------------------------------|
| FE P4 | 1 | | 2 | | | | 3 |
| 6 | ए(1) | पूर्ति ग्रायुक्त | | _ | .) | | |
| | | उपसचिव तथा रसद निदेशक | • | | | | |
| | , , | उपनिदेशक, रस द | | • | . | | |
| | (4) | सहायक निदेशक, रसद . | | | . } | | |
| | (5) | नियत्नक राशनिग , बम्बई . | | | . 1 | | |
| | (6) | उप-नियंत्रक राशनिग, बम्बई | | | . | | |
| | (7) | सहायक नियंत्रक, राशनिग बम्बई | | | . | | |
| | (8) | विभागीय भ्रायुक्त | | • | . } | खाद्य एंव रसद विभाग | महा रा ष्ट्र |
| | (e) | सहायक भ्रायुक्त (पूर्ति) . | | | . | केवल वस्त्र के लिए | |
| | | जिलाधिकारी | | | . 1 | - | |
| | (11) | उपजिलाधिकारी | | - | . 1 | | |
| | (12) | सहायक जिलाधिकारी . | | | . | | |
| | (13) | जिला पूर्ति श्रधिकारी . | | • | . | | |
| | (14) | सहायक जिला पूर्ति श्रधिकारी . | | | . 1 | | |
| | (15) | धान्य वितरण ग्रधिकारी . | | | .] | | |
| | (16) | सहायक धान्य वितरण प्रधिकारी | | • | .] | | |
| बी | (1) | निदेशक हाथकरघा, शक्तिचालित कर | घा श्रौर | सहकारी | वस्त्र, | | |
| | , , | नागपुर | | | . 1 | | |
| | (2) | संयुक्त निदेशक, हाथकरघा शक्तिचा | नत | करघा भ्रौ | र सह- | | |
| | ` ' | कारी वस्त्र, नागपुर | | | . } | कृषि सहकार विभाग, े | महाराष्ट्र |
| | (3) | क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा शिक्त | चा लित | करघा श्र | रिसह- | केवल सूत के लिए । | |
| | . , | कारी वस्त्र, नागपुर शोलापुर श्रौर बग | | | `} | | |
| 7 | | प्रायुक्त, खाद्य ग्रौर रसद (प्रथर खाध | | तथा उप- | प्राय क् त | | |
| | | सहित) जयपुर | | | | • • | राजस्थान |
| 8 | (1) | , , | | | J | | |
| 0 | ` ' | पंजीयक सहकारी स <i>ं</i> ।मेतियां, कवरद्री | • | • | • - | ল ঞ্চর | पि संघ शासित क्षेत्र |
| | | | · . | • | ٠٠ | | |
| 9 | | निदेशक, पूर्ति तथा यातायात मिजोरम, | एअल | • | • | | |
| | | उप-म्रायुक्त, ऐजल जिला, ऐजल | • | • | • } | • • | मिजोरम |
| | - | उप-म्रायुक्त, लुंगली जिला, लुंगली | • | • | • | | |
| | (4) | उप-म्रायुक्त, िकम्दुइपुइ जिला, सैहा | • | • | ٠ ر | | |
| 10 | (1) | निदेशक, खाद्य भ्रौर पूर्ति . | | • | .] | | |
| | (2) | संयुक्त निदेशक, खाद्य श्रौर पूर्ति | • | • | . } | संपूर्ण हरियाणा राज्य मे |) |
| | (3) | उपनिदेशक, खाद्य ग्रीर पूर्ति . | | | .] | 17461/4141 1144 | _ |
| | (4) | जिला मजिस्ट्रेट | | | า้ | | ्रहरियाणा |
| | | जिला खाद्य ग्रींर पूर्ति नियंत्रक | • | • | • } | उनके श्रधिकार क्षेत्र मे | |
| 11 | | प-श्रायुक्त खाद्य श्रौर पूर्ति जम्मू/श्रीनग | · - | • | •) | | - जम्मू ग्रौर काण्मीर |
| 12 | | वस्त्र निदेशक | | • | • | • • | पश्चिम बंगाल पश्चिम बंगाल |
| 14 | | सहायक निदेशक, वस्त्र . | • | • | • | 4** | नारपण पणाल |
| 1.0 | • • | | • | • | ٠, | | |
| 13 | | उप-ग्रायुक्त, बोमडीला . | • | • | • | | |
| | | उप-म्रायुक्त, जीरो | • | • | . | | |
| | , - | उप-म्रायुक्त, श्रलग . उप-म्रायुक्त, तेजू . | • | • | . | | |
| | • . | उप-म्रायुक्त, तजू उप-म्रायुक्त, खोन्सा | • | • | . } | • • | ग्ररूणाचल प्रदेश |
| | • , | <u> </u> | • | • | . | | |
| | | म्रपर उप-म्रायुक्त, शासीघाट - म्रपर उप-म्रायुक्त, दापोरिओ - | • | • | . | | |
| | | भगर उप-श्रायुक्त, दापारिका . प्रपर उप-श्रायुक्त, तावांग | • | • | .] | | |
| | (0) | तार प्रान्त्राष्ट्राताः, सामाम | • | • | . 4 | | |

| | 1 | | | 2 | | | | | | 3 |
|----|--------------------------------|---------------------|-----------------------|------------|----------------|-----------------|---------------------------|------------------|---|------------------|
| | (9) ग्रपर उप-म्रायुक्त | ा, श्रनीनी | • | • | • | • | | |) | |
| | (10) भ्रपर उप-भ्रायुक | त, सेप्पा | • | | • | • | | • | } | श्ररूणाचल प्रदेश |
| | (11) ग्रतिरिक्त सहा | यक स्रायुक्त | ' ईटा नग र | • | | | • | • | J | |
| 14 | सचिव, नागालैण्ड श्रायुक्त . | ः संरकार, | •• | ा तथा • | पदेन राज्य | । वस्त्र • | • | | } | नागालैण्ड |
| 15 | (1) निदेशक, खाद्य ए | ्धंरसद, द्रि | पुरा, श्रगरत | ला | | . } | . संपूर्ण द्विपु | रा राज्य | | |
| | (2) जिला मजिस्ट्रेट जिले . | ं त था क | ल क् टर त्निपृ | रा पि | चम/उत्तर/ · | दक्षिण } . } | उनके श्र ध | क्रारक्षेत्र में | | न्निपुरा |
| 16 | (1) रसद म्रायुक्त, वि | त्रवेन्द्रम | | • | • | .] | । ≻ के व ल वस्त | व के लिए | - | केरल |
| | (2) निदेशक रसद वि | त्रवेन्द्र म | • | | • | .) | | , | | ** *** |
| 17 | निदेशक, उद्योग | • | * | - | • | | | | | मणिपुर |

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

पटसन आयुक्त का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1976

मं जूट (ए०)/147/65—पटसन श्रायुक्त, श्री भ्रार० के बोस को दिनांक 1 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से श्रागामी भ्रादेश तक संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा उनके चयन पर इस कार्यालय में ग्रस्थायी सहायक निवेशक (तक) द्वितीय ग्रेड के तौर पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० जूट (ए०)/147/65—श्री के० के० दास, तदर्थ स्थानापन्न सहायक निदेशक (तक) पद का कार्यभार दिनांक 1 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) में छोड़कर,श्री श्रार० के० बोस के समान तिथि से संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा उक्त पद सहायक निदेशक (तक) के चथन पर इस कार्यालय में नियुक्त होने से, वह निरीक्षक (तक) ग्रेष्ट-! के श्रपने मौलिक पद पर प्रत्यावतित होते हैं।

एन० के० राय प्रशासन श्रधिकारी कृते पटसन ग्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशास्य (प्रशासन शाखा-1)

मई दिल्ली-1, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-1/1(991) महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्रारा निरीक्षणं निदेशक बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक (ग्राधीक्षण स्तर-II) श्री एस० के० देसाई को दिनांक 10

दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० प्र०-1/1(952)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्या-लय में श्रघीक्षक (श्रधीक्षण स्तर-II) के पद पर पदावनती होने पर श्री बी० पदमन ने दिनांक 22 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

> के० एस० को**ह्**ली उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्वि तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-1/1(1042)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निटपान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली म अवर प्रगति अधिकारी श्री होशियार सिह को दिनांक 9 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री होशियार सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः स्थाधी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

दिनाक 12 जनवरी 1976

सं०प्र०-1/1(79)—--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री एम० सिंह को दिनाक 19 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महा-निदेशालय, नई दिल्ली से पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> के० एल० कोहली उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन शाखा-6) नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं ० प्र०-6/247(389)/62-IV—-राष्ट्रपति, भारतीय नि-रीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-II में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) श्री जी० सिवरामन की दिनांक 23 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-I में निरीक्षण निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिवरामन ने भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्ज लि० मे वापस लौटने पर दिनाक 23 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया ।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकता-700013, दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० 2181 (श्रो० पी० एस०)/19 बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री औ० पी० शर्मा को भारतीय भूर्वज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेण होने तक, 9 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुवत किया जाता है।

सं० 39/62/19 बी० — राष्ट्रपित सहर्ष मारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के यातिक श्रिभयंता श्री एच० एस० सवानी को उसी विभाग में ग्रधीक्षक यातिक श्रिभयंता के रूप में वैतन नियमानुसार 150€60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में ग्रस्थाई क्षमता म, ग्रागामी श्रावेश होने तक, खिनज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर, 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पदोस्नति पर नियुक्त करते हैं।

सं० 2222 (सी० एस०)/19 ए० --श्री चन्द्रशेखर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप म, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक, 29 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (के० ब्रार०)/19 ए०--श्री के० राधाबृष्णन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में महायक भूवैज्ञानिव के रूप में 650 रु० मासिक के ब्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में ब्रस्थाई क्षमता में, ब्रागामी ब्रादेश होने तक, 9 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है

स० 2222 (एस० के॰ एस०) / 19 ए० -- भारतीय भूवैशा-निक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविशान) श्री सुजीत कुमार लाहिरी को उसी विभाग में सहायक भूवेशानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में, ग्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक, 10 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रणासनिक प्रधिकारी श्री एस० के० मुखर्जी को उसी विभाग में प्रणासनिक प्रधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, श्रस्थायी क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक, 12-12-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है

वी० के० एस० वरदन महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० ए० 19011(66)/75-स्था० ए०—इस विभाग के दिनाक 17 जून, 1975 की सम-सख्यक श्रिधसूचना के त्रम में राष्ट्रपति श्री पी० वी० बाबू, सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी, भारतीय खान ब्यूरों की उसी विभाग में तदर्थ श्राधार पर उप श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी के रूप में की गई नियुक्ति की श्रयधि में 24 नवम्बर, 1975 से श्रग्रेनर 6 माह की श्रयधि के लिये या उस पद पर विभागीय पदोन्नति समिति के नामित व्यक्ति के श्राने तक, जो भी पहले हो सहर्थ वृद्धि प्रदान करते हैं।

दिनाक 7 जनवरी 1976

सं० ए०-19011 (20) / 70-स्थापना ए०--श्री एन० एल० चटर्जी, क्षेत्रीय खान नियत्रक भारत श्रलीमोनीयम कंपनी लिमिटेड से प्रत्यावातत होने पर भारतीय खान विभाग में काम पर उपस्थित हो गये तथा भारतीय खान विभाग के नागपुर कार्यालय में 24 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से क्षेत्रीय खान नियत्रक के पद का कार्य भारग्रहण कर लिया।

दिनांक 14 जनवरी 1976

म ० ए०-19012(58)/73-स्था० ए०--श्री एस० मुर्ती इस्पात और खान नंत्रालय में खान विभाग मे प्रत्यावर्तित होने पर खान ब्रूरो में 8 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्म से सहायक खनन भू-वैज्ञानिक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

> ए० के० राषवाचारी, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी **जूते** नियंद्रक

राष्ट्रीय स्रभिलेखागार

मई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1975

मं० फा० 20(ए०-4)-3/61-ए०-1---डा० दयाल दास के मंस्फृति विभाग में दिनांक 23 फरवरी, 1974 से संकलन कर्ता (कम्पाइलर) (विवरणिकाएं: गजेटीयर्ज) के पद पर भौतिक रूप से नियुक्त किये जाने के परिणाम स्वरूप, ग्राभलेख-निदेशक भारत सरकार, उसी दिनांक से राष्ट्रीय ग्राभलेखागार, नई दिल्ली में पुरालेखाधिकारी (मामान्य) के पद पर उनका धारणाधिकरा (लियन) समाध्त करते हैं।

दिनांक 2 दिसम्बर 1975

मं ० का ० 11-13/75-ए०-1--श्री बी० श्रार० शर्मा, अधीक्षकः को दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त सर्वथा तदयं श्राधार पर प्रशासन प्रधिकारी के पद पर (श्री एल० डी० श्रजमानी के स्थान पर जो श्रवकाश परहें) स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है। यह तवर्थ नियुक्त उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई श्रिधिकार नहीं प्रवान करती है श्रीर वरिष्ठता के प्रयोजनार्थ तथा श्रगले उन्हें पद कम (ग्रेड) में पदोन्नति होने की पालता के लिये नहीं गिनी जाएगी।

दिनांक 8 जनवरी 1976

सं० फा० 11-2/74-ए०-1--मंघ लोक सेवा आयोग की मिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, श्री सुकुमार मरकार, इतिहास व्याख्याता, महिला कालेज, श्रगरतला को राष्ट्रीय अभलेखागार में दिनांक 22 दिसम्बर, 1975 से आगामी आदेश तक अस्थायी आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (वर्ग 2 राजपतित) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जनवरी 1976

मं० फा० 20(ए०-4)-1/61-ए०-1--- प्रधिवापिकी प्राप्त होने के परिणाम स्वरूप श्री देवराज शास्त्री दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 के श्रपराञ्चको राष्ट्रीय श्रीभलेखागार में हिन्दी श्रधिकारी के रूप में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये।

श्रीनन्दन प्रसाद, ग्राभिलेख-निदेशक

भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० एफ० 92-109/75-स्थापना/227—श्रीमती निमक्षा सेन, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग को, प्रधान पुस्तकाध्यक्ष (राजपित्तत, द्वितीय श्रेणी) के रूप में तदर्थ 2--446GI/75 श्राधार पर 17 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्म) से 6 महीने के लिए उसी कार्यालय में स्थानापन्न नियुक्त किया जा रहा है।

डा० एम० खेरा, उप निदेशक प्रभारी

आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1976

सं ० 10/102/75-एस०-तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सत्यपाल, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, भोपाल का दिनांक 27-12-1975 (अपराह्न) से त्याग पत्न स्वीकार करते हैं।

> हरजीत सिंह, प्रशासन उप-निदेशक कृते महानिदेशक

सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिख्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

मं ०ए०/20267/73-प्रशासन-1—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री एस० सी० जैन, श्रस्थाई कार्यकारी को सहायक ब्यापार ब्यवस्था-पक के पद पर 11 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्री एस० एन० चन्दा, महायक ब्यापार ब्यवस्थापक, जो ब्यापार ब्यवस्थापक नियुक्त हुए हैं, के स्थान पर अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

शरणपास सिंह, उप-निदेशक

गीत श्रीर नाटक प्रभाग

दिल्ली-110006, दिनांक 3 जनवरी 1976

सं ० ए०-22013/1/75-प्रशासन-1/गी । ना०---निदेशक, गीत श्रीर नाटक प्रभाग, सूचना श्रीर प्रगारण मंत्रालय, भारत सरकार, स्थानापन्न सहायक निदेशक, श्री एस० बी० एल० श्रीवास्तव को दिनांक 3 जनवरी, 1976 (श्रपराह्न) से दिल्ली से इम्फाल, स्थानान्तरित करते हैं।

> पि॰ एस॰ रामाराव, उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० 41-29/75-डी०--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतस्-द्वारा श्री देवशीश रे को स्वास्थ्य सेवा महा निदेशक्त के के के ये श्रीवध मानक नियंत्रण संगठन के पूर्वी क्षेत्र कार्यालय, कलकत्ता में श्रस्थायी रुप से 10-12-1975 पूर्वाह्म से श्रीवध निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० एस० गोठोस्कर, श्रीषध नियंत्रक (भारत) कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

यं० 20/2(2)/75-सी० जी० एच० एम०-1—-डा० ए० के० चट्टोपाध्याय, कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी (नदर्थ) का त्यागपत स्वीकार हो जाने के फल स्वरूप, उन्होने 30 श्रक्तूबर, 1975 (अपराक्ष) को श्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वेणुगोपाल, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते स्वास्थ् मेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1976

स० 20/1(36)/75-सी० जी० एच० एम०-1--केन्द्रीय ध्रायुर्वेद अनुसंधान मस्थान (भारतीय औषण और होस्योपेथी में केन्द्रीय ध्रनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के अंतर्गत) चेरुथुरुथी, केरल राज्य से अपने मुख्य कार्यालय में प्रत्यावर्षित हो जाने के फल-स्वस्प डा० ध्रारं० जे० ध्राग्निहोती ने 10 ध्रक्तूबर, 1975 पूर्वाह्र से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास के ध्रंतर्गन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

दिनांक 6 जनवरी 1976

स० 9-37/75-मी ० जी ० एच० एस०-1-स्वास्थ्य सेवा महा निदेशक ने डा० प्रवीण कुमार रेहनी को 18 अक्तूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशो तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में पुर्णतया तदर्थ आधार पर होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

के॰ वेणुगोपाल, उप निदेशक (प्रशासन)

नई विल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

मं ० 1-19/75-सी० एच० एस०-2---श्रपना इस्तीफा मन्जूर हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० पी० रूसिया ने 30 जून, 1975 के श्रपराह्म को विलिग्डन श्रस्पताल, नई दिल्ली, में कनिष्ठ विकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> रवीन्द्र नाथ तिवारी, उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1976

सं ० 1-43/69-एडमिन०-1~-राष्ट्रपति ने श्री श्राई० श्राई० राधाकृष्णन को १ नवम्बर, 1967 के पूर्वाह्म से श्रखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में स्वास्थ्य इंजीनियरी में सहायक प्रोफेसर के स्थायी पद पर स्थायी रूप मे निय्वत किया है।

दिनाक 8 जनवरी 1976

सं० 5-4/75-एडमिन०-1 - स्थायी सेवा महानिदेशक ने श्री सी० गौविन्दन को बी० सी० जी० वेकसीन प्रयोगशाला, गिडी मद्रास, में कनिष्ठ सक्तनीकी श्रक्षिकारी के स्थायी पद पर एतद्द्वारा 10 नवस्वर, 1975 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है

सं ० 17-6/74-एडमिन०~1--डा० एम० सी० स्वामीनाथन ने 19 दिसम्बर, 1975 के श्रपराह्म को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सलाहकार (पोषण्) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक (प्रशासन)

क्रि एवं सिचाई मंत्रालय

ंक्र<mark>षि विभा</mark>ग विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिमांक 12 जमबरी 1976

सं० 6(5)/60-स्था०(1)—श्री श्रीम प्रकाश गुन्ता, दिस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिचार्ट मंत्रान्य (कृषि दिशाग) में दिनांक 3-12-1975 के बाद से 31-3-1976 तक या पदस्थ के नियमित होने में से जो भी पहले हो तक सहायक सम्पादक (हिंदी)श्रेणी दितीय (राजपतित) (श्रिलिपिक वर्गीय) के पद पर तदर्थ रूप में स्थानापन्न बने रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1976

मं० 4-6(101)/75-प्र०-1—संघ लोक सेवा भ्रायोग की संस्तु-तियों के श्रनुसार श्री के० वेलायचाभी को विषणन श्रीर निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 4 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से भ्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रीध-कारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है।

मं० 4-6(100)/75-प्रशा० 1 — सघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली की संस्तुतिमों के अनुसार श्री राम भाऊ माधी राव पाराटे को विपणन और निरीक्षण निदेशालय के अधीन चण्डीगढ़ में दिनांक 12 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थाना-पन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है।

सं० 4-6 (97) / 75-प्र० 1—संघ लोक सेवा फ्रायोग नई दिह्ली की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री विश्वमा मिंह पवार को विषणन निरीक्षण निदेशालय के अधीन बंगलोर में दिनांक 22 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से प्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न महायक विषणन श्रिधकारी वर्ग 1, नियुक्त किया गया है

ई० एस० पार्थसारथी, कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

वम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

मं० पी० ए०/81(140)/75-श्रार० 4—भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र के निवेशक यहा के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) श्रीर स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री दत्तावय मंजनाय प्यार को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशो तक के लिये इसी श्रनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्ण, उप स्थापना श्रधिकारी (भ)

परमाण ऊर्जा विभाग

कय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना—परमाणु ऊर्जा विभाग के कर एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के कोडा स्थित कोडा क्षेत्रीय भंडार यूनिट के आवती अनुभाग के स्थानापन्न भंडारी (जो आजकल तदर्थ आधार पर मुख्य भंडारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं) श्री आर० सी० शर्मा को, श्री एस० पी० आनन्द, सहायक भंडार अधिकारी; जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 7-7-1975 से 23-8-1975 तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से क० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कं० पी० जोसफ प्रशासन-स्रधिकारी

नाभिकीयईधन सम्मिश्र

हैदाराबाद-500762, दिनाक 1 दिसम्बर 1975

सं० ना० ई० स०/प्रशा०/22/13(1)/1649——मुख्य कार्यपालक नाभिकीय ईधन सम्मिश्र, विष्ठ प्रशुलिपिक श्री सी० एच० बी० एस० एस० एन० शर्मा को 1-11-1975 से 30-11-1975 की अवधि श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक के लिए, जोभी पहले घटित हो, नाभिकीय ईधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जनवरी 1976

सं ० ना० ई० सा०/प्रण०/22/12/30—-मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री सी० एच० नरिसम्हा चारी को 7-1-1976 के पूर्वाह्न से 31-3-1976 की प्रविध अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईधन सम्मिश्र, हैदाराबाद, में तबर्य हम से महायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पी० म्हाते वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

म्रणुशंक्ति-323303, दिनांक 14 जनवरी 1976

सं० रापविष/04627/2(292)/76/प्रणा०/स्थल/641—-भारी पानी परियोजना (भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र) कोटा में स्थानान्तरित होने पर, श्री कमलक्ष्मी थॉमस जोस ने इस परियोजना में महायक कार्मिक अधिकारी के अस्थायी पद का कार्यभार दिनांक 15 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्म) को छोड़ दिया।

> गोपाल सिह प्रणासन ग्रधिकारी (स्थापना)

पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 जनवरी 1976

सं० ई०(1)04321—-बेधशालाओं के महानिदेशक अपने नई दिल्ली कार्यालय के व्यवमायिक सहायक श्री के० एम० बी० राजगोपालन को 1-1-1976 के पूर्वाह्न से 29-3-1976 तक नवासी दिन की श्रविध के लिये स्थानापन रूप में मौसम विशेषण नियुक्त करने हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री राजगोपालन विधशालाग्रों के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय मे ही तैनात रहेंगे।

> एम० श्वार० एन० मनियन मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाश्चों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली-110022, दिन/क 5 जनवरी 1976

मं० ए.०-19013/25/72-ई० ए.च०—-निवर्तन ग्रायु प्राप्त करने पर श्री जे० ए.स० चौधरी ने 31 दिसम्बर, 1975 के श्रपराह्म से नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में निदेशक विमानमार्ग श्रीर विमानक्षेत्र (योजना) के पद का कार्यभार त्याग दिया तथा मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

टी० एस० श्रीनिवासन सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० ए०-12034/4/76-ई० ए०---निवर्तन भ्रायु प्राप्त करने पर निम्नलिखित श्रधिकारी 31 दिसम्बर, 1975 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए हैं:---

| नाम | पदनाम | स्टेशन |
|---|---|---|
| श्री एच० आई० एस० कवर श्री ए० एस० गिल | वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी सहायक विमानक्षेत्र श्रधिकारी | पोर्ट, पालम । |
| | - | - — - ात लाल खंडपुर ादेशक प्रशासन |

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 14 जनवरी 1976

स० 16/115/67-स्थापना-1--श्री मदनमोहन सिंह, यहायक मापिकी श्रिधिकारी द्वारा ड्युटी ग्रहण कर लेने पर श्री पी० के० भट्टाचार्य दिनाक 4-10-1973 के अपराह्म से श्रपने मूल पद, श्रनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग पर प्रत्या-वर्तित हुए।

> प्रेम कपूर कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय इलाहाबाद, दिनाक 15 जुलाई, 1975

सं० 72/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय गोरखपुर में अधीक्षक (निरीक्षण दल-एक) के रूप में तैनात श्री आर० पी० शाही, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, ने दिनाक 30-6-1975 को दोपहर के बाद श्रधीक्षक (निरीक्षक दल-एक) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय गोरखपुर के कार्यालय का कार्यभार डा० दिनेश चन्द्र श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को सौप दिया तथा वे उसी दिन और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 73/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कमेकित मडल कार्यालय में तैनात श्री उमाशंकर प्रग्रवाल, स्थाई निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने जो इम कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या प० सं० 11(3) 2 न्स्था०/75/19530 दिनांक 7-6-1975 के ग्रन्तगंत जारी किए गए स्थापना ग्रादेश सं० 146/1975 दिनांक 6-6-1975 द्वारा ग्रगला ग्रादेश होने तक रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त किए गए थे, दिनांक 26-8-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय, वारांशसी में ग्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

सं० 74/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन मुल्क समेकित मंखल कार्यालय मुरादाबाद में तैनात श्री राज कुमार मर्मा, स्थानापन्न प्रमामन स्रिधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क ने दिनांक 30-6-1975 को दोपहरबाद, केन्द्रीय उत्पादन भुल्क समेकित मंडल कार्यालय, मुरादाबाद के प्रमासन स्रिधिकारी के कार्यालय का कार्यभार श्री एच० सी० दीवान, स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क, श्रेणी दो को सौंप दिया श्रीर वे उमी दिन ग्रीर समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एच० बी० दाम समाहर्ता

(सीमा शुल्क विभाग) मडास-1, दिनांक 21 नवम्बर 1975

मं० 18/75—-श्री गंगाराम देव जो संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा सीधे नियुक्त अप्रेजर (मिशानरी एक्सपर्ट) चुने गये इस सीमा णुलक कार्यालय में 10-11-1975 प्रात: से अपस्थायी रूप से नियुक्त किये गये है, जब तक कोई श्रन्य श्रादेश न किया जाये। वे दो वर्ष की श्रावधि तक प्राबेशन मे रहेंगे।

> जी० संकरन समाहर्ता

निदेशालय भारतीय राजस्व सेवा (प्रत्यक्ष कर) ग्रंधिकारी महाविद्यालय

आहेश

नागपुर, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

म० प्रशिक्षण/रा० प्र०/स्थापना/75/3443—-श्री विनय स्वरूप शुक्ल की एतदद्वारा अगले आदेश होने तक 6-12-1975 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-40-1200 के वेतन मान मे पूर्ण रूप से तदर्थ तथा अस्थायी आधार पर स्थानापन्न हिन्दी अधिकारी के रूप मे नियुक्त किया जाता है।

वी० श्रार० बापट निदेशक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगणाला

नई दिल्ली-12, दिनाक 30 दिसम्बर 1975

स० $1\sqrt{1975}$ —श्रों कें० जीं० रामास्वामी, रसायन सहायक ग्रेड-1, सीमाशुल्क गृह प्रयोगणाला, कोचीन को दिनांक 2 दिसम्बर, 1975 से श्रागामी आदेशों के जारी होने तक नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगणाला, बम्बई मे रसायन सहायक परीक्षक के पद पर सामयिक (प्रावीजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

स० 15/1975—-श्री एच० एन० भौमिक, रसायन सहायक ग्रेड-1, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, सई दिल्ली को दिनाक 19 दिसम्बर, 1975 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में रसायन सहायक परीक्षक के पद पर सामयिक (प्रावीजनल) रूप में नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन मुख्य रसायनज्ञ

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1976

सं० क०-19012/545/75-प्रशा० 5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के परिणामस्बस्प श्रध्यक्ष केंद्रीय जल आयोग एतदहारा श्री राजिकशोर प्रसाद को केद्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान श्रधिकारी (इंजिंनियरी—दूर सचार) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 16 दिसम्बर 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

श्री राजिकिशोर प्रसाद उसी तारीख तथा समय श्रयांत 16-12-1975 (पूर्वीह्म) से दो वर्ष के लिए परिकीक्षा पर होगे।

> के० पी० बी० मेनन श्रवर सचिव कते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनाक 8 जनवरा 1976

म० 3-405/75-सी० एच० (ई०)—-श्री अबदुल माबूद खाँ को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग II (राजपत्नित) के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 उनके मुख्यालय गोहाटी के साथ दिनाक 18-12-1975 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० 6-95/73-सी० एच० (ई०)—भी जी० डी० श्रोझा को कनिष्ठ भू-वैज्ञानिक वर्ग दो (राजपितत) के पद पर अस्थाई रूप से वेतनमान रू० 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 के अन्तर्गत मुख्या-लग कोन्गटोर के साथ दिनाक 25-11-1975 (पूर्वास्त्र) में अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

> डी० एस० देशमुख मुख्य जल भूविज्ञानी

प्रमुख इजीनियर कार्यालय केन्द्रीय स्रोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनाक सितम्बर 1975

म० 27-ई०/जी०(47)72-ई० सी०-II—सेट्रल बोर्ट ग्राफ डाईरेक्ट टंक्स, ग्रायकर विभाग, नई विल्ली के श्री डी० एल० गुप्त, कार्यपालक डजीनियर (मुल्यन) वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 30-6-1975 ग्रापराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

दिनाक 5 सितम्बर 1975

स० 27/ई०/ए०(5)/69-ई० सी०-11--श्री ग्रार० के० श्रमवाल, जो पहले अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षण (पूर्वी ग्रंचल) कार्यालय के लो नि बि, कलकत्ता मे निर्माण सर्वेक्षक लगे हुए थे, मूल नियमों के नियम 56 के अनुबन्ध (जे०) के अतर्गत सरकारी सेवा से 1-7-1975 (पूर्वाह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनाक 24 ग्रन्तूबर 1975

स० 5/2/75-ई० सी०-।--इस कार्यालय के दिनाक 7 जून, 1975 के समसंख्यक ऋध्स्चना के ऋम में राष्ट्र-पित निम्मिलिखित सहायक इंजीनियरो (सिनिल भौर निद्युत्त) को केन्द्रीय इंजीनियरो सेवा श्रेणी--! भ्रीर केन्द्रीय विश्वुत इंजीमियरी सेवा श्रेणी--! में बिल्कुल तदर्थ श्रीर अंनितम श्राधार पर 31-12-1975 तक या जब तक पद नियमित मन से भर नहीं लिए जाते, जो भो पहले हो, तब तक

स्थानापस वार्यपालक इजीनियर (निविल ग्रीर विशुत) बने रहने की श्रनुमनि देते हैं।

केन्द्रीय इजीतियरी सेवा श्रेणी-1

ा. श्रीपी०सी० शर्मा।

केन्द्रीय विद्युत इजीनियरी सेवा श्रेणी-।

मर्वश्री

- 1 बाई० पी० डी० ऋपूर
- 2. मी० म्रार० राय
- 3 के०सी०पुज
- -4. के०एल०धमीजा
- 5. एस० के० चावला
- डी०के० कपूर,
- 7. डी० गै० भारद्वाज
- 8 सी० तगराज,
- 9. टी०एस० छाबडा

दिनाक श्रक्तूबर 1975

स० 5/3/73-ई० सी०-1 (जिल्द-11)—राष्ट्रपति निम्न-लिखित सहायक इजीनियरो (सिविल नथा विध्त) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में बिल्कृल तदर्थ ग्रौर ग्रनितम ग्राधार पर 31-12-1975 तक (या उनके नाम के ग्रागे दी हुई तिथि तक) या जब तक पद निर्यामत रूप से भर नहीं लिया जाता तब तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न कार्यपालक इंजीनियरी (सिविल ग्रौर विद्युत) बने रहने की ग्रनुमित देते हैं.—

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-। सर्वर्श्नी

- 1. डी० डी० मलिक
- बी०पी०गुप्त
- 3 ख्रेम चंद गेरीमल
- 4 ग्रा०डी० मिस्त्री
- वी० बी० बेकटचारी
- 6 पी०सी०माथुर
- 7 एम० बी० शिवदासानी
- 8 एस० जी० चऋवर्ती
- 9 कामता प्रसाद
- 10 बी० श्रार० महाजन
- 11. एस० सी० गोयल-∐
- 12 एस० के० लाहिडी
- 13 वाई०पी०वडेहरा
- 14 बलदेव सूरी
- 15 के० दी० बालसुब्रह्मणयन्
- 16 जसवन्त सिह

- 17. एल० पी० मुखर्जी
- 18. बी० एम० घोष
- 19. ग्रार० के० बरकतकी
- 20. सी० घार० दे
- 21. के०के०गुप्त
- 22. पी०के०बीस
- 23. राधे लाल-1
- 24. पी० ग्रार० गर्ग
- 25. एस० एम० ऐरन
- 26. बी० जी० चौधरी
- 27. वी० के. कुप्णानी
- 28. एस० पी० श्ररोड़ा
- 29. भगवान दास-1
- 30. ग्रो०पी०शर्मा-Il
- 31. डी० सी० गोयल- $I^{
 m I}$
- 32. डी०के०भौमिक
- 33. जी० एस० मृति
- 34. एच०के०सचदेव
- 35. एस० एन० **ड**न्डोन।
- 36. बी०एन०गुप्त
- 37. ग्रार० ग्रार० सिह
- 38. बी०डी०गोयल
- 39. पी०पी०गोयल
- 40. गुरमेज सिंह
- 41. बी० जी० पलसाकर
- 42. सी० एस० कर्णानी।
- 43. एच०एल० खजांची

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1

सर्वधी

- एन० सी० दत्त गुप्त
- 2. पी०सी०घोष
- 3. ग्रार० एन० गंगोली
- 4. डी० ग्रार० खन्ना
- 5. विश्वनाथ सिह
- 6. ए० के० दत्त
- 7. पी०ए० चावला
- 8. ई०के० विश्वनाथन
- 9. जं०चऋवर्ती
- 10. बी०के०सूद

दिनांक 31 श्रक्तूबर 1975

सं० 27-ई०/जे०(7)/69-ई० सी०-[I---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यणालक इंजीनियर, श्री म्रो० पी० जैन (निलम्बित किए हुए) म्रीर ग्रधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (नई दिल्ली भंचल) कार्यालय, के लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली में लगे हुए बार्क्सक्य की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 31-10-1975 (ग्रयराह्म) से सेवा निवृक्त हुए।

दिनांक । नवस्बर 1975

सं० 27-ई०/जी०/(46)/74-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण के श्री बी० पी० गोयल, कार्यपालक इंजीनियर श्रौर जो पहिले सत्तर्कता एकक, के ली० नि० बि०, नई दिल्ली में लगे थे, बार्द्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31-10-1975 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए। श्री गोयल 2-9-1975 से 31-10-1975 तक 60 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर थे।

> पी० एस० <mark>पारवा</mark>नी प्रशासन उपनिदेशक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1975

सं० 12--इस रेलवे के निम्निलिखित डाक्टरो को इस रेलवे पर उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से दर्जा II में सहायक चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर स्थाई किया जाता हैं:--

| क्र० डाक्टरका नाम स० | सहायक चिकित्सा स्थायी करण प्रधिकारी दर्जा 11 प्रन्तिम या के रूप में स्थाई अनन्तिम किए जाने की रूप से तारीख |
|--|--|
| 1. डा०एन० जी० चऋवर्ती 2. डा० (श्रीमात) एस० मलिय | 1-1-66 श्रन्तिम ह 1-1-66 श्रनन्तिम |
| | वेद प्रकाश साहनी महाप्रबन्धक |

पूर्ति ग्रौर पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग)

मुख्य यास्निक अभियंता का कार्यालय धुनवीस भुमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003, (उड़ीसा), दिनांक 12 जनवरी। 1976

मं० पी० 3/1—श्री जागीर सिंह जो 14-3-1973 से 30-11-1975 तक की श्रविध के लिये तदर्थ रूप में स्थाना-पन्न सहायक श्रीभयंता नियुक्त हुये थे, की पदोन्नति विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर सहायक श्रीभयंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में नियमित श्राधार पर 1-12-1975 के पूर्वाह्न से पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, में किया जाता है श्रीर उन्हें पदोन्नति के दिन से दो वर्ष की श्रविध के लिये परिवीक्षा पर रखा जाता है।

एन० सत्यमूर्ति प्रचालन द्यभियंता

कम्पनी कार्य विभाग

रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज की कार्यालय मद्रास-6, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

सं० 3567/लीक्यू०/एस० 560/75—यतः वीनस चिट फण्ड प्रैवेट लिमिटेड (इनलिकुडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 21, पेरुमाल कोइल गार्डन स्ट्रीट, साऊकारपेट. मद्रास-1, में है, का समापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतू रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है श्रीर यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिये श्रपेक्षित है, यह छः क्रमवता मास के लिये नहीं दी गई है, श्रतः जब कम्पनी श्रधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के श्रनुसारण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के श्रवसान पर वीनस चिट फण्ड प्रैवेट लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकृत्ल हेतूक दिशत नहीं किया जाता है तो, रिजस्ट्रर से काट दिया जायेगा श्रीर कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पि० स्रन्नपूर्ना रजिस्ट्रार

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1976

कम्पनी <mark>अधिनियम, 1965 श्रौर</mark> मेसर्स पंकज ट्रेड अन्टर प्रा**ईसीस प्रा**ईवेट लिमिटेड के विषय में।

मं० 560/1768—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मेसर्स पंकज ट्रेंड ग्रंन्टर प्राईसीय प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1976

कम्पनी श्रिक्षिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स डेजान युनयन ट्रान्सपोर्ट कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 560/674—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एतद्ब्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स डेडान युवायन ट्रान्सपोर्ट कंपनी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जनवरी 1976

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स सीवीउस श्रेक्स-ट्रेकशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 560/2587—कम्पनी अधिनियम, 1956 की ० धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सीवीडस अन्सद्रेकशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दो जाएगी।

> जे० गो० गाथा प्रमं<mark>डल पंजीय</mark>क, गुजरात राज्य

कम्पनी रजिस्ट्रेशन कार्यालय, उड़ीसा कटक, दिनांक १ अनवरी 1976

स० जे० श्रार० क्य्० 11/75---2809---एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि निर्धारित दिनांक में कम्पनी श्रार्टन श्रोर व्यवस्था के अनुसार रिजस्टर से काट दिया गया श्रोर विघटित हो गई श्रधीलिखित कम्पनियों का कागजात श्रोर पत्नालाप भारत के राजपन्न में प्रकाशन से तीन महीनों के बाद नष्ट कर दिया जाएगा ।

| ऋ ० स`० | कम्पनियो के नाम | किस तारीख में रजिस्ट्रेशन हुई। | किस श्राईन में रजिस्ट्रेशन ^{हुई} | िकस तारीख में काट दी गई थी। विषटित हो गई। | कम्पनी नम्खर |
|------------|--|---|--|--|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Ι. | दि रः ।राइज केमिकल एण्ड फारमा सिटिवल वरक्स लिमिटेड | 1913 | 4-7-47 | 2-8-54 | 104 |
| 2. | उत्तकल केमिकल एण्ड इन्डस्ट्रिज लिमिटेड . | 1913 | 12-9-50 | 2-8-54 | 208 |
| 3. | प्राची फारमस लिमिटेड | 1913 | 22-8-51 | 26-10-54 | 237 |
| 4. | कालाहान्डी डेवलपमेंट सिन्डीकेट लिमिटेड . | 1913 | 9-6-52 | 13-12-54 | 302 |

एस० एन० गृह कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश स० ए० पी०-1421—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्स श्रिधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-खं के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है स्रोर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1893, 1949 तथा 2015, मई, 1975 में है तथा जो लाजपत नगर, में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिमारी के कार्यालय आलग्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के मनुसार मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः--- शि सोहन लाल सुयुज श्री कर्म सिह 335, लाजपत नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुचा मिंह, सुपुत्र श्री केसर सिंह, मार्फत श्री ग्रमीचन्द कोठी न ० 335, लाजपस नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3 जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के झर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनिक्स, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होना, को उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 1893, 1949 तथा 2015, भई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14 जनवरी 1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश स० ए० पी०-1422—-यत , मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे समें इसके पश्चात् 'उम्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1025, मई 1975 में है तथा जो लिक रोड, माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्त-रकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त अधिनयिम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:3—446G1/75

- श्रीमती चरण कौर पत्नी स्वर्ण सिह सुपुत्र जमादार प्रताप सिंह, लिक रोड माडल टाउन, जालन्धर। (प्रान्तरक)
- 2. श्री कृष्ण देव शोरी सुपुत्र श्री तीर्थ राम शोरी, मकाननं ० एन० एल० 230, मुहल्ला महेन्द्र, जालन्धर, । (श्रन्तरिती)
- 3 जैंसा कि नं०2 मे है।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त गट्दों और पदो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1025 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार मक्षम प्राधिकारी भहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० 1423——यत. मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रोर जिसकी मं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1144, मई 1975 में हैं तथा जो गाव वडाला, में स्थित है (भ्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजर्स्ट्र करण श्रुटिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रजिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कंथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गांचा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

त्रत: अब उक्त ब्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ब्रन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्णात:--

- श्री घनशाम दास सुपुत्र महता वसना राम जी०ए० ट्र,श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री किरपाल सिंह ।
 - (2) कुमारी ब्रादर्श कौर सुपुत्नी करतार सिंह , निवासी सुभाष रोड, करनाल । (श्रन्तरक)
- 2 श्री ग्रवतार सिह मुपुल श्री करतार सिह निवासी काहमीयां, तहसील, नवांशहर, (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पित्त है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रमुक्त गञ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, नो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसुद्धी

भूमि जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 1144 मई, 1975 को रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी जालन्ध⁷ में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी राह्मयक द्यापार पायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० पी०-1424—यतः, मृझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1101, मई, 1975 में है तथा जो गांव बडाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि ए गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री घाश्याम दास महता सुपुत्र महता वसना राम जी०ए०ट् श्री करतार सिंह सुपुत्र किरपाल और श्रीमती मनजिन्द्र कौर सुपुत्री श्री करतार सिंह (ग्रन्तरक)
- श्री दलजीत सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह, निवासी काहिमा तहसील नवागहर, इन्साईड सुभाष रोड, करनाल ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे किन रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अ**नुसू**ची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख 1101,मई, 1975 की राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जासन्धर

तारीख: 14-1-1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेण सं० 1425— यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1102 मई, 1975 में है तथा जो बडाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908

का 16) के अधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण किखित मे वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब उपत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमु-सरण में, मैं, उपत ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) घनश्याम दास महता सुपुत्र श्री वसना राम महता जी० ए० टू श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री किरपाल सिंह
 - (2) अदेश कौर सुपुत्नी श्री करतार सिह इन्साईड सुभाष रोड, करनाल।

(ग्रन्तरक)

 श्री करतार सिंह, निवासी काहिमा तहसील, जालन्धर।

(भ्रन्तिरती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1102 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-1976

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० पी०-1426---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1232, मई, 1975 में है तथा जो बाजार गेरवा जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- श्री निरंजन सिंह सुपुत्र श्री भोला सिंह, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- श्री कृष्ण लाल सुपुत्र श्री जीवन दास
 118, शक्ति नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि नं 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (गह क्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1232 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहावक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्क्षर

तारीख: 14-1-76

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० 1427---यत:, मुझे, रवीन्द्र कुमार **भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें पश्चात् 'उषत भ्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1391, मई 1975 में है तथा जो बस्ती दानशमंदा, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रव, उनत भिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री किरपा राम जी० ए० टू० श्रीमती दुर्गा देवी, पत्नी बस्ती बावा खेल, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार सुपुत्र श्री दौलत राम मैनेजिंग डायरेक्टर, रेखा लैण्ड प्राईवेट लिमिटेड, जालन्धर ।

(भ्रन्तिरिती)

3. जैसाकि नं० 2 मे है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्तिसम्पत्ति मे रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:---

उक्त सम्पत्ति के ब्राजेंन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्नाक्षरी के पास लिखिन्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'जमत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1391 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> स्नीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० 1428—स्यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूत्य 25,000/- रु० से मधिक है

श्रीर जिसकी मं जैमा कि रिजम्ट्रीकृत विलेख न । 1392 मई, 1975 में है तथा जो बस्ती दानशमंदा, जालन्धर में स्थित है (श्रीर दसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्री-कर्ण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरको) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, ग्रीर
- (क्का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम. या धनकर भ्रधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण मे, मै. उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखित व्यक्तियो, भ्रभीत श्री ग्रमर नाथ सुपुत्र श्री किरपा राम जी० ए० टू श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री ग्रमर नाथ बस्ती दानणमंदा, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज रेखा लैण्डज प्राईवेट लिमिटेड, मार्फत श्री कृष्ण कुमार सुपुत्र श्री दौलत राम मैनेजिंग डायरेक्टर

(भ्रन्तिरती)

3. जैसा कि नं० 2 मे है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्नर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जी उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ु, अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 1392 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-1976

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 जनवरी 1976

निदेश सं० एस० ग्रार०/इन्दौर/9-1-75—म्ब्रतः मुझे, दी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर से प्रधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चर है, जो जिला देवास में स्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 9-1-75 को पूर्वोक्स

- •सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर
 - (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नेत ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के सनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपक्षारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्र<mark>थांत्</mark> श्री छत्ता पिता श्री गिरधारी माली, निवास बड़ा बाजार, देवास ।

(श्रन्सरक)

 श्री रामप्रसाद पिता दयाराम, निवास गाव राजोदा, जिला देबास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया णुरू अरता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्ध ने कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपव मे प्रकान की तारीख से 45 दिन की श्रुक्ति का तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्वना को नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सम्पत पति हो के भीतरपूर्वित व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति तरा,
- (ख) इस सूचना के राजपत से प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उउन स्थावर सम्पत्ति से हित-बद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा स्केगे।

स्पद्धीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दी श्रीर पदी का, जो उक्त ग्राधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा. जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकल्चर भूमि बनी हुई गाव राजोदा, तह० और जिला वैवास ।

> वी० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 20 जनवरी 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

द्यायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जनवरी 1976

निदेश सं० एस० ग्रार० /इन्दौर/24-4-75—म्ब्रत: मुझे, बी० कें० सिन्हा श्रायकर अधिनियम

1961 (1961 की 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रोर जिसकी स० प्लाट बना हुआ है जो श्रनुप नगर में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्व श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 24-4-75 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्य सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्तनं से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्तनं से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्तनं से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्तनं का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और तह कि यन्तरक (अन्तरका) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रल, निम्निलिद्यित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त ग्रधि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए, भ्रौर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-गरण मे, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नानिखित व्यक्तियो, भ्रभीत् 4—446GI/75 1. श्रीमती लीला बाई, पत्लि रामचन्द्र रिसी 6/2,साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

 श्री धनपत राम पिता सुखदयाल, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबग में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिल की श्रविध, जो भी श्रविध याद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेगे।

स्पब्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदो का, जो जक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-द में यथा-परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट बना हुम्रा मनूप नगर, इन्दौर 19796 स्क्वायर फीट।

वि० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 20 जनवरी 1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जनवरी 1976

निदेश स० एम० भार०/इन्दोर/30-4-75--यत. मुझे वी० के० सिन्हा भ्रधिनियम, 1961 (1961 भ्रायकर (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० एग्रीकल्चर भूमि है तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रन्सूची मे ग्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 30-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (खा ऐसी किसी आय या किसी झन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उनत ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रार्थीत :— श्री रामचन्द केशवदास
 44, सिख, मुहल्ला, इन्दौर।
 बम्बई कापता:
 मैसर्स केशवदास हसानन्द क्लाथ मर्चेन्ट्
 256, यसूफ, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री साधुराम पिता पोकरदास
 - (2) केशवदास पिता पोकरदास
 - (3) मोहन लाल पिता टहलराम
 - (4) श्रीमती उत्तमीबाई पति सच्चानदाम
 - (5) बासुदेव पहरूमल
 - (6) किशनदास पिता नीवन्दराम
 - (7) हजारी लाल पिता मिश्रीलाल सभी निवास पालसीकर कालौनी, इन्दौर।

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आर से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चर भूमि साथ में म्यूनिलिपैलिटी, इन्दौर एरिया 2.65 एकड़।

> वि० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 20-1-76

प्ररूप ग्राई० टो० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 21-सी०/प्रर्जन-स्प्रत मूझे, विशम्भर नाथ प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

भीर जिसकी सख्या है तथा जो ग्राम सिमरौली तह ० बीसलपुर, जिला पीलीभीत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनूमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तित की गई है श्रोर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरको) भौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय' पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, प्रथीत् 1 श्री कशमीर सिंह व ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चरनकौर

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि जोकि ग्राम सिमरौली तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख . 16-1-76 मोहर . प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 2-बाई/म्रर्जन—-भ्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० सी०-7/131 ए है तथा जो सेव पुरा, वाराणसी से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी मे रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908का 16) के प्रधीन 10-7-75 को पुर्बोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के धुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है म्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनयम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयति :--- 1. श्री जगन्नाथ प्रसाद भर्मा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उनत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्र<mark>नुसुची</mark>

एक किता मकान नं० सी-7/131 ए मय 6 दुकानो के जो कि मोहल्ला सेनपुर जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

ें आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 105-एस/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी संख्या --- है तथा जो मोहल्ला बिहारीपुर, जिला बनेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची मे ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-7-75 को

पूर्थोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिको) भीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रार्यकर श्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रम, 'उदत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 1. श्याम सुन्दर लाल

(ग्रन्तरक)

2. शीमती शान्ती देवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि मोहल्ला बिहारीपुर, जिला बरेली में स्थित है।

> बिशस्भर नाथ प्रक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय ः श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

प्ररूप प्राई० टो० एन० एप०⊶---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 77-ग्रार/ग्रर्जन—यतः मुझे बिशम्भरनाथ ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० सी० के० 14/51 है तथा जो नन्दन साहु लेन, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— ा. श्री राम मोहन व अन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम नरायन सहगल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता चार मंजिला मकान नं० सी० के० 14/51 जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट हैं। जोकि नन्दन साहु लेन, जिला वाराणसी में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिसांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 23-डो/ग्रर्जन--ग्रतः मूझे विशम्भर नाथ प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 281/117 है तथा जो मबइया, लखनऊ मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनूस्ची मे और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 26-6-75, 30-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए

प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल मे, एसे दृष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक
(प्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे

प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उम्त श्रिधिनियम धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन् :--- 1. श्री इन्दर प्रसाद उर्फ विशम्भर नाथ

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती देवी बाई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 281/117 है जोकि मवइया, लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, लखनऊ

तारीख: 19-1-1976

मोहरः

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश मं० 18-यू/म्रर्जंग--म्यतः मुझे विशम्भरनाथ भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उत्तत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- ४० में स्थिक है

श्रौर जिसकी संस्था 5 15 635 है तथा जो महानगर लखनऊ, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोवतं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--- 1. श्रीमती रमा देवी स्रोझा

(भ्रन्तरक)

2. शीमती उषा देवी

(श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील रो 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ग्र) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :∽-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

एक किता मकान का 1/2 भाग जिसका नं० 545/635 है जोकि महानगर, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०---

भागवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 19-यू/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और ग्रीर जिसकी मं० 129 का 1/2 भाग है तथा जो मीरगंज, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उलाहाबाद मे रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन 30-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मृत्य, उसने दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपक्ष के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरफ (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) य बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब 'उम्त श्रधिनियम' की घारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, 'उनत श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, श्रयित :— 5—446GL/75

- 1 श्री राज नरायन चट्टा उर्फ राज कुमार चट्टा (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती उमा देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करना है।

उत्तत राग्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना ने राजपल में प्रकाशन की तक्रीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मैं किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध विमी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पट्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मैं परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का 1/2 भाग जिसका नम्बर 129 है। जोकि मीरगज, जिला इलाहाबाद में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रक्तेन रेज, तखनऊ

तारीख: 19-1-76

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. दी सन्यासी संस्कृत कालेज, एशोसियेशन

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. वासु देव लाल जैपुरिया

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 58-बी/ग्रर्जन—ग्रतः मूझे बिणम्भर नाथ श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे अधिक है श्रीर जिसकी स० डी-10/54 है तथा जो मो० साक्षी, विनायक बाराणसी में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 11-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक हुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख़ से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्नाक्षरी के पास निखित में किये जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृषी

एक किता मकान का 1/2 भाग जिसका नम्बर डी-10/54 है जोकि मोहल्ला साक्षी, विनायक जिला वाराणसी में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उबत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः — 1. श्री सन्यासी संस्कृत कालेज

(ग्रन्तरक)

2. श्री वास्देव लाल जैपुरिया

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान का 1/2 भाग जिसका नं2 डी-10/54 है जो कि मो॰ साक्षी विनयसक जि॰ वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 19-1-1976 मोहर : प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

1. श्री ब्रज नन्दन कन्सल

(स्रन्तभ्कः)

2 श्रोमहेद्रकुमार जैन व श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269-घ(1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 76-एम/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे विशासभर नाथ भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्स ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रविक है और जिसको संख्या बी-17 है तथा जो महानगर एक्सटेशन-जी-रोड, लखनऊ पे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ;), राजस्दीवर्ता श्राधकारी के कार्यालय लखनऊ मे राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, तारीख 2-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, **निम्नलिखित** उद्देश्य अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत 'उवत अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्मरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंधधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथितः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यस्तीकरण--- इसमें प्रमुक्त शब्दी और पदी का, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयः हैं।

अनुषुची

एक किता प्लाट नं० वी-96 जिसका क्षेत्रफल 10980 वर्ग फीट हैं जो कि महानगर एक्सटेंशन जी-रोड, लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम भ्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 19-1-76 मोहर: प्ररूप प्राई० टी०एन०एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जनवरी 1976

ग्रौर जिसकी संख्या बो 15/25 है तथा जो फरीदपुर-बाराणसी में स्थित है उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीवारण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-1-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तित्ति की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है श्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:~~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त इधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उवत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:—— श्रीमति गीता मुक्जी

(म्रन्तरकः)

2. श्रीमित हीरा देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परहोकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों को, जो उपत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० बी०-15/25 जिसका क्षेत्रफल लगभग 1000 वर्ग फीट है। जो कि फरीदपुर जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 22-1-9176 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 107-एस०/श्रर्जन---श्रत. मुझे बिशस्भर नाथ श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सख्या 314 है तथा जो ग्राम पटरसिया जिला पीली भीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बासकपुर (जिला पीली-भीत) में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-7-75 को

पूर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'जन्त अधिनियम' की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, 'जन्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपन्नारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात :--- 1. श्री मूल चन्द

(श्रन्तरक)

2. श्री साकिर हसन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 314 जिसका क्षेत्रफल 10.80 डि० है। का 1/2 भाग जो कि ग्राम पटरसिया जिला पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ सक्षम[्]श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लखनऊ

तारीख : 19-1-1976

मोहर ।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 106-एस/ग्रर्जन----ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है और जिसकी संख्या 314 है तथा जो ग्राम पटरिनया जिला पीली-भीत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विस्तृपुर (जि० पीलीभीत) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या 'उक्त भ्राधिनियम' या धनकर भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातः--- 1. श्री मूल चन्द

(भ्रन्तरक)

2. श्री माबिर हसन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 314, जिसका क्षेत्रफल 10.80 बिस्मिल है। का 1/2 भाग जो कि ग्राम पटरसिया जिला पीर्लाभीत में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्राय र श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-1-76

प्रहप आई० टी• एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 19 जनवरी 1976

निवेश स० 19-श्रार०/अर्जन- — अत मृझे विणम्भर नाथ श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रोर जिसकी स० 2942/8 श्रादि है तथा जो नटकुर पर० बिजनोर जिला लखनऊ में स्थित है (श्रोर इसमे उपायद्ध अनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वार्यालय लखनऊ मे राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तारीख 24-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधील कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रणीत :--- 1 जैनव बेगम

(ग्रन्तरक)

2 श्री राम किशन व प्रान्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जंन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीलर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिससद विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिक्कित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याग 20-क में परिकारिक्त हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अनुसुची

कृषि भूमि न० 2942/8,2950/2, 2956/3, 2956/5, 2956/7, 3275/2 व 3275/3 जिसका कुल क्षेत्रफल 16 बीधा 3 बिस्या है। जो कि नटकुर पर० विजनौर जिला लखनऊ में स्थित है।

> बिशस्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, छहनऊ

तारीख 19-1-1976 मोहर PART III—SEC. 1]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 19 जनवरी 1976

निदेश मं० 8-श्रार०/श्रर्जन 4--यतः मुझे, बिशम्भर नाथ प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000∫-६० से श्रक्षिक है भौर जिसकी सं० 525 ख भ्रादि है तथा जो ग्राम शिवपुर कपुरदियर जिला बलिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बलिया मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-7-75 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे में स्विधा के लिए; भ्रौर/या

उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित

(सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि नियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरि**त**ि **द्वा**रा **प्र**कट का 27) नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:-

6-446GI/75

नहीं किया गया है :---

1. श्री राम ग्रधार सिंह व ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम सुरत सिह व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 टिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पच्टीकरण---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ्के मध्याय 20-斬 परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

कृषि भूमि जिसका कुल क्षेत्रफल 2-40 डि० है जो कि ग्राम शि**व**पूर कपूर दियर पर० द्वाबा जिला बलिया में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 57-बी/श्रर्जन--श्रत मुझे: बिशम्भर नाथ आमकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या 525ख इत्यादि है तथा जो ग्राम शिवपुर कपुर दिखर जिला बलिया में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बलिया में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

प्रतिक्षण के लिए अन्तारत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बीजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम, या धन-कर अक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रव उक्त भ्रिविनयम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के भ्रभीन निम्मलिखित व्यक्तियों भ्रथित :—— 1. श्री राम ग्रधार सिंह व ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री बैंज नाथ सिंह व ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- ६समें प्रमुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि जिसका कुल क्षेत्रफल 2-30 डि० है। जो कि ग्राम शिवपुर कपुर दियर, पर० द्वाबा जिला बलिया में स्थित है।

> विशम्भर नाय सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 19-1-76

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार,

पटना, दिनांक 22 जनवरी 1976

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है और जिसकी

सं० हो० सं० 161 (नया), म्यु० फ्लो० सं०-667 है, तथा जो भवर पोखर पटना शहर में प्रस्थित है (ग्रींग इससे उपलब्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-6-75

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्ति की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पण्ट्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों भ्रधीत्:—

- (1) श्रीमित फुलकुमारी देवी जीजे स्थ० बाबू बैजनाथ प्रसाद सिंह उर्फ मू नू बाबू, महल्ला कदमकुंग्रा, कांग्रेस नगर, पटना-3 (ग्रन्सरक)
- (2) श्री कौलेश्वर सिंह वल्द स्व० रतपारी सिंह सा०-का ज्मबीघा, पो०-सिगरियाधाँ, जिला-पटना, हाल-कदम-कुंश्रा कांग्रेस नगर, पटना-3 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रिष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो भवर पोखर, थाना कदमकुग्राँ, पटना में है जिसका सर्किल सं०-14, वार्ड सं० 6, हो० सं० 159 (पुराना) पर्व 161 (नया) स्यु० प्लीट सं०-667 है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 6829 दिनांक 21-6-75 में पूर्ण है।

> भ्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना,

तारी**ख** : 22-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 22 जनवरी. 1976

श्रजय कुमार सिहा निरीक्षी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु०से ग्रधिक है और जिसकी सं हो । सं ०, 38-खा । सं ० २१२ है, तथा जो मिरचाई काटिहार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कटिहार में रजिस्ट्रीकरण <mark>प्रधिनियम 1908 (1908</mark> का 16) के प्रधीन, तारीख 23-6-75 को पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सेकम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्धात् :---

- (1) श्री परमानन्द सिंह झा बल्द स्व० दीनानन्द सिंह झा सा०/जिला कटिहार (श्रन्तरक)
- (2) श्री बाल मुकुन्द दोकनिया वल्द स्व० मीनाराम दोकनिय सा० सोनैली, थाना-कदवा जिला-कटिहार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 . पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 1 कटठा 5 धूर के साथ मकान जो मिरचाई थाना कटिहार में है तथा जिसका हो० सं० 38, वा० सं०-13 खाता सं० 212, प्लीट सं० 628, 629 है श्रीर जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12136 दिनाक 23-6-75 में पूर्ण है।

श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बिहार, पटना

तारीख . 22-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांकः 22 जनवरी, 1976

निदेश स०-III 136/ग्रर्जन/75-76/1902--यतः मुझे श्रजय कुमार सिहा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 ला 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी स० प्लौ० सं०12603 (हिस्सा) है, जो तथा झपहांटोले जहांगीरपूर, मजपफरपूर में स्थित है श्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची मे भ्रौर पूण रूप मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-65 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए;
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपभ्रारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात:--

- (1) रामइकबाल सिंह बरंद श्री रामनन्दन सिंह, सा० /पो० मोइसंड, जिला-सीतामढ़ी । (ग्रन्तरव) ।
- (2) श्री श्रनुनय कुमार वत्द डा० रामानुज सिह एवं श्री सौरभ सिह वत्द श्री विनय कुमार सा०/पो० धोबगामा, जिला-ममस्तीपुर, हाल--डोमूचक शहर मुजफ्फरपुर । (ग्रंतरिती)।
- (1) श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उदत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण मिइसमें प्रयुक्त गब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 13 वीघा 10 धूर जो झपहा-टोले जहागीरपुर थाना-सदर मुजफ्फरपुर में है तथा जिसका खोता सं० 1572 प्लाट सं० 12603 का हिस्सा है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 8725 दिनांक 6-6-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जनरेंज,बिहार,पटना

तारीख 22-1-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना, दिनाक 22 जनवरी, 1976

निदेश म० III-136/म्रर्जन/75-76/1905--यतः मुझे, म्रजय कुमार सिहा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी हो० स० 13 (पु०) 40 (नया) है तथा जो नया बाजार भागलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 6-6-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य द्यास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) मन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, मर्थात् :---

- (1) श्रीमित सरत गोभा मिला जोजै स्व० डा० खीरीन्द कुमार मिला, नया बाजार, थाना कोतवाली, भागलपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति कनक लता मिल्ला जौजे श्री विजय कुमार मिल्ला सूजागज, भागलपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन रकवा 3 कट्ठा 10 धूर जो नया बाजार, भागलपुर है तथा जिसका वा० स० 5 (पुराना) 8 (नया), हो० स० 13 (पुराना) 40 (नया) है थ्रौर जिसका वर्णन दस्तावेज दिनाक 6-6-75 मे पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बिहार, पटना

तारी**ख** . 22-1-76।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(वा) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-138/म्रजंन/75-76/1906—-यतः मुझे म्रजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 536, म्यु० हो० सं० 360 है, तथा जो भतरपुर गिरिडीह मे स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-6-65

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो, की, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्रीमित सुमिती बला बोस, जौजे स्व० श्रमोक कुमार बोस, 65-ठाकुर पुकुर रोड, रंगनायपुर कौलोनी, कलकत्ता-63 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णणि कुमार मोदी, श्री सुनिल कुमार मोदी (नावालिग) श्री संजय कुमार मोदी (नाबालिग) बल्दान श्री श्रील कुमार मोदी, स्टेणन रोड, गिरिडीह (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक (बह व्यति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उभत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक्ष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा करीब 16 क० 8 छटांक के साथ, मकान, बाहरी घर, वृक्ष, पौधे, चडार दिवाल इत्यादि जो प्लौट स० 536 तथा म्यु० हो० सं० 369 का हिस्सा है, वा० सं० 9, मकसपुर गिरिडीह में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज दिनांक 27-6-75 में पूर्ण है।

> ग्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 22-1-76।

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 22 जनवरी, 1976

निदेश मं० III-139 /श्रर्जन/75--76/1907--यतः मुझे, श्रजय कूमार सिहा ग्रधिनियम, 1961 (1961 आयकर 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), धारा 269-ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० प्ली० सं० 537, म्यू० हो० सं० 369 है, तथा जो मकतपूर गिरिडीह में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची ॄमें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ' रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-75 की पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त थन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त प्रिक्षितियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों, को जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिधनियमे, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की इप्धारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्रीमित सुजाता राय जौजे स्व० डा० स० ना० राय, ई-3, कैलाश कलोनी, नई दिल्ली-48, डा० मैल्लेयी बोस जौजे स्व० डा० कु० बोस 65-डाजुर पुकुर रोड रंगना-थपुर कोलोनी, कलकत्ता-63 एवं श्री सोमेंद्र भूषण बोम वल्द स्व० ग्र० कु० बोस, छोटा गगुलिया, थाना-वरासत जिला-24 परगना (श्रन्तरक)
- (2) श्री शशि कुमार मोदी, श्री सुनिल कुमार मोदी (नाबा-लिग) एवं श्री संजय कुमार मोदी (नाबालिग) वल्दान श्री शैंल कुमार मोदी, स्टेशन रोड, गिरिडीह (ग्रतरिती)
- (3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके प्रभिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 20 क० 6 छटांक के साथ पक्का कुंग्रा, दिवाल, बनावट एवं वृक्ष इत्यादि जो मकतपुर गिरिडीह में है तथा जो प्लाट सं० 537 एवं म्यु० हो० सं० 369 का हिस्सा है वा० सं० 1 में है श्रौर जिसका विवरण दस्तावेज दिनांक 27-6-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (गिरीक्षण) ग्रजन रेज, बिहार, पटना

तारीख 22-1-76 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घष्टीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **ग्रायकर** ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत, बिहार

पटना, दिनांक 22 जनवरी, 1976

निदेश सं०-III 140/धर्जन/75-76/1908--यतः मुझे भजयकुमारसिंहा

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० हो० सं० 134/142, वाई० सं० 8 है, तथा जो दुर्गापुर, कटिहार में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कटिहार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (108 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरित अधिक है और यह कि ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री ज० न० प्रसाद मिला बल्द स्व० न० का० मिला एवं श्रीमित ग्र० रानी मिला जौजे श्री ज० न० प्रसाद मिला, श्रमला टोला कटिहार, पो०/जिला-कटिहार (ग्रन्तरक)
- (2) श्री न० कु० जैन,श्री क० कु० जैन, श्री य० कु० जैन एवं श्री ग्र० कु० जैन (नावालिग) वल्दान श्री कान्ति लाल जैन, ग्रमला टोला कटिहार, पो०/जिला कटिहार (अन्तरिती।)
- (3) श्री जल नल प्रसाद मिल्लां (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 4 कट्ठा 16 धुर जो दुर्गापुर कटिहार में है तथा जिसका वा॰ सं॰ 8, हो॰ सं॰ 134/142, खाता सं॰ 49/5० एम॰ है तथा जिसका वर्णन दस्ताबेज सं॰ 11083 दिनांक 2-6-75 में पूर्ण है।

भ्रजय कुमार सिंहा स**सम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर ब्रायु**क्त (निरीक्ष**ण) ग्रजैन रेंज, बिहार, पटना

तारीख 22-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन परिक्षेत्र, विहार पटना, दिनांक 22 जनवरी 1976

निदेश सं०-III 141/प्रार्जन/75-76/1909-- यतः मुझे,

श्री अजय कुमार सिंहा श्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्राधीन सक्षम ग्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० हो० सं० 3633, सिकल सं० 6 है, तथा जो पटनाश्र शहर में स्थित है (और इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

तारीख 14-6-75

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई। है और मुझे यह विश्वास जरने का कारण है कि यवापूर्णोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयाद्याया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभ्रीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) श्रीमिति तिगुनी देवी, 134/4 महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमिति हिरामिन देवी एवं श्रीमिति प्रभादेवी, सा०-जगत नारायण रोड, कदमकुद्यां, पटना-3 । (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकः (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिणा-चित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निया है।

अमुसूची

जमीन रकवा 1 कट्ठा 4 धूर जो पटना शहर में थाना कोतवाली के श्रन्तर्गत है तथा जिसका हो० सं० 3633, सर्किल सं०-6, वा० स०-2, सर्वे० प्लौट सं० 877 है ग्रीर जिसका वर्णन दस्तावेज सं० I 34998 दिनांक 14-6-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बिहार, पटना

ता**रीख** 22-1-76। मोहर प्ररूप ग्राई• टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी, 1976

निवेश स॰ 767/ग्रर्जन/कानपुर/75-76/2395—न्य्रतः मुझे, विजया भागंव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से ग्रधिक है और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त श्रिधनियम', या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, धर्मात् :---

- श्रीमित मनमोहनी माली पूरनी श्री हरगोपाल सिंह नि-वासी 7/188-ए (13-14) स्वरूप नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स प्रभात चिट फन्ड फाईनेन्स कम्पनी (प्राईवेट) लिमिटेड 108/61 पी० रोड, कानपुर द्वारा मैनेजिंग डाईरक्टर लाल लाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क). इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्डीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रवल सम्पति नं० 7/188 ए (13-14) जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है, 1,80,000 रु० मूल्य में हस्तश्रन्तरित किया गया है ।

विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख . 15-1-76 मोहर .---

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की भारा 269- व (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ध्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश सं० 871/म्रर्जन/कानपुर/75-76 2396--म्रतः मझे, विजय भागर्काः श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5000/- र० से श्रधिक हैं। भौर जिसकी संब्धनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-**क**र अधिनियम. 1957 (1957 **का** 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया वया षा या किय जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, इन्द्र अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति :---

- श्री सैयद मुरतजा उर्फ अली जाफर पुत्र श्री कासिम ग्रब्बास निवासी गोदाम टाउन शामशाबाद, जिला फरूखाबाद । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जी० एस० ग्रोबराय पुत्र (स्व०) श्री ग्राई० एस० भ्रोबराय निवासी 7/202, ए०, स्वरूप नगर, कानपुर (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी बारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रम्मल सम्पति प्लाट नं० 896 का भाग, बंशब्य नं० 7/260, जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है 1,43,261--58 रु० मूल्य में हस्तश्रन्तरित किया गया है।

> विजय भागर्वा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 15-1-76 ।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश सं० 945/ग्रर्जन/कानपुर/75-76/2397--ग्रतः मुझे, विजय भागैवा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् जन्त अधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है और जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है तथा जो प्रनुसूची के प्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर झिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त झिंधिनियम', या धन-कर झिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्घ झन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रंत: अब 'उन्त ग्राविनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उन्त अग्निमियम,' की घारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, श्रयत् :---

- 1. श्रीमित लक्ष्मीहृदय नारायन ,'कैलाण'' पुराना कानपुर रोड, कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री डा॰ भौंकार कृष्णा कर्ता एच० यू० एफ० एल०-13 मैंडिकल कालेज, कम्पाउन्ड, कानपुर । (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो 'उधत श्रीवित्यम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट न० 4 वी ''कैलाश'' बंगले के बाहर जा पार्वती बाराय रोरु कानपुर में स्थित है 90,000 र० मूल्य में हस्त-अन्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

सारीख: 15-1-76

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 6 जनवरी 1976

निदेश स० 316/अर्जन/ग्रागरा/75-76/2399—ग्रतः, मुझे, विजय भागेव,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी स० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है '(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उम्त श्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन में, निम्निलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत

- 1. दी डक्लपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि०, 6 एम० जी० रोड, आगरा, द्वारा, ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीश भन्द्र गुप्त अगर सुरेश चन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- मेकेजीज लि०, श्राचार्य डोडे मार्ग, सीवरी, बम्बई द्वारा उनके श्रटानी श्री एस० एम० जैन
 स्वार सकता जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के श्र्यंत्र के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शक्दो श्रीर पढ़ो का जो 'उक्त अग्नित्यम' के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, बही सर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गाधी नगर आंगरा में स्थित श्रवल सम्पत्ति जिसमें प्लाट न० 68/पूर्वी भाग शामिल है जिसका श्रन्तरण 13050 २० के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-1-78 मोहर प्रकप श्राई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1976

मुझे, विजय भागव, भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है और इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-6-75 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलसे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) **भीर अन्तरिती (अन्तरितियो)** के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण तिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर खंधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रंब उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मर्रण में, में, उक्त भिधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत्

- ग. दी डवलपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि०, 6 एम० जी० रोड. ग्रागरा द्वारा ट्रस्ट के निदेणक, श्री सतीण चन्द्र गुप्त श्रीर सुरेश चन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- मेकेंजीज लि०, श्राचार्य डोंडे मार्ग, सीवरी, बम्बई द्वारा ्उनके श्रटार्मी श्री एस० एम० जैन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ने पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी नगर ग्रागरा में स्थित श्रचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं० 68/पश्चिमी भाग शामिल है जिसका ग्रन्तरण 13,050 रु० के दृश्यमान प्रतिफल के लिए किया गया है

> विजय भागंव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक'र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-1-76

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०--- --

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1976

निदेश सं 318/प्रर्जन/ग्रागरा/75-76/2401--ग्रतः,
मुझे, विजय भार्गन,
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं श्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के ग्रनुसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा, में, रजिस्ट्रीकरण

ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनियम' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः, ग्रब, 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-म की उन-धारा (1) के प्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- दी डवलपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि० 6 एम० जी० रोड़, ग्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीण चन्द्र गुप्त ग्रीर सुरेश चन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- 2. मेकेंजीज लि०, भाचार्य डौंडे मार्ग मीवरी, बम्बई द्वारा उनके भ्रदानी श्री एस० एम० जैन (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जन्त श्रीधिनयम', के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

गांधी नगर आगरा में स्थित अचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं ० 69/पूर्वी भाग शामिल है, जिसका अन्तरण 12,900 रु के दृश्यमान प्रतिकल के लिए किया गया है:---

> विजय भागव सक्षम प्राधिका री सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जानपुर

तारीख: 6-1-76

प्ररूप आई० टी० एन● एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० 319/म्रर्जन/म्रागरा/75-76/2402--म्रतः, मझे विजय भार्गव,

द्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रिक्षक है

ग्रीर जिसकी सं ० यनुसूची के श्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2-6-75

को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाश्रत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात:— 8—446 G1/75

- श्री डवलपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि०, 6 एम० जी० रोड,
 ग्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निवेशक, श्री सतीश चन्द्र गुप्त ग्रीर सुरेश चन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- मेकेंजीज लि०' श्राचार्य डौडे मार्ग, सीवरी, बम्बई, द्वारा उनके श्रटानीं श्री एस० एम० जैन,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधीनगर ग्रागरा में स्थित श्रवल सम्पत्ति जिसमे प्लाट नं० 69/पश्चिमी भाग शामिल है, जिसका श्रन्तरण 12,900 /- रु० के दृश्यमान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, कानपुर

तारीख 6-1-76 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेज, कानपूर

प्रान्पुर, दिनाक 6 जनवरी, 1976

निदेश स० 320/ग्रर्जन/श्रागरा/75-76/2403—यत मुझे विजय भार्गव,

ध्रायतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ध्रारा . 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु०से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के ग्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के बार्यालय ग्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 2-6-75 को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर पुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पित्र श्रिक है और अन्तरक (ग्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वारतिवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', वे अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रर्णात:—

- शि डवलपमेट ट्रस्ट (प्रा०) लि०, 6 एम० जी० रोड, ग्रगरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीण चन्द्र गुप्त श्रीर सुरेश चन्द्र गुप्त । (श्रन्तरक)
- 2. मेक्नेजीज लि॰, श्राचार्य डोडे मार्ग, सीवरी, बम्बई द्वारा उनके श्रटानी श्री एस॰ एम॰ जैन,

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुवत शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

गाधी नगर श्रागरा में स्थित श्रवल सम्पत्ति जिसमे प्लाट न० 77/ पूर्वी भाग शामिल है, जिसका श्रन्तरण 13,750/- ह० के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए किया गया है।

विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश स० 321/म्रर्जन/मागरा/75-76/2404-म्रतः मुझे, विजय भार्गव,

ग्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उभत अधिनयम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है स्प्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के अनुमार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-75

श्रीव्रानयम, 1908 (1908 का 16) के अवान 2-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपघारा (1) के धिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. दी डबलपमेट ट्रस्ट (प्रा०) लि, ७ एम० जी० रोड, श्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीश चन्द्र गुप्त श्रीर सुरेश चंद गुप्त (श्रन्तरक)
- मेकेजीज लि०, श्राचार्य डोडे मार्ग, सीवरी, वम्बई द्वारा उनके श्रटार्नी श्री एस० एम० जैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी था से 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो भ्रौर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्य ' 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी नगर ग्रागरा स्थित ग्रचल सम्पत्ति जिसमे प्लाट नं० 77 पश्चिमी भाग शामिल है जिसका ग्रन्तरण 13,750 रु० के दृष्यमान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीखाः 6-1-76

प्ररूप माई०टी०एन०एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० 322/ग्रर्जन/ग्रागरा/75→76/2405—— ग्रतः, मुझे विजय भार्गव,

म्रायकर म्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा मे, रजिस्दीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- दी डवलपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि, 6 एम० जी० रोड, ग्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीश चन्द्र गुप्त ग्रीर सुरेश चंद गुप्त (ग्रन्तरक)
- 2. मेकेंजीज लि॰, भाचार्य डोंडे मार्ग, सीवरी, बम्बई द्वारा उनके श्रटानीं श्री एस॰ एम॰ जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ब में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी नगर श्रागरा में स्थित ग्रचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं० 75 पूर्वी भाग णामिल है जिसका श्रन्तरण 13,750/- २० के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानगुर

तारीख: 6-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज,

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश स० 324/म्रर्जन/ग्रागरा/75-76/2406---श्रतः, मझे विजय भागर्वः,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी स० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से त्रीणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण भ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

श्रतः अब 'उम्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, 'उम्त भ्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राथीत्:——

- दी डिवल । मेट ट्रेन्ट (प्रो०) लि०, 6एम० जी० रोड, स्रागरा द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीश चन्द्र गुप्त ग्रीर सुरेशचन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- 2. मेक्नेजीज लि॰, आचार्य डोडे मार्ग, सीवरी, बम्बई द्वारा उनके अटार्नी श्री एस॰ एम॰ जैन॰ (अन्तरितो)

को यह मुन्तना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाधी नगर ग्रागरा में स्थित ग्रचल सम्पत्ति जिसमे प्लाट न्० 76 पूर्वी भाग शामिल है, जिसका ग्रन्तरण 13750 रू० के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6-1-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

कानपुर दिनांक 6 जनवरी, 1976 निदेश सं० 325/ग्रर्जन/श्रागरा/75—76/2407——श्रतः मुझे विजय भागर्व, श्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य
25,000/- कु से प्रधिक है

भीर जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची मे और पूर्व रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा मे रिजस्ट्रीं-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई हे श्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृण्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरिवियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलखित उद्देण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है: रू

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रौर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: ग्रुव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्रुव्यक्तियो, श्रथीत्

- दी डवलप्रमेंट ट्रस्ट (प्रो०) लि, 6पम० जी० रोड, भ्रागरा,
 द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीस चन्द्र गुप्त और सुरेश चन्द्र गुप्त (ग्रन्तरक)
- मेकेंजी लि०, ग्राचार्य डांडे माग, नीवरी, बम्बई द्वारा उनके ग्रटानी श्रो एस० एम० जैंग (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया णुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्राधि, जाभी श्रविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (ग्र) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के . पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —-इसमे प्रयुक्त शब्दो स्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी नगर ग्रागरा में स्थित श्रचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं० 76 पश्चिमी भाग शामिल है जिसका ग्रन्तरण 13750 रु० के दुश्यमान प्रतिफल के लिये किया गया है।

> विजय भागर्व सक्षम प्राधिकारी सहातक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 6-1-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०-----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेण सं० 326/म्रर्जन/आगरा/75-76/2408--म्रतः, मुझे विजय भार्गव, ग्रायकर म्रिधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधितियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से मधिक ह

स्रौर जिसकी मं० धन्सूची के स्रमुसार है तथा जो स्रमुस्ची के स्रमुसार में स्थित है (श्रौर इसमें उपावस स्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रागरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-6-75 को पूर्वीक्त

सब्दिन के दिल्ल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अल्लिश्त की गई है और मुझे यह विश्वास करते या वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्याप्त प्रतिकार के कि प्रनित्ति (अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से ब्रिश्त नहीं किया गया हैं:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के बधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसमें बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः ग्रंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्

- दी डवलपमेंट ट्रस्ट (प्रा०) लि०, 6 एम० जी० रोड,
 ग्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीश चन्द्र गुप्त ग्रीर स्रेश चन्द्र गृप्त ।
 (श्रन्तरक)।
- मेक्जिंजि लि०, श्राचार्य डोडे माग, सीवरी, बम्बई द्वारा श्रनके उटार्नी श्री एम० एम० जैन , (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रप्रंत के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

े, डक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी े अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यां किया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पटीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी नगर स्रागरा में स्थित स्रचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं० 72 पश्चिमी भाग शामिल है, जिसका स्रन्तरण 13,888.50 रू० के दश्यमान प्रतिफल के लिए किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,

कानपुर, दिनाक 6 जनवरी 1976

निर्देश सं० 327/अर्जन/श्रागरा/75-76/2409---श्रतः मुझे विजय भागर्वः,

श्रायक् ३ धिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इरामे इसके पण्चात् 'उनत ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिन्तरार्ग को, यह विष्टास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,00%- स्थये से अधिक है श्रीर जिसकी स० अनुसूची के श्रनुसार है नथा जो अनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन विस्पा 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-6-75

को पूर्वोक्त सम्पति के उचिन बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है वि यथापूर्वोक्त राम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधि है और प्रतिपत (अन्तरितो) के बीच हमे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्दश्य स उकत अन्तरण कि विश्व में बाग्तविक रूप से प्रधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर एन के अन्तरक के डायित्व से कसी करने या उसथ उचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी नाय या किसी बा या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा 'त्यन अधिनियम था धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 को १८) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसन में संविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथीत —

- दी डवलपमेट ट्रस्ट (प्रो०) लि०, 6 एम० जी० रोड, श्रागरा, द्वारा ट्रस्ट के निदेशक, श्री सतीण चन्द्र गुप्त श्रौर सुरेश चन्द्र गुप्त (श्रन्तरक)
- मेकेजीज लि०, स्राचार्य डोडे मार्ग, सीयरी, बम्बई द्वारा उनके स्रटानी श्री एस० एम० जैन (स्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : -

- (क) इस मूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधास तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अस्याय में दिया गया है।

अनु सूची

गाधी नगर ग्रागरा में स्थित श्रचल सम्पत्ति जिसमें प्लाट नं० 72 पूर्वी भाग शामिल है जिसका श्रन्तरण 13,888 50 ६० के दृश्यगान प्रतिफल के लिये किया गया है।

> विजय भागर्व सक्षम प्राधिकारी सतायक ग्रायक[ः] श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, कानपुर

तारीख: 6-1-76

प्ररुप श्राई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जनवरी 1976

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० प्रनुसूची में है तथा जो प्रनुसूची में प्रनुसार में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-9-1975,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :-9--446GI/75

- 1. श्री केलाम चन्त्र गुप्ता पुत्र श्री रामेश्यर दयाल गुप्ता निवासी 36/264, नेहरू नगर श्रागरा। (श्रन्तरक)
- श्री बिनोद कुमार गुप्ता नाक। लिश श्री ग्रमर चन्द गुप्ता बिबलायत श्री ग्रमर चन्द गुप्ता नावासी नार्थ बिजय नगर कालोनी, ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पति प्लाट न० 62, ए० रकवाई 457 वर्ग गज जिस का नगर महापालिका आगरा का नम्बर 24/103 एफ० है मरा टीन रोड और बाउन्डरी बाल के साथ जो गांधी नगर जिला आगरा में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्सरित किया गया है।

> बिजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 8-9-76। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश सं० 730/ग्रर्जन/गाजियाबाद/75-76—-ग्रतः मुझे बिजय भार्गवा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से अधिक है
ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची में ग्रनुमार है तथा जो ग्रनुसूची के
ग्रनुसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यलय, गाजियाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख 23-7-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः भ्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथित:-

- (1) सतीण चन्द्र (2) नवीन चन्द्र (3) महेश चन्द्र (5) हरिण चन्द्र पुत्रगण लाला स्रोम प्रकाण उर्फा मिड्डन लाल नि० नयागंजस्य गाजियाबाद । (ध्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रोम प्रकाण पुत्र वजीरचंद (2) श्रीमती णान्ती देवी पत्नी श्री वजीर चंन निवासी मुकंद नगर, गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के द्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रवल सम्पति दुकान नं० 1 से 5 तक क्षेत्रफल 266, वर्गगज जो मोहल्ला श्रफरपनान देन्ली रोड, गाजियाबाद में स्थित है, 26,66.67 रु० मूल्य में हस्तान्सरित किया गया है।

> बिजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेज, कानपर

तारीखाः 1-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयवर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, कानपुर

कानपुर, दिनाक 1 जनवरी 1976

निदेश न० 729/भर्जन/गाजियाबाद/75-76—-भ्रत मुझे, बिजय भार्गव,

आयकर ऋषिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं श्रनुसूची में अनुसार है। जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-7-1975

को पूर्वोक्स

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्स अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) ने ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातु :---

- 1 श्री (1) सतीण चन्द्र, (2) नवीन चन्द्र (3) महेण चन्द्र (4) हरीण चन्द्र पुत्रगण लाला श्रोम प्रकाण उर्फ मिढडन लान निवासी नयाराज, गाजियाबाद । (श्रन्तरक)
- 2 श्री बिजय कुमार मदान पुत्र श्री राम सहाय मदान, निवासी 5187 करोल बाग देव नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पब्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्रचल सम्पत्ति इकान नं० 1 से 4 तक क्षेत्रफल 266, वर्गगज जो मोहल्ला श्रपरानान दहली रोड, गाजियबाद में स्थित है, 36, 6666 67 रु० मूल्य में हस्तनान्तरित किया गया है।

> विजय **भागेवा** सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण) (प्रर्जन रेज), कानपर

ता**रीख:** 1-1-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 2 जनवरी 1976

निदेश स० 389/ग्रर्जन/कानपुर/75-76—-श्रत मुझे, बिजय भार्गयाः,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आक्षत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः; अब उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- ग मैंसर्स शिरधर लाल राजाराम 74/33 कलेकटर गज, कानपुर जिर्ये श्री कल्लैया लाल गुष्ता पुत्त श्री विहारी लाल साकिन जी, 10 शान्तीनगर छावनी कानपुर (2) श्री कुज बिहारी (3) श्री बृत्दाबन
 - (4) श्री राजा राम पुत्र गण श्री मोहन लाल साकिन एफ 33, शान्तीनगर कानपुर (5) श्रीमती शान्ती देवी बेवा ला० गिरधारी लाल गा० जी० 10 शान्ती नगर छावनी, कानपुर पार्टनर्स (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती कमला, पत्नी प० राम स्वरूप (2) सुरेन्द्र नाथ पुत्र प० राम स्वरूप सा० 90/16 शुकला सदन बाकर गज, कानपुर (3) श्री राकेश पुत्र प० राम स्वरूप सा० 90/4 बाकर गज, कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट न० 7 क्षेत्रफल 448 वर्ग गज ब्लाक एल/1 स्कीम नं० 2 जो बशाई कानपुर में स्थित हैं, 32,256 रु० मूल्य में हुस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख 2-1-1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनाक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० जे० जी० भ्रार०/2/75-76—स्प्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज चण्डीगढ

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 49 कर्नाल 5 मरले भूगि है तथा जो गाव पीना, तहसील जगरायों में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975।

उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रिष्ठितयम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव 'उन्त श्रविनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उन्त श्रविनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--

- श्री कपूर सिंह पुत्र श्री भगत सिंह निवासी गाव पीना अब वासी कमाल पुरा तहसील जगरायो (अन्तरक)
- 2. श्री ईशर मिह, पुत श्री लहन। सिंह निवासी गांव पीना तहमील जगरायो (यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिये एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49 कनाल 5 मरले भूमि जमा 12.13 खाता नं ० 116/135ू किला नं ० 9/21, 16/1-10-11-20-21, 19/1-10/1 जमावन्दी साल 1970-71 गांव पीना, तहसील जगरायों ।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, चण्डीगढ़

ता**रीख**: 21-1-1976

मोहर।

प्ररूप० श्राई० टी० एन० एस०-

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, चश्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश स० एम० एल० के०/28/75-76--- प्रंतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज चण्डीगढ

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथ्जात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के न्निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्निधिक है

न्नोर जिसकी सं० 57 विधे 10 विस्वे भूमि है। तथा जो दयाल पुरा, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (न्नीर इससे उपावड अनुसूची में न्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 26) के श्रिधीन, तारीख मई 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री तेजा सिंह, पुत्र श्री सुच्चा सिंह, निवासी गांव बागड़िया, नहसील मलेरकोटला। (अन्तरक)
- 1. सर्व श्री (i) रणजीत सिंह (ii) मोहन्द्रि मिंह (iii) गज्जन सिंह (iv) जोरा सिंह पुत्र ठाकुर सिंह (v) जोरा सिंह (vi) चर्न सिंह पुत्र ध्रमर सिंह निवासी गाय नंगल तहसील मलेरकोटला (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

57 विधे 10 विस्वे भूमि जो कि गांव दयालपुर तहसील मलेंरकोटल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 716 मई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिक री मलेरकोटला के कार्यलय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोधा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० एम० एल० के०/19/75-76--- ग्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनीचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज चण्डीगढ् ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से भ्राधिक है श्रीर जिमकी सं० भूमि पट्टोल पम्प इमारत स्थित है तथा जो मलेरकोटला में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रत : भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

- श्री सरदूल सिंह पुत्र श्री चन्द मिह पुत्र श्री भान सिंह निवासी गाव गगा नगर (अन्तरक)
- 2. (i) श्री सुखदेव चन्द मैहता (ii) श्री मदन गोपाल मैहता (iii) श्री विजरा कुमार मैहता पुत्र श्री शिवशर्न दाम मैहता निवासी प्रजीत नगर पटियाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी श्रापेक्ष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पिट्रोल पम्प इमारत साहित जोकि मलेरकोटला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृता के विलेख नं० 560 मई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी मलेरकोटला के कार्यलय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारोख 21-1-1976 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० टी० एस० श्रार०/1497/75-76——श्रतः मूझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक स्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं 119 कनाल 7 मरले भूमी श्रौर 1/2 भाग दी टयूबवेल है तथा जो गांव सुलखनी तहसील थानेसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, थानेसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निखिखत न्यक्तियों ग्रथीत् :— (i) श्री रिजन्द्र सिंह (ii) श्री परिमन्द्र सिंह पूल श्री कपुर सिंह निवासी गाव सुलरवनी, तहसील थानेसर (अन्तरक)

2. (i) श्री जोगिन्द्र सिंह (ii) श्री बचन सिंह (iii) श्री सुच्चा सिंह (iv) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी सुलखनी तहसील थानेसर (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

119 कनाल 7 मरले भूमी श्रीर उस के साथ 1/2 भाग दो टयुबर्वेल, जोकि गांव सुलखनी तहसील थानेसर में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 986 जून, 1975 में रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी थानेसर के कार्यलय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

वारीख: 21 -1-1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाक 21 जनवरी 1975

निवेश स० टी० एस० श्रार०/1498/75-76—-श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी स० 67 कनाल 14 मरल भूमी है तथा जो गांव सुलखनी, तहसील थाने सर और उसके साथ 1/2 भाग ट्य्वेल में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय, थाने सर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1975,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रयित:—— 10—446GI/75

- 1. (1) श्री रजिन्द्र सिह
 - (ii) श्री परिमन्द्र सिह पूत्र श्री कपूर सिह निवासी गाव सुलखनी तहसील थानेसर (ग्रन्तरक)
- 2 (i) श्रीगुरदेवसिह
 - (n) श्री सुरिन्द्र सिह
 - (ini) श्री गुरनाम सिंह { पुन्न श्री महिन्द्र सिंह
 - (iv) श्री ग्रॅमरीक सिंह]
 - (v) श्री बलदेव सिह

 - (vií) श्रीजगदीश सिंह 🕽

निवासी मेहद्रदा, तहशील थानसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य**पाहि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियो में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त गढदो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

67 कनाल 14 मरले भुमि श्रौर उसके साथ 1/2 भाग ट्यूबेल जोकि गाव सुलखनी, तहसील थानेसर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 965 जुन, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी थानेसर के कार्यलय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ

दिनाक . 21 जनवरी 1976 मोहरः प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

स्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ

चण्डीगढ दिनाक 21 जनवरी 1976

स्रत मुझे यिवेक प्रकाण मिनोचा, सहायव श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी स० 39 कनाल 3 मरले म्मि है तथा जो गाव श्रगवाड गूजरा, तहसील जगरायों में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 15) के श्रिधीन दिनाक जुन 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर ग्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो प्रथात :—

- श्रीमती लाजवन्ती, पत्नी श्री किदार नाथ निवासी जगरायो (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जोरा सिह, पूत्र श्री कर्म सिह निवासी गाव अगवाड गुजरा तहसील जगरायो (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित्त के प्रर्जन के लिए वार्यवाहिया णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति बारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

39 कनाल 3 मरले भुमि जोवि गाय ग्रगवाड गूजरा तहसील जगरायों में स्थित है।

श्रायतन० 25

किलान**०** 1, 2/1,

श्रायतन० 17

किला न ० 11, 12/1, 12/3, 19, 20, 22/1, 23/1

खाता न० 211/230, 124/139, 125/140

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 941 जुन 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, जगरायों के कार्यलय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारी**ख** 21-1-1976। मोहर:

पुत्र करतार सिह

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनाक 21 जनवरी 1976

दिनेश स० जे० जी० म्रार०/354/76-76--- म्रतः मुझ विवेक प्रकाश मिनोचा.

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 36 कनाल 10 मरले भुमि है तथा जो गाव श्रगवाड़ गुजरा, तहसील जगरायो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगरायो मे, रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीखा जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, अर्थात:--

- 1. (i) श्री मुलख राज पत्न
 - (ii) श्रीमति चनण देवी विवा
- (iii) श्रीमिति विद्या रानी उरफ विद्या वान्ती पुत्नी श्री बसन्त राम निवासी 2287, गैक्टर 21-मी०, चण्डीगढ । (प्रन्तरक)

- 2. सर्वश्री (i) मखत्यारसिह
 - (ii) जोगिन्द्र सिह
 - (iii) लछमन सिंह
 - (iv) गुरदेव सिह
 - (v) दलीप सिह
 - (vi) निरजन सिह
 - (vii) शमन सिह
 - पुत्न धर्म सिह
 - (viii) तेजासिह
 - (ix) सर्वन सिह पुत्र सरदार सिह
 - (x) ग्रजीत सिह ्राव ग्रर्जन सिह
 - (xi) बलवीर सिंह∫
 - (xii) गूरदयाल सिंह पुत्र नथा सिंह, निवासी श्रगवाड़ पोना (कोठे) तहसील जगरायो । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचनाके राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

36 कनाल 10 मरले भूमि जोकि गांव भ्रगवाड़ गुजरा तहसील जगरायो में स्थित है।

खाता न० 1091/1152-1583/1672-1674,

ग्रायत नं० 164

किला नं० 2 1/2-2 2-2 3/1-1 8/2-1 2-1 9, किला नं० 2 1/3 जमाबन्दी साल 1969-70

(जैसे कि रजिस्ट्रीइन्त के विलेख न० 887, जून 1975 में रजिस्दीकर्ता भ्रधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है ।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, चण्डीगढ

ता**रीख:** 21-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या**लय, सहा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज चण्डीगढ़ 156, सैंक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश स० एम० एल० के०/257/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं० 28 बीघा 14 विस्वा भूमि है तथा जो गाव रानवा, सहसील मलेरकोटला में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित ध्यवितयों, प्रथात:—

 श्री उजागर सिंह, पुत्न श्री चंनण सिंह गांव रानवां, तहसील मलेरकोटला (ग्रन्तरक)

सर्व श्री

- 2. (i) गुक्षजार सिंह, पुत्र वरणाम सिंह
 - (ii) अजमेर सिंह पुत्र गुरबचन सिंह
 - (iii) कुलदीप सिंह पुत्र हरभजन सिंह
 - (iv) हरमिन्द्र सिंह
 - (v) लखबीर सिंह, पूत्र जगरूप सिंह निवासी गांव रानवां, तहसील मलेरकोटला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

28 विघे 14 विस्वे भूमि जोकि गांव रानवां तहसील मलेर-कोटला में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1114, जून, 1975 में रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी मलेरकोटला, के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, चण्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजंन रेज चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनाक 21 जनवरी 1976

निदेश स० एल० डी० एच०/सी०/70/75-76—-श्रत: मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट क्षेत्रफल कनाल 9 मरले है तथा जो गाव है बोवाल खुरद, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908) का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन 1975

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थात्:——

- श्री सुरजीत सिंह, पुत्र श्री राम सिंह निवासी हैबोबाल खुरद, द्वारा श्री प्रीत्म सिंह, पुत्र श्री अर्जैब सिंह निवासी डेहलो, तहसील श्रीर जिला लुधियाना (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उनत प्रधि-नियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुषृषी

8 कनास 9 मरले भूमि जोकि गाव हैबोवाल खुरद, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1909 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 21-1-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज चण्डीगढ़, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० एल० डी० एच०/मी०/71-75-76—-श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त श्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 8 कनाल 9 मरले भूमि का प्लाट है तथा जो गाव हैबोबाल खुरद, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई ह श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रीधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर
श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित मे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धव उक्त घिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त घिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के घिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत :---

- श्री सुरजीत सिंह पुल श्री राम सिंह निवासी हैबोबाल खुरद, द्वारा
 श्री प्रीत्म सिंह, पुल श्री अर्जैब सिंह, निवासी डेहलों, तहसील ग्रीर जिला लुधियाना (श्रन्तरक)
- (i) श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह निवासी कोठी नं० 598, माडल टाउन लुधियाना (ग्रन्तरिती) (ii) श्री पाल सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी 64-ई, सरामा नगर, लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8. कनाल 9 मरले भूमि जोकि गांव हैबोबाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेखनं० 1933 जून 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लूधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) ग्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ मैक्टर 9-बी चण्डीगढ, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० पी० टी० ए०/319/75-76--- अत. मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

प्रवाश । मनाचा, आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चास् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 62 कनाल 9 मरले भूमि है तथा जो गाव बखरीं-वाला, तहसील पटियाला. में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्द्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल काम के के लिए ग्रन्तरित गई है श्रौर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम', के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रश्तु:-

- (i) श्री पर्स राम)
 (ii) श्री हन्स राज } पुत्र श्री बांका मल
 (iii) श्री ज्ञान चन्द ।
 (ग्रः)
 - (iii) श्रीज्ञान चन्द्र । (ग्रन्तरक) निवासी गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला प्रव कम्प्रिन एजेंटस मलेरकोटला
- 2. (i) श्री सर्गजीत सिंह (ii) श्री साहिब सिंह निवासी गाव लचकामी, तहसील पटियालया

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

62 कनाल 9 मरल भूमि जो कि गांव बखरणीवाला तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1279, जून 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है ।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज', चण्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० पी० टी० ए०/1456/75-76---श्रतः मुझे, विवेक

प्रकाश मिनोचा, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार सूल्य 25,000∤- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 56 कनाल 15 मरले भूमि है तथा जो गांव वखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के श्रधोन, तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :----

(i) श्री पर्स राम, (ii) श्री हन्स राज } पुत्र श्री बांका मल

(iii) श्रीज्ञान चन्द ∫

निवासी गाव बखशीवाला, तहसील पटियाला अब कमिश्न एजैटस, मलेरकोटला (भ्रन्तरक)

2. (i) श्री सर्वजीत सिंह रेपुत्र श्री बलवन्त सिंह

(ii) श्री साहिब सिंह ∫

निवासी गांव लचकानी, तहसील पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, उस भ्रष्टयाय मे दिया गया है।

अनुसूची

56 कनाल 15 मरले भूमि जो कि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1084 जून, 1975 मे रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

> विवक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

नारीख: 21-1-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ सैक्टर 9-श्री चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं० एल० डी० एच० /सी०/87/75-76—-श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ह० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं • भूमि क्षेत्रफल 6 कनाल श्रौर 14 मरले है तथा जो गांव काकोवाल, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रिजर्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:---11---446GI/75

- श्री कुलबंत सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह निवासी :-- गांव काकोवाल, जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. मैं ० विकास इत्वैसटमैंट ऐड कोलोनाईजर्ज प्रकाश मार्किट, चौड़ा बाजार लुधियाना (श्रन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 कनाल 14 मरले जोकि गांव काकोवाल, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2114, जून 1975 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनाचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

तारी**ख** : 21 जन**व**री 1976

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, चण्डीगढ सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनाक 21 जनवरी 1976

निदेश स० सी० एच० डी०/58/75-76---**म**त मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

ष्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 40 है तथा जो सैक्टर 7-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से धिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के अभीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1 श्री भूपिन्द्र सिहं, पुत्र श्री महिन्द्र सिहं मकान नं० 56, सैक्टर 9-ए चण्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
 - (i) श्रीमती रिजन्द्र कौर, पत्नी श्री महताब सिह 2122 सँक्टर 15-सी०, चण्डीगढ़।
 - (ii) श्री मित राज कुलबीर कौर पत्नी श्री भुषिन्द्र सिह56 9-ए, चण्डीगढ़।
 - (iii) श्रीमित गुरभजन कौर, वोनो निवासी सन्धु पत्नी श्री जगशर्न सिह फार्म स्दारपुर (iv) श्री प्रभशर्न सिह, पुत्र श्री जिला नैनीताल

(भ्रन्तरिती)

(यू०पी०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

श्रवतार सिह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वतिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो उक्त ग्राधिनियम के मध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही ग्रायं होगा, जो उस ग्राध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

3/4 भाग मो रूम प्लाट नं ० 40, मध्य मार्ग, सैक्टर 7-सी० चण्डीगढ ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख न० 372 जून, 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 'चिष्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

प्ररूप भ्राई०टी ०एन०एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ सैनटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश स० पी० टी० ए०/314/75-76—-- ग्रतः मुझें, विवेक प्रकाश मिनोचा,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 44 कनाल 4 मरले भूमि है तथा जो गांव सनौर, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथौन्:—

- 1. श्री हरमोहन सिंह, पुत्र श्री राजिन्द्र सिंह गांव सनौर, तहसील पटियाला (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री

(i) गुरप्रताप सिंह) (ii) सुखजीत सिंह } मारफत हरमोहन सिंह, (iii) बलदेव सिंह }

निवासी गांव सनौर, तहसील पटियाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

44 कनाल 4 मरले भूमि जोकि गांव सनौर, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1250 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 21-1-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेशक सं० पी० टी० ए०/318/75-76—ेश्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज चण्डीगढ म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत शिधनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रुपये से मिधक है श्रीर जिसकी सं० 50 कनाल 12 मरले भूमि में है तथा जो गांव सनौर, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्याजय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धार। 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत:--

- 1. श्री हरदेव सिंह छीना, पुत्र स्वर्गीय श्री हरबन्स सिंह छीना सैक्टर 5, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुरनाम सिंह सतनाम सिंह पुत्र श्री सौदागर मिह गाव धौसगढ, तहसील समराला (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्वा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 कनाल 12 मरले भूमि जोकि गांव सनौर, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1261 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी पटियालय के कार्याक्षय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, चण्डीगढ

तारी**ख** 21-1-1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन, रेंज 1, दिल्ली-1 4/14-ए, भ्रासफ भ्रली रोड़ नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 16 जनवरी 1976

निदश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० ग्रार०-III/जून-II (21)/75-76--यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961(1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्ल ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं ० प्लाट नं० एम०-100 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उनावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्दों यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :—

- श्री गुरबक्स सिंह पबला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मोटा सिंह, के-9, एन० डी० एस० सी०-II, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्रीमती उषा बजाज, पत्नी श्री के० एस० बजाज, डी-60, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यब्दीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 100, ब्लाक नं० 'एम' है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, ग्रेटर कैंसाश-II, नई दिल्ली दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र में, बाहापुर गाव, दिल्ली को यूनियन टैरोटरी में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्वः रोड़ पश्चिमः लेन

उत्तर : प्लाट नं० एम-98 दक्षिण : प्लाट नं० एम०-102

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16-1-1976 मोहुर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, 1 दिल्ली-1 4/14ए, भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली,, दिनांक 16 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एकपू० 1/एस० ग्रार० III/जुलाईII/1975-76—पत:, मुझे चं० वि० गुप्ते
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० एस०-367, है, जो ग्रेटर क लाश-I, नई दिल्ली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है),
राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजराजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन
जुलाई 1975 को

पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या घन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण मं, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्निखिल व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- श्री कृष्ण लाल कपूर, सुपुत्र श्री कान्सी राम कपृर, एस०-367,ग्रेटर कैलाण-I, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
 - श्री वृज किशोरी, सुपुत्र श्री बरकत राम, नं० 54, एम० एम० जनपथ, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुर्मजिला निवासी मकान जो 208 वर्ग गण क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० एस०-367, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व : रोड़

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० एस०-365

दक्षिण : प्लाटनं ० एस०-369

चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 16-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली 4/14ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 16 जनवरी 1976

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० भार०-III/जून-1/ 8 09 (8)/75-76--यतः मुझे, चं० वि गप्ते म्रावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में दिया गया है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 4 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का (पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण शिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- लैपट० जरनल नवीन चन्द राले सुपुत डा० रप्तन चन्द राले तथा श्रीमती सीता राले निवासी 3, रेन् कोर्स रोड नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शाकुन्तला वर्मा पत्नी श्री मनोहर सिंह वर्मा बी०-14 विशाल कालौनी नजफगढ रोड नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बीगा तथा 12 बिसवा है, खसरा नं 397/1 (3 होगा 5 बिसवा) 397/2 (3 बीगा 3 बिसवा), 398 (3 बीमा 12 बिसवा) 399 (4 बीगा 16 बिसवा) 400/2 3 बीगा 16 बिसवा) है, साथ में सीमा दिवार एम० कमरा तथा ट्यूब बेल गदाएंपुर गांव, सहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ज** 16-1-1976 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-1, दिल्ली-1
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 16 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-III/जून-II/839(2)/75-76---यत मुझे च० वि० गुप्ते श्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी स० के०-11 है जो लाजपत नगर-III नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का प्रत्यक प्रतिश्वास अधिक है और अन्तरक

का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः अब उक्त भ्रम्निनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत्:—

- 1. श्रीमती दया कौर पत्नी विधवा एस० क्रूडण सिंह सुपुत्नी एल० प्राभ दयाल निवासी के०~11 लाजपत नगर-III, नई दिल्ली (अन्तरक) ।
- 2 श्रीमती पार्वती कौर पत्नी एस० लाभ सिंह (2) एस० मोहिद्र सिंह सुपुत्न एस० लाभ सिंह तथा (3) एस० बलबीर सिंह, सुपुत्न एस० लाभ सिंह, निवासी 4-बी०/ 15 दया नन्द कालौनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली (श्रम्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मजिला ब्लिडिंग जो 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है न० 11 ब्लिव 'के' है तथा जोकि लाजपत नगर कालौनी III नई दिल्ली में हैं। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है ---

पूर्व प्लाट न० के०-12 पर मकान
पश्चिम प्लाट न० के०-10 पर मकान
उत्तर रोड
दक्षिण सर्विस लेन

च० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनाक . 16-1-1976 मोहर .

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-5 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1976

निर्देण सं० श्राई० 5/331/75-76—श्रतः मुझे जे० एम० मेहरा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ र० से अधिक है और जिसकी प्लाट स० 19 सर्वे स० 142 हिस्सा नं० 2 (पार्ट), सर्वे नं० 137 है। जो नाहर गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त ग्रियित्यम,' के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत्:—, 12—446GI/75

- 1. श्री परशुराम वामन पाटील श्रीर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री संतोप श्रपाटमेट को० श्राप० सोसायटी लि० (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर के रिजस्ट्रेशन जिले श्रौर उपजिले में नाहुर (मुलुंड) पश्चिम में स्थित एवं श्रवस्थित खाली जिमन का वह तमाम भाग जिसकी प्लाट सं० 19 है सर्वे सं० 142 हिस्सा सं० 2 (पार्ट) तथा सर्वे सं० 137, हिस्सा सं० 'नील' है तथा जो माप में 968:20 वर्गमीटर श्रयित 1158 वर्गगज श्रयवा उसके समकक्ष है तथा जिसकी सीमाए इस प्रकार से घरी हुई है कि पूर्व में श्रयवा पूर्व की श्रोर नाहुर सितारा को श्रोप० हाऊ० सोसा० लि० की प्रापर्टी है पश्चिम में श्रयवा पश्चिम की श्रोर 22'—0" प्रस्तावित श्रेसेस रोड है उत्तर में श्रयवा उत्तर की श्रोर 60'—0" डी०पी० रोड है, तथा दक्षिण में श्रयवा दक्षिण की श्रोर प्लाट सख्या 20 है।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-5 बम्बई

तारीख: 24-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 4/14-ए श्रासफ० श्रली रोड, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० /II/1035/347/75-76--- यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल प्रधिनियम, प्रायकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 81 है जो शियाजी पार्क शाहदरा दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) बौ**र अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्निनयम, के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपस्नारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री चुन्नी लाल बतरा सुपुत्र श्री गोबिद राम बतरा 690-सी०/2 काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 श्री गुरबच्चन सिंह के जनरलन पायर श्राफ श्रटारनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम नाथ श्रग्नवाल, सुपुत्र श्री नन्द किशोर श्रग्नवाल 452/1, प्रांग भवन, भोला नाथ नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों, का जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेड़ मंजिला मकान जो कि 170 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० 81 है, शिवाजी पाक, शाहदरा, दिल्ली में । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : प्लाट नं० 82 पश्चिम : रोड़ 30' उत्तर : प्लाट नं० 79 दक्षण : प्लाट न० 83

> एस॰ एन॰ एल॰ श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 27 जनवरी 1976

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रास्त श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 27 जमवरी 1976

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्यू० II/2049/1036/ 75-76--यत , मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमे इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रौर जिसकी स० 4898 का 1/2 भाग है, जो कूचा उसताद डगा, चादनी चौक, दित्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (मन्तरको) ग्रौर मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनियम,' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: ग्रब 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मै, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत्:—

- 1 श्री मदन मोहन, सुपुत्र श्री प्रषोतम दास, ए०-1/66 सारेन्स रोड दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ललीता रानी, पत्नी श्री भीम सैन, 4898, कूचा उस्ताद डाग, चादनी चौक, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 113 वर्ग गज क्षेत्र-फल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका न० 4898, कूचा उस्साद डाग, चादनी चौक, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० ध्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2,दिल्ली,नईदिल्ली-1

दिनाक: 27-1-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली-1
4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० /II/1978/1037/75-76--यतः, मुझे, एस० एन० एस० श्रग्रमाल भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **बाजार मू**स्य 25,000/- रु० से अधिक स्रौर जिसकी सं० बी०-3/8 है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिन ाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन मिम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री प्रीक्षम सिंह लाम्बा, सुपुत्र सुन्दर सिंह, निधासी बी०-3/8, माङल टाउन, दिल्ली ग्रपने लिए तथा श्रीमती स्नैह सप्ता के लिए जरमल ग्रटारनी, पत्नी श्री राजीन्दर सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती निर्मल जैन, पत्नी श्री स्नार० डी० जैन, एफ० 5/4, माडल टाउन, दिल्ली (स्नन्तरिती)
- 3. श्री स्रोम प्रकाण कपुर, (2) श्रीमती जस्बीर कौर (3) मैं ० जस्बीर एन्टरप्राईसीस, निवासी बी०-3/8, माडल टाउन, दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि (कुल क्षेत्रफल 200. 14 वर्ग गज का) 118 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका न० बी०-3/8, माडल टाउन, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : जायदाद नं ० बी ०- 3/9 पश्चिम : जायदाद नं ० बी ०- 3/7ए

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण: बी-3/8 का बाकी भाग

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 27 जनवरी 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, आसफ श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2020/1(: ६/75-76—यत: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 111/3908 है, जो होमिलटन रोड, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में और पृणं रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम,' के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम,' या घन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए ।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--

- मैं० मीटलैस (प्रा०) लि०, नं० 1, डफरीन बृज,
 मोरी गेट, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नन्द लाल, सूपुत्र एल० नियामत राय, फ्लेट नं० 3, हाई लेन्ड कोग्रापरेटीव सोसाइटी पाली हिल, बम्बई । (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री जे० मी० कोछड़ तथा श्री एन० चैर्टजी, निवासी 111/3908, होमिलटन रोड़ दिल्ली-6। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक दुमंजिला मकान जोकि 210 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है जिसका नं० 111/3908 है, हामिलटन रोड मोरीगेट दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27 जनवरी 1976

मोहरः

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड़ नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/2026/1039/75-76—यत: मुझे. एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 111/3907 तथा 3906 है, जो होमीलटन रोइ, मोरीगेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1975 को प्रवींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (ध्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त' श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम'. की घारा 269-ध की उपघारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- मैं० मीटलैंस (प्रा०) लि०, न० 1, डफ़रीन बुज मोरी गेट, विल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री तुलसा राम, सुपुत्र श्री बधा राम, निवासी मलोट मण्डी, जिला फीरौजपुर (पंजाब) (श्रन्तरिती)
- मैं० मोन्टगोमरी टास्पोर्ट को-म्रापरेटीय सोसाइटी, दिल्ली
 (2) श्री पी० चैटरजी (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येषाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोिक 210 वर्ग गज क्षेत्रफल के जाट पर बना हुंग्रा है, जिसका नं ० 111/3906 तथा 3907 है, होमीलटन रोड़, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27 जनवरी 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14ए, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० प्राई ए० सी०/एक्यु०-II/2077/1040/75-76—यत:, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रधिक है और श्रोर जिसकी सं० 344 टी० एस० एन० स्कीम है, जो न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए;

श्रत:, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितयम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रशीन निम्नलिखित श्राक्तियों, श्रथित :---

- 1 श्रीमिती विश्वन कौर, परनी श्री प्रीतम सिंह, 3/10, तिलक नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- थीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री जगन्न नाथ मलहोत्ना, 8728, शादीपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ब्रर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढ़ेड़ मंजिला मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुम्रा है, जिसका नं० 344, ब्लाक नं० बी, वार्ड नं० 17 है, साधोरा खुर्द गांव, दिल्ली (टी० एन० एस० स्कीम, न्यू रोहतक रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में) स्थित है।

> एस० एन० एल० श्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 27 जनवरी 1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 4/14-ए, श्रासफश्रली रोड़ केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/1025/1023/ 75-76--यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर श्रीर जिसकी सं० 244 का 1/2 भाग है, जो गली कदला कासम, फतेहपुरी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उब्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :---

1. श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री देवादास, (2)श्री गियान दास, (3)श्री जे० भगवान (4)श्री राम देव, सुपुक्त श्री देवदास (5) श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी श्री चम्मन लाल, निवासी 244, गली कदला कासम, फतेहपुरी, दिल्ली। (भ्रन्तरक)

- 2. श्री हीरा लाल (2) नारेश चन्द्र (3) सुरेश चन्द्र (4) वेद प्रकाण (नाबालिंग) (5)राम ग्रवतार (नाबालिंग) सुपुन्न श्री मुराली लाल, निवासी 450, कूचा बुज नाथ, चांदनी चौक, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)
- 3. 1. लख्मी नारायन 2. जग्गननाथ 3. श्री राम चन्द्र 4. जै नारायण 5. खरैता लाल 6. भोला राम 7. तोता राम 8. राम किशन 9. रामेश्वर दयाल 10. नाथु राम 11. तेज पाल 12. ईश्वर दत् 13. नन्द किशोरी 14. कुन्दे लाल 15: निक्कू राम 16. चरन सिंह 17. बैज नाथ 18. भगत सिंह 19. बलबीर सरन 20. रवी दत् 21. मैं० राम कृष्ण फ्लौर मिल 22 प्रकाश चन्द 23 बुज मोहन 24 मोहन 25. श्रीमती मैना (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

तीन मंजिला मकान का 1/2 भाग जो 643 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 244, गली कादले कासम, फतेहपुरी, विल्ली में है ।

> एस० एन० एल० ध्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21 जनवरी 1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्राराफअली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 21 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्यू०-11/2073/1022/ 75-76---यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 244 का 1/2 भाग है, जो गली कादला कासन, फतेहपुरी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1975 को

पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ∗भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत :---13-446GI/75

- ा. र्शामती कमला देवी, पत्नी श्री देवादास, (2) श्री गियान दास, (3) श्री जे० भगवान (4) श्री राम देव, सुपुत्र श्री देवदास (5) श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी श्री नम्मन लाल, निवासी 244 गली कदला कासम, फतेहप्री, दिल्लो। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री पुराणी लाल, निवासी 150, कुचा बुज नाथ, चादनी चौक, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

3. लख्मी नारायन जग्गन नाथ 3. राम चन्द्र 4. जे० नारायण 5. ख^रता लाल भोला गम 7. तोता राम 8: राम किशन 9. रामेण्यर दयाल 10. नाथ्राम 11. तेगपाल 12. ईंग्वरदत 13. नन्स किणोरी 14. कून्दे लात । 5 निवकू राम 10. चरन सिह 17. बैज नाथ 18 भगत सिंह 19. बलबीर रारन 20. रवी दत् 21. भै० राम ऋष्ण फलौर मिल 22. प्रकाश चन्द 23 वृज मोहन 24. भोहन लाल 25. श्रीमती मैना ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

तीन मजिला मकान का 1/2 भाग जो 643 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका न०244, गली कादले कासम, फतेहपुरी, दिल्ली में है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:21 जनवरी 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०--

भायकर ऋधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन स्वना

गरित भुरक्षार

कार्यालय, महासक द्यायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन नेज, रिल्फीना

ग/11+, यासफयर्ला भा^न, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 21 जनवरी 1976

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०--यत , मसे, एग० एन० एत० प्रगवाल प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें उसके पण्चात 'उवत प्रधिनियम' कहा गया है)की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 7016 से 7018, वार्ड न० 14 है, जो गली टकी वालो, खास महा, पहाड़ी भीरक, दिरली में स्थित है (अर्थेर इसस उपायद्ध सन्सूचा में पर्व रूप से विणित है), रिजर्म्हाकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजर्म्ड करण श्रीह निरम् 1908 (1908 का 16) के सर्धान मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण गिखित में बास्तियक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (फ) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के फ्रन्तरब क दायिख में कमी करन या उसमे बचन में सृविधा के लिए; गौर/या
- (ख) एसी जिसी श्रीय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय द्यायवर श्रीधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीधनियम को धन-वर श्रीधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वें लिए;

श्रतः श्रव उवत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उवत श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियो अर्थात:—

1. श्रीमती णाम राती, विधवा पत्नी श्री दुर्गा प्रशाद नवासी सेरा गाव, नजफगढ, दिल्ल। (ग्रन्तरक)

- श्री राज। राम वर्मा, सुपुत श्री तुवेनी सहाए तथा श्रीमती राम वती, पत्नी श्री राजा राम वर्मा, निवासी 7016 से 7018, गली टकी वाली, खाम मन्ड़ी, पहार्षा शीरज जिल्ली। (अन्तरिनी)
- ३ यी परणीतम दाश
 - (३) श्रीर्धमपाल सपत्नश्रीद्गीदान
 - (3) स्रोम प्रकाण
 - (4) আৰু লাল
 - (५) स्रीन्द्र कुमार
 - (6) धंम पाल गर्मा
 - (7) श्ररेन्द्र कुमार
 - (8) चितर मल
 - (9) राजा राम,

मभी निवासी 7016 से 7018, गली टकी वाली, खास मन्डी, पहाड़ी धीरज, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके श्रधि-भीग में गत्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढ़ाई मजिलाब्लिडिंग जो 146 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसकान ० 7016 में 7018, वार्ट न ० 14 गली टंकी वाली खास मण्डी, पहाडी धीरज, दिल्ली में है। यह ब्लिडिंग निम्न प्रकार से स्थित है:—

पुर्व: अपन्य की जायदाद

पश्चिम: गली

उत्तर : अन्य की जायदाद

दक्षिण लेन

एस० एन० एल० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निर्दाक्षण) श्रजेन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तार्गख 21 जनवरी 1976 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस० -

श्रायकर घ्रघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज 1/2, दिल्लो-।
4/14-ए, आस**फ** अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनाक 21 जनवरी: 1976

निदंग स० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/11/2062/1019/ 75-76--यत. मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिवारी को, यह विश्वारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ए० से ग्राधिक है ग्रीर जिसकी स० 2561 से 2561, वार्ड न० II है, जो तहरा वेरम खान, दरिया गज, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध ग्रनसुची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्टावर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रॉजस्ट्राकरण अधि-नियम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधीन - मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्दरिशियो) के बीच एस अन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिष्यत उद्देश्य से उनत बन्तरण लिखित में वारतीयह संपंते कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और
- (मा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

शतः अव, उस्त ग्रिधिनयम, को धारा २६० म क ग्रनुसरण मे, में उद्भत ग्रिधिनयम, की धारा २६९ म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रथितः—— श्री पुख राज ित्र, मुपुल श्री छाज्ज् सित्र, 828, चादनी महल, दरिया गज, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- श्री नैन राम, सुपुत भारायण दास
- (2) र्श्वामती बानू बाई, पत्नी र्श्वा लीला राम निवासी 1498, सूईवाला, गर्ला कोटाना, दिल्ली-6।

(ग्रतरिती)

2. श्री णाबू (2) विनाद लाल (3) लालकी मल राम साम्प निवासी 2561 में 2565 तक, तिराहा बेहरम खान, दरिया गज, दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके श्राधभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन क लिए कार्सवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति क ग्रार्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा.
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जा 95 बर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका न० 2561 रा 2564, वार्ड न० 11 है, तिराहा बेहरम खान, दिस्या गज, दिल्लं। में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है.—

पूर्व चौक पश्चिम अश्वा श्रा श्रा श्राण मेना का जायदाद उत्तर श्रान्य की जायदाद दक्षिण जायदाद न० 2560।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

भा*रा*ख 21 जनवरा, 1976 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यु० II/1020/2011/75-76/यतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, श्रौर जिसकी स० 2853 का 3/4 भाग है, जो श्रशोक गर्ला धोबीवारा, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण. है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ८ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री देव राज, मोहिन्द्र लाल, इन्द्र लाल, सुपुत्र श्री मैन दास, 2853, अशोक गली, मोरी गेट, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती शीला वती, पत्नी श्री चरणर्जात लाल,
 श्रीमती गीला वती, पत्नी श्री चरणर्जात लाल,
 श्रीमती गीला वती, पत्नी श्री चरणर्जात लाल,
 श्रीमती श्रीमती

को यह सूचना जारीकर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक दुर्माजिला मकान का 3/4 भाग जो 100 धर्म गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० 2853 है, गली ग्राणोक, धोबीबारा, मोरी गेट, दिल्ली में है।

> एस० एन० एन० ग्रम्मवान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21-1-976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायिलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली-1 4/14-ए; आसफ अली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनाक 22 जनवरी 1976

निर्देश म० प्राई० ए० सी० /एक्यु०/11/2050/1033/ 75-76---यत:, मुझे एस० एन० एल० अप्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिस की संव 1/2 भाग 📉 डी ०-32 का है, जो कमला नगर दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, दिःली मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिपाल, निभ्नलिखित उद्देश्य रो उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, भै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रशीत :---

- श्रीमती कैलाश वती श्रग्रवाल, पत्नी श्री ग्रमर नाथ ग्रग्रवाल, निवासी 166-डी, कमला नगर, दिल्ली
- (2) श्री हरी चन्द, सुपुत्र श्री रान्यई राम 4/3, रूप नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम चन्द्र, मुपुत्र श्री घिसा राम, गाव लिबासपुर, पोस्ट आफिसरस बादली, दिल्ली।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूर्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी उन्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की ता रीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/2 प्रविभाजित भाग जो 233.33 वर्ग गज के प्लाट पर बना हुग्रा है, जिसका न० ई.-32 है, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, -2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख :22-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

जायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, 4/14-ए, ग्रासफ ग्रली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ला-1, दिनाव 22 जनवरी 1976

निरंण ग० आई० ए० सी०/एसप०/II/1034/1939/ 7,5-76/ यत, मुने एस० एन० एल० अप्रवाल आफर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमे इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, एट विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी स० डी-32 का 1/2 भाग हे, जो बमला नगर दिल्ली में स्थित है (और इसमें, उपावद्ध अनुसूर्वा में पूर्ण हप में विशत है), रिजर्ट् क्ता अधिवार्र, ने कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रिजर्ट करण अधिनियम 1908 (1968 वा 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृविवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) ऋौर अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहां किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

गत. यत 'उका ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण गे, में, 'उबत श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नेनिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- 1 (1) श्रीमती कैलाण वर्ता प्रग्नवाल पत्नी ग्रमर नाथ श्रग्रवाल निवासी 166-डी, कमला नगर, दिल्ली
- (2) श्री हरी चन्द, सुपुत्र श्री रक्यई राम, निवासी 4/3, रूप नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

2 श्री राम चन्द्र, सुपुत्र श्री घिसा राम, निवासी लिबास-पुर गाव, पोस्ट श्राफिसर बादली, दिल्ली राज्य, दिल्ली। (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख रंग 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टांकरणः हसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जा 'उनत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/2 अविभाजित भाग जा 233.33 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका न० डी-32 है, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० ऋग्नवाल मक्षम ऋधिकारी सहायक स्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 32**-**1-76 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-प (1) र अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज

, 60/61 गरंडवना, फर्वे रोड, पूरा 11100। पूना-411004, दिनाक 21 जनवरी 1976

निर्देण म० सी०श्रो०/5/मे/1975/हवेर्ल-II (प्ना)/262/75-76/- यत. मुझे एच० एस० श्रोलख स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' वहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० मे प्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० सर्वे कमाव 114/2 है तथा जो भोसरी (पूना) में स्थित है (ग्रीर उससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता पिधकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 25 मई 1975

को पूर्वीतन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान अतिफल में ऐसे दृश्यमान अतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट वेब रूप से विश्व नहीं किया गया है :---

- (१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/था
- (ए) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने मे भृविधा के लिए,

ध्रम ध्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में मैं 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्बलिखित व्यक्तियो, ग्रथित, — पूनमचंद कोडियाम गुदेचा, 1384/ अवानो पेट, पूना-2 (प्रनमचंद कोडियाम गुदेचा, 1384/ अवानो पेट, पूना-2 (प्रन्यस्य)

् ४ र्थाः पाण्वंनाय भाषापरेतियः हार्रास्य सामायर्थः भितरत

्रेयरमैन श्री कोती शिव भागति साम्तीचा १७१४ वा , मुसा -18 ।

(प्रस्तरिर्≒ः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति त अर्जन र लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के मबद्य में कार्ट भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि यद में सभाग्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेगे।

ह्यस्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अध होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्खा

की होल्ड खुली जमीन सर्वे कमार 434/2 भोमरी कासार वाडी तहसील हवेली जिला पूना, क्षेत 2 एकर 2 गठ।

(जैसी की रिजर्स्ट्रांकृत विलेख ऋमात्र 1104 मे 1975 में सब रिजस्ट्रार हवेली-II (पृता के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० ग्रीलख, तारीख: 21-1-1976 सक्षम प्राधिकारी मोहर: सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज, पूना प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन केज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड्, पूना-411004 पूना-411004, दिनाक 23 जनवरी 1976

निर्देश मं० सी० ए०-5/धुलिया/सप्टेबर 75/263/75-76--यतः, मझे एच० एस० श्रौलख श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 和 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है है तथा जो धुलिया में स्थित है श्रीर जिसकी सं० (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा मे स्त्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धुलिया में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन. तारीख 23 मितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, गौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या फिसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-अर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब 'उक्त श्रधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात :—

- ा. श्री मंगलभाई नाथाभाई पटेल, पार्टनर श्री शारदा श्राईल मील के लिये, धुलिया (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुरलीधर श्रीराम पोहार, पार्टनर श्री श्राईल मील के लिये, धुलिया (श्रनारिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रॉपर्टी एन० ए० लैंड, धुलिया

- (i) सी० म० नं० 47 4 2/एम० न० 549/2 क्षेत्रफल ४ एकड़11 गुठा।
 - (ii) सी० एम० नं० 4242/2 क्षेत्रफल 2 एकड 0 गुंठा
- (iii) सी० एस० न० 4742/2, स० नं० 549/A2 क्षेत्रफल 0 एकड् 20 गुठा

ग्रीर इसके ऊपर बिल्डिंग, किराया वसूल करने का हक्क श्राईल मिलका गुडवुईल ग्रीर पहिले दिया हुग्रा किराया करने का हक्क इलेक्ट्रीक मोटर ई०

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख अरं० 1537 दिनांक 23-9-75 को सब रिजिस्ट्रार धुलिया के दफतर में लिखा है)।

एच० एम० भ्रौलख

तारीख: 23-1-1976

सक्षम प्राधिकारी

मोहर:

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज

60/61 एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004,दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/सेप्टेंबर 75/261/75-76— यत:, मुझे एच० एस० श्रौलख

बायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या सी० टी० एस० जे० 622/5 म्यू० कम 480/के है तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन , तारीख 22 मितम्बर 1975 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/ण
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः अब 'उक्त प्रिष्ठितियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रिष्ठितियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियो अर्थात :——

- 1. श्री नारायण उदेराम वैष्य प्रशोक स्तंभ के नजदीक रविवार पेठ, नासिक। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री मंदार कोभ्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी गोले कालोनी, नासिक-2 ।

चीफ प्रमोटरः श्री सुधाकर शिवराम निकुंभ, निकुंभवाडा, भिक्सा लेन, नासिक

जॉ॰, चीफ प्रमोटर:---श्री गोपाल ग्रनंत ग्रदावदकर, 1842 जुनी तांबट लेन नलाजिया बिल्डिंग, नासिक। (ग्रन्तरिती)

 अन्तरक श्रौर असि० कमीशनर श्राफ सेल्स टैक्स, नासिक। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)

(नोटिस ऋ० सी० ए० 5/नासिक/सेप्टेबर 75/261 दिनांक 20 जनवरी 1976 की तालिका)

- (1) विजय एस० देशपांडे, द्वारा एस० पी० देशपांडे 450 रविवार पेठ, नासिक।
- (2) जी० ए० ग्रदाबदकर, 1842 जुनी तांबट गली तलाजिया बिल्डिंग, नासिक।
- (3) डा० के० एन० चिटणीस, वांदेकर बिल्डिंग, श्रागरा रोड, नासिक।
- (4) ए.म० एल० कुलकर्णी, द्वारा पी० जी० कुलकर्णी चंद्राचे ब्लॉक्स, गोले कालोनी, नासिक।
- (5) वास्देव गोपाल पडित, निफाड, सहकारी साखर कारखाना, पोस्ट भाउ साहेब हिरे नगर, ता० निफाड, जि–नासिक।
- (6) स्रोंकार शिवराम पोतदार, पेंटर, एम० जी० रोड नासिक।
- (7) डा० वाय्०ए० जोणी, 840 गोरेराम कोट, नासिक
- (8) एम० वी० बापट, द्वारा डी० एम० लेले, 450 रविवार पेठ, नासिक ।
- (9) जे० बी० च।वडा, 432-बी वकीस वाडी, नासिक ।
- (10) जे० वी० कपाडिया, 432-बी, धकील वाडी नासिक।

- (11) एम० के० देशमुख, गजेटेड श्राफीसर्स कालोनी घोटे बंगला, प्लाट नं० 6, कालेज के पीछे दिनकर नगर, बेस्ट हाईकोर्ट रोड, नागपूर।
- (12) वाय० ह्विंा० बर्वे, 2080 दिल्ली दरवाजा बर्वे वाडा, नासिक।
- (13) एस० एस० निकुंभ, 957 (बी) भिकुसा गल्ली, निकुंभ वाडा, नासिक।
- (14) सौ० प्रमिला श्रोझरकर नाचन मंगल कार्यालय, 2195, नवा-दरवाजा नासिक।
- (15) पी० एस० निकुंभ, ऐक्साईज इंस्पेक्टर, ंसेट्रल एक्साइज एण्ड कस्टम्स, ब्लाक नं० 8, प्लेन ॄंब्ह्यू भाचकुम स्रास्ती पोस्ट पायडी वसई, जि० थाना।
- (16) विजयरघुनाथ काले, पोस्ट सिन्नर, जि॰ नासिक।
- (17) म्नार० एल० गोखले, म्नाइ एस० पी० क्वार्टर्स ई-9, पोस्ट नासिक रोड जि०नासिक।
- (18) एस० जी० नारकुंडे, पोस्ट वडनेर, भैरव, सा० चांदवड, जि० नासिक।
- (19) एस०के० गाह, पोस्ट वडनेर, भैरव, ता० चांदवड जि० नासिक।
- (20) डा० म्रार० एन० कार्यकर्ते, पोस्ट वडनेर, भैरव ता०, चांदवड, जि० नासिक।
- (21) सौ सुनंदा प्रधान द्वारा टी० जी०- प्रधान, वकील के० जी राय, विद्यालय के नजदीक कसर स्मृती पाटील कालोनी, पोद्दार पेंटर्स बिल्डिंग, गंगापुर रोड. नासिक।

(वह व्यक्ति , जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उनक्ष स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी सं० 665/9,सी० एस० नं० 622/5 म्युनिर्सापल ऋ० 480/के गोले कालोनी नासिक, क्षेत्रफल-1694 वर्ग यार्डेस ग्रीर उसके ऊपर पुराना बंगला।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1765 दिनांक 22-9-75 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफतर में लिखा है)।

एच० एस० ग्रौलख,

तारीख: 20-1-1976 सक्षम प्राधिकारी, मोहर: सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

14-446GI/75

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई०-1/1178-4/मई-75:-- ग्रतः, मुझे ह्वी श्रार० श्रमीन आयकर अधिनियम (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 21610 मांडवी डिवीजन है, जो प्लाट नं० 73 सिडनॅहम रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिसी (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत श्रन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्लामित के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (19€2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उम्रत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः :—

- 1. श्री ग्रब्दुल तायेब इस्मालजी मस्कानी । (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रद्धुल तायेब इस्मालजी मस्कानी श्रीर श्रन्य ट्रस्टीज श्राफ मस्कानी चेरिटेबल प्रॉपर्टिज ट्रस्ट । (श्रन्तरिती)
 - 3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तार्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले तथा नगर एवं श्रायलेंड में कापेरिशन के सिडनेहम रोड, इस्टेट स्कीम सं० 37 में स्थित प्लाट सं० 73 की जमीन का वह तमाम भाग तथा उसपर वने इमारतों सहित वह तमाम भाग जिसका क्षेत्रफल छ मौ इकहत्तर (671)वर्गगज श्रर्थात 561.02 वर्गमीटर श्रथता उसके समक्ष्म है तथा जिसकी कलेक्टर की नई सर्वेक्षण संख्याएं 2124-2126 (पार्टस्) श्रौर महमदश्रली रोड बम्बई-3 पर स्थित मांडवी डिवीजन की केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 2/610 श्रीकत है तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर श्रौर कर के कलक्टर द्वारा 'वी' वार्ड संख्याएं 637 से 641, स्ट्रीट संख्याएं 76-76 जो तथा 30-34 के श्रन्तर्गत किया गया है तथा जो इस प्रकार से घरा हुन्ना है कि उत्तर-पूर्व में महमद श्रली रोड है, दक्षिण-पूर्व में भाजीपाला लेन है, दक्षिण-पश्चिम में स्वीपर्स-रास्ता है तथा उत्तर पश्चिम में भोरा (मस्जिद) मास्क्यू है।

वी० ग्रार० भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी नद्वायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंब-1, बम्बर्ड

तारी**ख** : 20-1-76

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 20 जनवरी 1976

निर्देण स० प्राई० 1/1180 6/मर्ट 75—-प्रत., मुझे वी० प्रार० प्रमीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० सी० एस० न० 30 कुलावा डिविजन है, जो कुलावा रोड के पूर्व बाजू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री नर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 28-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रोर ध्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. मेसर्स स्टॉलिंग इनवेस्टमेंटस का० प्रा० लि० । (भ्रन्तरक)
- 2. द० साऊष लैंड को० घ्रो० हा० सोसायटी लि०। (ध्रन्तरिसी)

3 किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त धब्दो भ्रौर पदो का, जो 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर के रजिस्ट्रेशन जिले भीर उप जिले में कुलाबा में कुलाबा रोड की पूर्व (जिसे पहले मिडल कुलाबा रोड कहते थे) मे स्थित भूमि प्रथवा मैदान का वह तमाम भाग प्रथवा खड जो कि माप में 1590 वर्गगज भ्रथति, 1329 वर्गमीटर के समतुख्य या उसके लगभग है, तथा जिसकी सीमाए इस प्रकार है कि उत्तर में प्रथवा उत्तर की भीर वह प्रापर्टी है जो कि भ्रमत. बाप्टिस्ट चर्च के ट्रस्टी के कब्जे में है तथा ग्रंशत वह लिज होल्ड प्रापर्टी है जो कि महमद हर्सैन हसन के कब्जे में है सथा दक्षिण भीर पूर्व में भ्रथवा उसकी श्रीर लिज होल्ड प्रापर्टी है जो कि महमद हुसेन हसन के कब्जे में है, पश्चिम में ग्रथवा पश्चिम की स्रोर कुलाबा रोड है तथा भूमि का वह कथित भाग है जिसे बम्बई के कलक्टर को पुस्तकों में रेन्ट रोल न० 7636 के श्रतर्गत पजीकृत किया गया है तथा जिसका कुलाबा डिवीजन को केडेस्ट्रल सर्वेक्षण स० 30 है, उसपर बनी इमारतो ग्रौर उसपर खड़ी इरेक्शनो सहित जिसका निर्धारण बम्बई की म्युनिसिपेलिटी में 'ए' वार्ड सख्या एं 187 (1), 187 (2) तथा कुलाबा रोड की स्ट्रीट संख्याए 177 श्रीर 177-ए के श्रंतर्गत किया है।

> वी० प्रार० प्रमीन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-1, बम्बई

तारीख: 20-1-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 290/एम ई न० 71/75-76---यतः, मुझे बी० वी० सुबाराय, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्स ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी स० भार० एस० न० 77-1 एस०सी० 8-921 में रायावराम के पास है जो वेजाग जिलेमे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, येलमानचिलि मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर अन्तरक (श्रन्तरको) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— श्री ग्रपला वेकटा रमाना सुपुत्र वेन्कुनायाणा,
 येलमचिली (ग्रन्तरक)

2 श्री म्रदिकसेट्टि इश्वर राव)
2 म्रदिक सेट्टि जगन्नाथराव } सुपुत्रा श्री रामुलु
3 श्री म्रदिक सेट्टि बाबी } रामवरम वैजाग जिला
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उक्त भिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यलमन्चिलि रिजस्ट्री अधिकारी से 12-5-1975 में पजीकृत दस्तावेज न० 1754/75 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी० मुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 27-12-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बीरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

भर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 292/एमई न०7/75-76—यत⁻, मुझे, बी०वी० सुब्बाराव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक हैं और जिसकी म० श्वार० एम० न. 54 एण्ड 55/2 एसी 18-00 है जो, वेमुलपिल ईरामचद्रपुरम तालुक में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मडपेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के मनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय थाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बबने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उन्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मे, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् .— श्री चेंकूरि जानिकराम राजू सुपुत्र राम्मीराजू 2. चेंकूरि वेंकटरामा नाराजू सुपुत्र जानिकीरामा राजू द्वारपूछि 3. चेंकूरि भास्करा रामा राज्

(अन्तरक)

2. श्री पालकूरि मनिक्यामबा पत्नी स्वामी चिन सुब्बय्या, मडपेटा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितयक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यक्षा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मङ्पेटा रजिस्ट्री अधिकारी से 22-5-75 मे पजीकृत दस्ताबेज न॰ 856/75 में निगमित अनुसूची सपत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 27-12-1975

मोहर:

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकिनाडा, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 291/एम० ई० न० 8/75-76—यतः, मुझे बी० वी० सुब्बारात्र, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक हैं और जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 53/2,55/2 एसी 18-60 सेन्टस है, जो वेमूलपिल्ल रामाचन्द्रापुरम तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गडपटा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कार्या है कि सम्हार्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य सकर जसके

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

ग्रतः अर्घ, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- चेक्रि राजगोपाल राज्
- चेकूरि सुब्बाराजु, सं० भ्र० वौधरी राज गोपाल राजू हारपूडि ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मालुकुरि वेंकटाचल सुभाषचंद्र आवजी सुपुत्र चिना सुब्बय्या, मंडपेटा ।

(ग्रन्तरिदी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मंडपेटा रिजस्ट्री श्रिधिकारी से 22-5-1975 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 857/75 में निगमित श्रनुसूची।

> बी० वी० सुख्याराव सक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 27-12-1975

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, काकीनाडा

काकी नाडा, दिनाक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० नं० 296/जे० नं० I (बीएसपी) 47/75-76--यत:, मुझे, बी० वी० सुब्ब।राव भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की <mark>धारा 269-ख के श्रधीन</mark> सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक श्रीर जिसकी सं० 18-2-27 श्रीर 27(1) राजा बाजार रोड है जो विजयनगरम मे स्थित है, जो (ग्रौर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में से वर्णित हैं'), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्सरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. श्रीमती गुडूरू सुसीला
- 2 गुडूरू बाबा भासकर राव
- 3. जपार्सत्यावधि
- 4. सारविसेट्टि सूर्यक्मारी
- गूड्र्रू नागर्माण।

(अन्तरक)

2 श्री पत्नि सांबसिवराव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रार्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

विजयनगरम रिजस्ट्री श्रधिकारो में पाक्षिक श्रंत 31-5-1975 में पंजीकृत दस्तावेज न० 2395/1975 से निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी॰ सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीखा : 29-12-1975

मोहर:

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 9 दिसम्बर 1976

निर्देश स० न० 276/जे० न० 48/के०न्नार०/75-76 **—** यतः, मुझे बी० वी० सुब्बाराव ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है श्रीर जिसकी स० 11-5-20, रंगनावारी गल्लीन्न विजयवाडा है जो मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ऋधीन 31-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर / या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी फिसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :— 1 श्री रमेशचन्द्र नानालाल देसाई रगन्नवारी गली दामीदर को मुख्य वाजार, विजयवाडा। (श्रन्तरक)

2 श्रीमती मानेपल्लि बाला सुन्दर हनुभत राव पि० शेषाद्री, गुलाबचद्र रोड, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक म्नत 31-5-1975 मे पजीकृत दस्तावेज न० 1696/75 में निगमित म्रनुसूची सम्पत्ति (।

> बी० वी० सुब्बराव सक्षम प्राधिकारी महायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्त्रजनरेज, काकिनाडा

तारी**ख**ः 29-12-1975 मोहर. प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा ४७9-घ (1) रिअयोन सूचना

भारत सरकार

सहायाः द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) सर्वालय, स्रजन रैज-I, काकीनाटा

काकिनाडा, दिनाक 10 दिसम्बर 1975

निर्देश स्० न 275/एमर्॰ई न० 51/75-76 ---यन मुझे बी० बी० सुब्बागव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममे इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से ग्रधिक है और जिसकी स० 16-21-37 पोत्तूरिवारी रोड पुराना टाऊन, गुन्टूर मे स्थित है (श्रीर दलसे उपावह प्रन्तूची म ग्रौर पूर्ण रूप से बाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के श्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन वार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात.——

- । সন্ত্ৰাভা गोपालकृष्णमूर्ती सुपुत्र ए० वी० रत्नाम
- 2 श्री अभाषगडा सीकाराम नजनो शर्मा सुपुत्रश्री गोपाल-अण्णामती
 - उ हिं । ० सूर्यप्राण राव

(१) अनाप्रमंशकातिकाराय श्रवस्था श्री राषाकाकुरणा-मतीं गट्टा

(भ्रन्तरका)

श्रीमती प्रदृष्री लिलिताम्ब पत्नी श्री प्रप्रटेख्य ।
 (श्रन्ति।)

को यह सूचना जारी करके प्वकित सम्पत्ति के अर्जन व लिए कार्यवाहिया णूक प्रक्ता हूं।

उधन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अविधि था तत्सवधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो ' उस्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृट्ट रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक द्यत 31-5-1975 में पजीकृत दस्तावेज न० 2044/1975 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० मुख्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रैंज, काकिनाडा

तारी**ख** 10-12-76 मोहर, प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

श्चर्जन रैज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देण म० 287/जे० नं० 11/डब्ल्यू० जी०/75-76---यत. , मुझे बी० वी० मुख्याराव

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से ग्रिधिक है और जिसकी सुक् 5-62-53 ग्रीर 54 है, रायप्रोलुवारी में रोड, भीमवरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 31 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखन व्यक्तियों श्रथीत — श्री पुच्चा बॅकट सुब्धाराय सर्मा ब्राजकोलित के पाठाः शाला के अपर्मभीमावरम

('ग्रन्तरक)

 श्री णेषाङी श्रीराम। मूर्ति मंडल श्रिधिकारी जीवन वीमा निगम, भीमवरम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 भूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-5-1975 में पजिक्रत दस्तायेज न० 943/75 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकिनाइा

तारीख 17-12-1976 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, जालधर

जालन्धर, दिनाम 14 जनवरी 1976

निदेण म० ए० पी०-1420—स्वत, मुझे, रवीन्द्र कुमार स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी स० जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत विलखन ० 1893, 2015 तथा 1949 मई, 1975 में है तथा जा 335, आजपत नगर, जालबर में रियत है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूर्च। में स्रोर जा पूर्ण रूप से विणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता स्रिधिवारी के नायित्व, जालध्य में र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन पई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण मे, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रधीत:— श्री सोहन लाल मुपुत श्री कर्म सिंह,
 निवासी 335, लाजपत नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- 2 श्री सुचा सिंह सुपृद्ध श्री कंसर सिंह, मार्फत श्री अमी चन्द 335, लाजपत नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3 जैसाकिन० 2मे है।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)

जो व्यक्तिसम्पत्तिसे रिच रसता हो।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजाद्व में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम, क श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मित्ति जैसा कि रिजिस्ट्री इति विलेख त ० 1893, 2015 तथा 1949 म $\frac{1}{2}$, 1975 को रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा ह ।

न्वीन्द्र कुमार गक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज, जालन्धर

गारोख 14 जनवरी 1976 मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd January 1976

No. F. 6/14/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri S. Ramachandran to officiate as Editor, Supreme Court Reports with effect from the forenoon of 2 January 1976, until further orders. He will be on probation for a period of one year in the first instance.

The 9th January 1976

No. F. 22/76-SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct in partial modification of this Registry's Notification No. F. 22/76-SCA(G) dated 11th November, 1975 that the Court and its Registry will be closed on Tuesday, the 13th January 1976 on account of "Muharram" instead of on Wednesday, the 14th January 1976.

By Order S. K. GUPIA Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th January 1976

No. P/1855-Admn.I.—Dr. Joseph P. John, who was earlier appointed as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission from 1-10-1975 to 30-11-1975 vide Union Public Service Commission Notification of even number dated 29th October, 1975 has been continued in the post of Under Secretary in this office with effect from 1-12-1975, until further orders.

P. N. MUKHERIEL
Under Secretary,
For Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SLCRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th January 1976

No. PF/>-202/70-AD.1.—In supersession of this office Notification of even number dated 28-J1-1975, Shri S. K. Sikdar, an officer of West Bengal Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties from CBI Calcutta Branch on the afternoon of 10th September, 1974, and his services placed at the disposal of the Government of West Bengal. He was directed to report for duty to the Govt. of Sikkim, vide Orders of Government of India contained in Department of Personnel and Administrative Reforms letter No. 217/3/74-AVD.II dated 29th July, 1974.

The 8th January 1976

No. A-20023/6/75-AD.V.—Dy. Inspector General of Police, SPE., CBI hereby appoints Shri Gopal Saran as Public Prosecutor, CBI., EOW., Bombay with effect from the forenoon of the 11th December, 1975 in a temporary capacity, until further orders.

The 9th January 1976

No. T-20/66-AD.V.—Shri T. Raghavan, Dy. S.P., C.B. I., relinquished charge of the office of Dy. S.P., CBJ., Madras Branch on the afternoon of 27-11-1975 on his retirement from Govt. service.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (L) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 12th January 1976

No. O II-5/72-Estt.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri S. A. Abbas, IPS (UP-1942) IGP S/I, CRPF, relinquished the charge of his office on the atternoon of 31st December, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th January 1976

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/2/74-RG (Ad. I) dated 16th August 1975, one President is pleased to extend the ad-hoc appointment of sirt R. Y. Revashetti as Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore for a further period of eight months with effect from 1 October 19/5 upto 31 May 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Revashetti will be at Bangalore.

No. 10/8/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office nontection No. 10/8/75-RG(Ad.I) dated 10 September 1975, the President is pleased to extend the re-employment of Shir R. C. Migain in the post of Assistant Registrar General (Language) for a further period of eight months with effect from the forenoon of 1 January 1976.

The headquarters of Shri R. C. Nigam will be at Calcutta,

The 12th January 1976

No. 25/23/74-RG(Ad.1).—Consequent on his transfer to the post of Assistant Director in the Central Statistical Organisation I.S. Wing, (Calcutta), Shri P. K. Saha, an officer of Grade IV of the Indian Statistical Service, will relinquish charge of the post of Research Officer in the office of the Registrar General, India on the afternoon of 9 January 1976.

No. 25/36/73-RG(Ad.1).—Shri V. H. Shah, an officer of the Gujarat State Civil Service, relinquished charge of the post of Deputy Director of Census Operations, Gujarat, Ammedabad with effect from the afternoon of 31 December 1975. The services of Shri Shah were replaced at the disposal of the Government of Gujarat with effect from the same date.

Shri A. W. Mahatme assumed charge of the post of Deputy Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad on transfer from the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay with effect from the afternoon of the 31 December 1975.

The headquarters of Shri Mahatme will be at Ahmedabad.

R. B. CHARI Registrar General, India & ex-officio Joint Secretary

New Delhi-110011, the 14th January 1976

No. 10/19/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint anti Chinectar Mal, Investigator in the office of the Registrar General, India as Research Officer in the same office on a purely temporary and ad hoc basis for a period of 6 (six) months with effect from the forenoon of 12th January 1976 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Chheetar Mal will be at New Delhi.

Deputy Registrar General, India & ex-officio Deputy Secretary

ackslash s.v.p. national police academy

Hyderabad-500252, the 6th January 1976

_=--

No CS/1-6-IV.—I. Consequent on his transfer to the Central Government Health Scheme, at Delhi, Dr. S. S. Saha, General Duty Officer (Grade-1) handed over charge, in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad on the afternoon of 31-12-75.

II. On his selection to the post of Staff Surgeon through the U.P.S.C., Dt. N. C. Bose, an Asstt. Medical Officer, South Central Railway, Hospital Sholapur assumed charge of the post in the specialists grade of the Central Health Scheme in the scale of pay of Rs. 1100—1800/- in the S.V P. National Police Academy, Hyderabad on the afternoon of 31st December, 1975.

MAHMOOD BIN MUHAMMAD Deputy Director (11g

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 2nd January 1976

F. No BNP/C/76/75.—Shri N. N. Aggarwal, Assistant Engineer (Elect.) in the Central Public Works Department

THE PROPERTY COLD. IN A SUPERIOR OF A SUPERIOR PROPERTY OF A SUPERIOR OF

is appointed on deputation as Assistant Engineer (Air conditioning) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) for a period of one year w.c.f. the forenoon of 23-12-75.

F. No. BNP/C/81/74.—The appointment on deputation of Shri N. M. Chhipa, Junioi Engineer in the Gujarat Electricity Board as Assistant Engineer (Flectrical) in the Bank Note Press, Dewas is continued on ad hoc basis w.e.f. 23-8-1975 to 1-10-75 (A.N.).

D. C. MUKHFRJEA General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 1st January 1976

PF. No. 7(35)/10314.—Further to this office notification Nos. 7(35)/14385 dated 17-3-75 & 7(35)/7963 dated 23/24 10-1975 Shri N. P. Singh, Foreman (Mechanical) is allowed to continue to officiate as Assistant Engineer (Mechanical) in the Security Paper mill, Hoshangabad in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—128—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis for a further period upto 29-2-1976.

R. VISWANATHAN General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 9th January 1976

No. 42-CA-1/75-75.—Addl. Deputy Compiteller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comm.) as Audit Officers (Comm.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Comm.) and post them as such in the offices in test against each in column 3, with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:—

| | Name of the So | ection | Offic | or (C | >mm.) | • | | Office where working before promotion. | Where posted after pre- motion as A.O. (Com- mercial) | Dute of pesting as effig. A.O. (Commercial). | |
|----|-------------------|--------|-------|-------|-----------|---|---|---|--|---|--|
| | S Shri | -4F 76 | | | <u> </u> | | - | | | —————————————————————————————————————— | |
| 1. | A. K. Mitra . | | | | | | | A G. (WB) Calcutta, | A G.W. Bengal | 10-10-75 (F.N.) | |
| 2. | S. V. Radhakiisht | o Mu | ithy | , | | | • | M.A.B. & L. O. DCA, Bangalore | M.A.B. & L.O. DCA, Bangalore | 20-10-75 (1.N.) | |
| 3. | H. S. Choudhary | - | ٠ | i | • | | | M.A.B. & F.O. DCA, New Delhi. | M.A.L. & E.O. DCA, Ranchi. | 30-10-75 (1.N.) | |
| 4. | A S. Gapta . | | ٠ | • | • | • | • | Do. | R.A.O. (IOC) Calcutta under M.A.B. & E.O. DCA, Dehradun. | 6-11-75 (A.N.) | |
| 5. | L. D. Arya . | | | • | | • | | A. G. Uttar Pradesh | A.G. Bihar, Patna. | 27-10-75 (A.N.) | |
| 6. | J. B. Mathur | | | | | | | On deputation with the O/o CAG of India, New Delhi. | | 27-10-75 (F.N.) | |

S. D. BHATTACHARYA, Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bhubaneswar-751001, the 29th December 1975

No. O.O.C. 1224—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders.

S/Sri

- 1. R. M. Choudhury-22-12-75 (Forenoon).
- 2. R. N Dash-24-12-75 (Forenoon).
- 3. R. K Ghosh-30-12-75 (Forenoon)

V. S. BHARDWAI St. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESII-I

Hyderabad-500004, the January 1976

No. F.B.J/8-312/74-76/441.—The Accountant General, Andhra Pradesh-J, has been pleased to promote Sri K S. Ramakrishnan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40–1000—EB—40—1200/- with effect from 31-12-75 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the clams of his seniors.

No. E.B.I/8-312/74-76/443.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri V. Rama Mohana Rao, a Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 31-12-75 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OPFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad, the 9th January 1976

No Fstt.(A)/GO/2(165)/3902.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri J. Harvey, permanent member of the subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the Office of the Additional Accountant General, Gujarat,, Rajkot with effect from the Forenoon of 26th December 1975 until further orders.

K. H. CHHAYA Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 6th January 1976

No. 18224/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri K. Jagannathan, Deputy Controller of Defence Accounts (Navy) will be transferred to Pension Establishment and accordingly struck off the strength of the Department with effect from 31-3-1976 (A.N.).

No. 71019(7)/75-AN-II.—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service

Commission in 1974, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Detence Accounts Service, with effect from the dates noted against them:—

Name and Date of appointment.

- 1. Km. Usha Grace, M .- 16-7-75 (F.N.).
- 2. Shri K. M. Shivakumar-21-7-75 (F.N.).
- 3 Shri Thomas A. Kallivayalil—16-7-75 (A.N.).
- 4 Snri Abhijit Basu-17-7-75 (F.N.).
- 5. Km. Radha S. Aiyar-16-7-75 (F.N.).
- 6. Shri Hari Santosh Kumar-16-7-75 (F.N.).
- 7. Km. Ganga Purkuti-31-7-75 (F.N.).
- 8. Shri Dheer Singh Meena-22-7-75 (F.N.).
- 9. Shri Yashwant S, Negi—16-7-75 (A.N.). 10. Shri Kaihau Vaiphei—16-7-75 (F.N.).

The 9th January 1976

No. 18334/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. C. Deshpande, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to Pension I-stablishment and struck off the strength of the Department w.c.f. 31-3-76 (A.N.).

S. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin).

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 16th December 1975

No. Admn. 12(16)Genl/75.—Shri K. R. Singh, a permanent Overseer of the Coal Mines Labour Welfare Organisation is appointed as Assistant Engineer on ad hoc basis w.e.f. 2-12-75 (F.N.) and posted under Executive Engineer, Welfare Works Division No. I, Dhanbad.

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner,
Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONFR

Bombay-20, the 3rd January 1976

No. CER/6/76.—In overeise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous struction of the Central Government, I hereby authorise the officers specified in column 2 of the Table below to exercise on my behalf within the area specified in the corresponding entry in column (3) thereto the powers of the Textile Commissioner under clause 25 of the said order.

TABLE

| Serial No. | Designation of Officers | Name of the State |
|-------------------------|---|-------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Director of Food and Civil Supplies. M.P. Bhopal | Madhya Pradosh |
| 2. | Stato Toxtile Commissioner Gauhati-3 | Assam |
| 3. (i) (ii) | Secretary to Government of Andhra Pradesh, Industries & Commerce Department, Hyderabad | Andhra Pradosh |
| 4. (i) (ii) (iii) | | Delhi |
| 5. (i) (ii) | Deputy Commissioner-Cum-Director Food & Supplies, Union Territory Chandigarh District Food and Supplies Officer Union Territory, Chandigarh | Chandigarh |

|) | | |
|---|--|---|
| (IV) (V) (VI) (VII) (VIII) | Supply Commissioner Deputy Secretary and Director of Civil Supplies Deputy Director of Civil Supplies Assistant Director of Civil Supplies Controller of Rationing, Bombay Deputy Controller of Rationing, Bembay Assistant Controller of Rationing, Bembay Divisional Commissioner Assistant Commissioner, Supply District Collector Deputy Collector Assistant Collector District Supply Officer Assistant District Supply officer Foodgrains Distribution Officer Assistant Foodgrains Distribution Officer | Food and Cvil supplies Department for cloth only. Maharashija |
| b (1) (11) | Director Handlooms, Powerlooms and Co-operative Textile Nagpur Joint Directors, Handlooms, Powerlooms and Co-operative Textile, Nagpur The Regional Deputy Directors, Handlooms, Powerlooms and cooperative Textile at Nagpur, Sholapur, and Bombay | Agriculture and Co- |
| 7. | Commissioner, Food & Civil Supplies (including Addl. Food Commissioner & Deputy Commissioner) Japur | 1 Rajesthan |
| 8. (1) (11) | The Collector-Cum-Development Commissioner—Kavaratti Registrar of Co-op. 3 pointies, Kavaratti | .] Union Territory of Lakshadweep |
| 9. (1) (11) (11) (1v) | Director, Supply & Transport, Mizoram, Aizawal Deputy Commissioner, Aizawal District, Aizawal Deputy Commissioner, Lunglei District, Lunglei Deputy Commissioner, Chhimtungui District, Saiha | Mizoram |
| 10. (i) (ii) (ui) (iv) (v) | Director, Food & Supplies, Joint Director, Food & Supplies Daputy Director, Food & Supplies District Magistrate District Food & Supplies Controller | The whole State of Haryana. Wthin their respective Jurisdiction. |
| 11. | Deputy Commissioner, Food & Supplies, Jammu/Srinagar | Jammu and Kashmu. |
| 12. (i) (ti) | Director of Textiles Assistant Director of Textiles | West Bengal |
| (IV) (V) (VI) (VII) (VIII) (ix) (X) | Dy. Commissioner, Ziro Dy. Commissioner, Along Dy. Commissioner, Tozu | Arun schal Pradesh. |
| 14. | Secretary to the Government of Nagaland, Supply Department and Ex-Officio State Textile Commissioner | Nagaland |
| 15 (i) | The District Magistrate & Collectors Tripura West/North/South Districts | . Throughout the State of Fripura. h Within their respective Jurisdiction. |
| 16. (i) | Commission r of Civil Supplies, Trivandrum Director of Civil Supplies, Trivandrum | For Cloth only, Kerala |
| 17. | The Director of Industries | Manipur'' |
| | | |

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 6th January 1976

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri R. K. Bose as Assistant Director (Technical), Crade-II in this office in a temporary capacity, on his selection by the Union Public Service Commission, with effect from 1st January, 1976 forenoon until further orders.

The 7th January 1976

No Jute(A)147/65.—On relinquishment of charge of the ad hoc officiating post of Assistant Director (Technical) Shri K K. Das reverts to his substantive post of Inspector (Technical) Grade-I with effect from 1st January. 1976 (FN.) vice Shri R. K. Bosc appointed as Assistant Director (Technical) in this office with effect from the same date on his selection for the post by the Union Public Service Commission.

N. K. ROY Administrative Officer, for Jule Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th December 1975

No. A-1/1(991).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Desai, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection, Rombay as an Assistant Director (Administration) (Gi. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles). Bombay with effect from the forenoon of 10th December, 1975 and until further orders.

No. A-1/1(1042).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Hoshiar Singh, Junior Process Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 9th December, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Hoshiar Singh as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the results of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 6th January 1976

No A-1/1(952).—On his reversion to the post of Supern tendent (Supervisory Level II) in the office of Director of Inspection, Bombay Shri B. Padman relinquished charge of the office of Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay on the forenoon of 22nd August, 1975.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 12th January 1976

No A-1/1(79)—The President is pleased to appoint Shri M Singh, Deputy Dir Sprvice) in the Direct posals, New Delhi to Director of Supplies (Grade T s) in the forenoon of 19th December, 1975 and union image orders.

K. L. KOHLI Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 6th January 1976

No. A-6/247(389)/62-IV.—The President has been pleased to appoint Shri G. Sivaraman, officiating Deputy Director of Inspection (Engg.) in Grade II of the Indian Inspection Service Class I, to officiate as Director of Inspection in Grade I of the Indian Inspection Service, Class I with effect from the forenoon of 23rd December, 1975 until further orders.

Shri Sivaraman on his reversion from Bharat Heavy Electricals 1 td. assumed charge of the post of Director of Inspection in the N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 23rd December, 1975.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 7th January 1976

No. 730/B/2181(OPS)/19B.—Shri O. P. Shatma, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1975, until further orders

No. 235/B/39/62/19B.—The President is pleased to appoint Shri H S. Sawani, Mechanical Engineer (Senior) of the Geological Survey of India on promotion as Superintending Mechanical Engineer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500—60—1800—100—2000 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th November, 1975 on reversion from M.E.C. Ltd., until further orders.

No. 721/B/2222(CS)/19A.—Shri Chandra Shekhar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th November, 1975, until further orders.

No. 712/B/2222(KR)/19A.—Shri K. Radhakrishnan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of R. 650—30—740—35—810—EB -35—880—40—1000—FB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1975, until further orders.

No. 209/B/2222(SKL)/19A.—Shri Suiit Kumar I ahiri. Senior Technical Assistant (Geology). Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th December, 1975, until further orders.

No 719/B/51/62/19A—Shri S. K. Mukherjee. Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-12-75, until further orders.

V. K. S. VARADAN Director General

INDIA BUREAU OF MINES Nagpur, the 2nd January 1976

No A19011(66)/70-Fstl.A.—In continuation of this department's notification of even number dated the 17th June. 1975, the President is pleased to extend the appointment of Shri P. V. Babu. Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines as Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis for a further period of 6 months with effect from 24th November, 1975 or till a nominee of the Departmental Promotion Committee joins the post which ever is earlier.

The 7th January 1976

No. A19011(20)/70-Estt,A,—Shri N. L. Chatterjee, Regional Controller of Mines, on his reversion back from the Bharat Aluminium Company Limited, has reported for duty in the Indian Bureau of Mines and has taken over charge of the post of Regional Controller of Mines with effect from the forenoon of 24th December, 1975.

The 14th January 1976

No. A19012(58)/73-Fstt.—Shri M. S. Murthy, Assistant Mining Geologist, on his reversion back from the Ministry of Steel and Mines, Department of Mines, has reported for duty in the Indian Bureau of Mines and has taken over charge of the post of Assistant Mining Geologist with effect from the forenoon of 8th January, 1976.

> A, K. RAGHAVACHARY Sr. Administrative Officer for Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 20th November 1975

No. F.20(A.4)3/61-A.1.—Consequent on the appointment of Dr. Dayal Dass substantively to the post of Compiler (Gazetteers) in the Department of Culture w.e.f. 23rd Fcb. 1974, the Director of Archives, Government of India terminates his lien on the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi, from the same date.

The 2nd December 1975

No. F.11-13/75-A.1.—Shri B. R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 1st December. 1975 and until further orders (vice Shri L. D. Ajmani, Administrative Officer on leave). This ad-hoe appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

The 8th January 1976

No. F.11-2/74-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C.. the Director of Archives, Govt. of India. hereby appoints, Shri Sukumar Sarkar, Lecturer in History, Women's College, Agartala, as Archivist (General) (Class II Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi, in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of the 22nd December 1975, until further orders.

The 9th January 1976

No. F.20(A-4)1/61-A.1—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Dev Raj Shastri, retired from Government service as Hindi Officer in the National Archives of India on the afternoon of the 31st December, 1975.

> S. N. PRASAD Director of Archives

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 6th January 1976

No F.92-109/75-Estt./227.—Smt. Namita Sen, Senior Librarian, Zoological Survey of India, is hereby appointed to officiate as Head Librarian (Gazetted Class II) in the same office on an ad-hoc basis for the period of six months, with effect from the 17th December, 1975 (forenoon).

> DR. S. KHERA Deputy Director-in-Charge Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO New Delhi, the 7th January 1976

All India No. 10/102/75-SIII.—The Director General Radio is pleased to accept the resignation of Shri Satya Pal, Assistant Engineer, All India Radio, Bhopal with effect from 27-12-75 (AN).

> HARJIT SINGH Deputy Director of Admn., for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (PUBLICATIONS DIVISION)

New Delhi, the 8th January 1976

No. A 12026/7/73-Admn-I.—The Director, Publications Division is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Executive to Officiate as Assistant Business Manager in this Division on ad-hoc basis with effect from the foremon of 11th November, 75 until further orders vice Shri S. N. Chanda, appointed as Business Manager.

SHARAN PAL SINGH Deputy Director (Admn.) for Director

SONG AND DRAMA DIVISION

New Delhi-110006, the 3rd January 1976

No. A-22013/1/75-Admn-I.—The Director, Song and Drama Division, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, is pleased to transfer Shri S. B. L. Srivastava, an officiating Assistant Director from Delhi to Imphal, with effect from the afternoon of the 3rd January, 1976.

> P. S. RAMA RAO Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th January 1976

No. 41-29/75-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Debasish Roy as Drugs Inspector in the East Zone Office of the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services at Calcutta in temporary capacity with effect from the forencon of the 10th December, 1975 and until further orders.

> S. S. GOTHOSKAR Drugs Controller (India) for Director General of Health Services

New Delhi, the 30th December 1975

No. 20/6(2)/75-CGHS I.—Consequent on acceptance of the resignation of Dr. A. K. Chattopadhyay, Junior Medical Officer (Ad hoc), he relinquished charge of his post on 30th October, 1975 (Afternoon).

> K. VENUGOPAL Deputy Director Administration for Director General of Health Services

New Delhi the 2nd January 1976

No. 20/1(36)/75-CGHS I.—Consequent on his reversion to his parent office from the Central Research Institute for Ayurveda (under Central Council for Research in Indian Medicine and Homoeopathy, New Delhi) Cheruthuruthy, Kerala State, Dr. R. J. Agnihotri assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under Central Govt. Halth Scheme Madras on the forenoon of the 10th October, 1975.

The 6th January 1976

No. 9-37/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Parveen Kumar Rehni, to the post of Homocopathic Physician in the Central Government Health Scheme under this Directorate, on a purely ad-hoc

basis, with effect from the forenoon of the 18th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL

Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi-11, the 16th December 1975

No. 1-19/75-CHS.II.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. S. P. Rusia relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 30th June, 1975.

R. N. TEWARI

Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 3rd January 1976

No. 1-43/69-Admn,-I.—The President is pleased to appoint Shri I. I. Radhakrishnan in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Professor of Sanitary Engineering at the All India Institute of Hygene and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of 9th November, 1967.

The 8th January 1976

No. 5-4/75-Admn.-1.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri C. Govindan in a substantive capacity to the permanent post of Junior Technical Officer, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy. Madras with effect from the 10th November, 1975.

No 17-6/74-Admn-I.—Dr. M. C. Swaminathan relinquished charge of the post of Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of 19th December, 1975.

S. P. JINDAL

Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF FXTENSION

New Delhi-110001, the 12th January 1976

No. F.6(5)/60-Estt.(1).—Shri O. P. Gupta will continue to officiate as Assistant Fduter (Hindi), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial), in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), on ad-hoc basis beyond 3-12-1975 upto 31-3-1976 or till the reversion of the regular incumbent, whichever is earlier.

N. K. DUTTA
Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

(HEAD OFFICE)

N.H.IV., Faridabad, the 7th January 1976

No. F 4-6(101)/75-A.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Shri K. Vellaichamy has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Dte. of Marketing and Inspection at Madras with effect from 4-12-1975 (F.N.) until further orders.

No. F.4-6(100)/75-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Rambhau Madhaorao Parate, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Chandigarh, with effect from 12 12-1975 (F.N.) until further orders

No. F.4-6(97)/75-A.I—On recommendations of the Union Public Service Commission. New Delhi, Shri Vikram Singh Pawar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspertion at Bangalore with effect from 22-11-1975 (F.N.) until further orders,

F. S. PARTHASARTHY Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (Personnel, Division)

Bombay-400085, the 12th December 1975

No. PA/81(140)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dattatiaya Manjanath Power, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 31st December 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R, C. sharma, officiating Storekeeper (presently officiating as Chief Storekeeper on ad hoc basis) in the receipt section of Kota Regional Stores Unit of this Directorate at Kota, as a tempotary Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—749—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate with effect from 7-7-1975 to 23-8-1975 vice Shri S. P. Anand, Assistant Stores Officer granted base.

K. P. JOSEPH

Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 1st December 1975

No. NFC/Adm/22/13(1)/1649—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shii Ch. V. S. S. N. Sarma, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for a period from 1-11-1975 to 30-11-1975.

The 8th January 1976

No. NFC/Adm/22/12/30,—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. Narsimha Chary, Assistant Accountant, as Asstt. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for a period from 7-1-1976 (AN) to 31-3-76 or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MHATRE Sr. Administrative Officer

RAIASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Anushakti-323303, the 14th January 1976

No. RAPP/04627/2/(292)/76/Admn/S/641.—On transfer to Heavy Water Project, Kota of the Bhabha Atomic Reseach Centre. Trombay, Bombay, Shri K. T. Jose relinquished charge of the temporary post of Assistant Personnel Officer in this Project on October 15, 1975 (F.N.).

GOPAL SINGH Administrative Officer (F)

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA MFTEOROI OGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3 the 15th January 1976

No. F(1)04321.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shii K. S. V. Rajagopalan, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 29-3-1976.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN

Meteorologist

for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 5th January 1976

No. A-19013/25/72-E.(H).—On attaining the age of superannuation, Shii J. S. Chowdhury relinquished charge of the office of the Director of Air Roules & Aerodromes (Planning) in the Civil Aviation Department, New Delhi, and retired from Government service on the afternoon of the 31st December, 1975.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th January, 1976

No. A-12034/4/76-FA: -The following officers retired from Govt, service on the 31st December, 1975 A.N. on attaining the age of superannuation:-

| Name | Designation | Station |
|-------------------------|---------------------------------|--------------------------------|
| 1. Shri H. I. S. Kanwar | Senior Acrodrome Office. | Delhi Airport, Palam. |
| 2. Shri A. S. Gill . | . Asstt. Aerodrome Officer. | Safdarjung Airpoit, New Delhi. |
| | | |

S. L. KHANDPUR, Assistant Director of Administration.

FORFST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehradun, the 14th January 1976

No. 16/115/67-Rdyd-1.—Consequent on joining duty by Shri Madan Mohan Singh, Assistant Mensuration Officer, Shri P. K. Bhattacharya, reverted to his original post of Research Assistant Grade I from the afternoon of 4-10-1973.

PREM KAPUR Registrar Forest Research Institute & Colleges

effect from 10-11-75 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

Appraiser (Machinery Expert) in this Custom House with

G. SANKARAN Collector of Customs

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 15th July 1975

No. 72/1975.—Shri R. P. Shahi, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (I.G. I) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhput, banded ever the charge of the office of this Superintendent (I.G. I), Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur in the afternoon of 30-6-1975 to Dr Dinesh Chandra, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 73/1975.—Shri Uma Shankar Agarwal, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, and appointed to officiate as Superintendent Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 146/1975 dated 6-6-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/19530, dated 7-6-1975, assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi on 28-6-1975 (forenoon).

No. 74/1975.—Shri Raj Kumar Sharma, officiating Administrative Officer of Central Excise, previously posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, handed over the charge of the office of the Administrative Officer of Central Excise, Integrated Divisional Office, Moradabad in the afternoon of 30-6-1975 to Shri H. C. Dewan, officiating Superintendent of Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and bour.

H. B. DASS Collector Central Excise, Allahabad

(CHEMICAL FSTARLISHMENT)

Madras-1, the 21st November 1975

No. 18/75-Estt --Sri Ganga Ram Dev, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit DIRECTORATE
INDIAN REVENUE SERVICE (DIRECT TAXES) STAFF
COLLEGE

Nagpur, the 11th December 1975

ORDER

No. Tig/GO/Fsit/75/3443.—Shri Vinaya Swaroop Shukla is hereby appointed purely on *ad-hoc* and temporary basis to officiate as Hindi Officer in the Scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—1:B—35—880—40—1000—40—1200 with effect from 6-12-1975 (Forenoon) and until further orders.

V. R. BAPAT Director 1.R.S. (D.T.) Staff College Nagpur

CLNIRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delht-110012, the 30th, December 1975

(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

No. 14/1975.—Shii K. G. Ramaswamy, Chemical Assistant Gr. 1, Custom House Laboratory, Cochin has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from the forenoon of 2nd December, 1975 and until further order.

No 15/1975.—Shri H. N. Bhowmick, Chemical Assistant On. I, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of 19th December, 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 12th January 1976

No. A-19012/545/75-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Raj Kishore Prasad, to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Telecommunication) at the Central Water and Power Research

Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of the 16th December, 1975.

Shri Raj Kishore Prasad will be on probation for a period of two years and with effect from the same date and time viz. 16-12-75 (forenoon).

K. P. B. MENON Under Secretary for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H.IV., Faridabad, the 8th January 1976

No. 3-405/75_CH(Estt).—Shri Abdul Mabood Khan is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Centual Ground Water Board with his headquarter at Gauhati w.e.f. 18-12-75 (FN) till further orders.

No. 6-95/73-CH(Estt.).—Shri G. D. Ojha is hereby appointed to the post of Junior Hydrogeologist, GCS Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Coimbatore w.c.f. 25-11-75 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the

September 1975

No. 27-L/G(47)/72-ECII.—Sh. D. L. Gupta, E.E. (Val) Central Board of Direct Taxes, Income Tax Department, New Delhi, retired from Govt service with effect from 30-6-75 A.N. on attaining the age of superannuation.

The 5th September 1975

No. 27-E/A(5)/69-EC.II.—Shri R. K. Aggarwal, S.W. previously attached to the office of the S.S.Ws (E.Z) CPWD, Calcutta, retired from Govi. service w.e.f. 1-7-75 F.N. under clause (J) of Rule 56 of the Fundamental Rules.

The 24th October 1975

No. 5/2/75-ECI.—In continuation of this office Notification of even number dated 7th June, 1975 the President is pleased to allow the following Assistant Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate as Executive Engineers (Civil & Elect.) in CES Class I and CEFS Class I on purely ad-hoc and provisional basis upto 31-12-75 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

CEES Class 1

S/Shri

- 1. Y. P. D. Kapoor
- 2. C. R. Roy
- 3. K. C. Puni
- 4. K. L. Dhamija
- 5. S. K. Chawla
- 6. D. K. Kapoor
- 7. D. P. Bhardwaj
- 8. C. Nagraj
- 9. T. S. Chhabra

CES Class I

1. Shri P. C. Sharma

The 25th October 1975

No. 5/3/73-ECI(Vol.II).—The President is pleased to allow the following Asstt. Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate as Executive Engineer (Civil & Electrical) in CES Class I and CEES Class I on purely ad-hoc basis upto 31-12.75 (or dates mentioned against their names) or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

CES Class I

S/Shri

- 1. D. D. Malik
- 2. B. P. Gupta
- 3. Khem Chand Gerimal
- 4. R. D. Mistry
- 5. V. V. Venkatachari
- 6. P. C. Mathur
- 7. M. B. Shivadasani
- 8. S. G. Chakravarty
- 9. Kamta Prasad
- 10, B, R, Mabajan
- 11. S. C. Goel-II
- 12, S. K. Lahiri
- 13. Y. P. Wadhera
- 14. Baldev Suri
- 15. K. T. Balasubramanian
- 16. Jaswant Singh
- 17. L. P. Mukherjee
- 18. B. M. Ghosh
- 19. R. K. Barkataki
- 20. C. R. Dey
- 21. K. K. Gupta
- 22. P. K. Bose
- Radhey Lal-I
 P. R. Garg
- 25. S. M. Airon
- 26. B. G. Choudhury
- 27. V. K. Krishnani
- 28. S. P. Arora
- 29. Bhagwan Das-I
- 30. O. P. Sharma-II
- 31. D. C. Goel-II
- 32. D. K. Bhowmick
- 33. G. S. Murthy
- 34. H. K. Sachdeva
- 35. S. N. Dandona
- 36. B. N. Gupta
- 37. R. R. Singh
- 38. B. D. Goyal
- 39. P. P. Goyal
- 40. Gurmej Singh
- 41, B. G. Palsikar
- 42. C. S. Karnanev
- 43. H. L. Khazanchi

CEES Class I

S/\$hri

- 1, N. C. Dutta Gupta
- 2. P. C. Ghosh
- 3. R. N. Ganguly
- 4. D. R. Khanna
- 5. Viswanath Singh
- 6. A. K. Dutta
- 7. P. A. Chawla
- 8. E. K. Viswanathan
- 9. J. Chakravarty
- 10. B. K. Sood

The 31st October 1975

No. 27-E/J(7)/69-EC1I.—Shri O. P. Jain, Executive Engineer, Central P.W.D. (under suspension) and attached to the Office of Suptdg Surveyor of Works (New Delhi Zone), Central P.W.D., New Delhi, retired from Government Service with effect from 31-10-1975 A.N. on attaining the age of superannuation.

The 1st November 1975

No. 27-E/G(46)/74-EC11.—Shi B. P. Goyal, Executive Engineer, Central P.W.D. and previously attached to the Vigilance Unit. Central P.W.D. New Delhi retired from Govt. service with effect from 31-10-1975 A.N. on attaining the age of superannuation. Shri Goyal proceeded on L.P.R. for 60 days with effect from 2-9-75 to 31-10-75.

P. S. PARWANI

Dy. Director of Admn.

NORTHERN RAILWAY

Headquarters Office

New Delhi, the 1st October 1975

No. 12—The following doctors of this Railway are confirmed as Assistant Medical Officers Class II on this Railway from the dates shown against each:—

| S. No. | Name of doct | or | · · · · · · | | <u></u> | | | Whother confirmed provisionally or finally. |
|-----------|-----------------------|----|-------------|---|-------------|------|------------|---|
| 1. I | Dr. N. G. Chakravarty | | • | | | • | 1-1-66 | Finally |
| 2. | Dr. (Mrs.) S. Malik . | | | , | | | 1-1-66 | Provisionally |
| | | - | | | | | · | |

V. P. SAWHNEY for General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION) OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL FNGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore, the 12th January 1976

No. P.3/1.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Jagir Singh who was appointed to officiate as Assistant Engineer on ad hoc basis w.c.f. 14-3-73 to 30-11-75, is promoted to the said post of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650-30—740-35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation on regular basis w.c.f. the forenoon of 1-12-1975 and is kept on probation for a period of two years effective from the same date.

N. SATHYAMURTHY
Operational Engineer

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-6, the 30th December 1975

No. 3567/Liqn/S.560/75.—Whereas Venus Chit Fund Private Limited (In Liquidation) having its registered office at 21, Perumal Koil Garden Street, Sowcarpet, Madras-1 is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 500 of the Companies Act, 1956, notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Venus Chit Fund Private Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be

P. ANNAPURNA Addl. Registrar of Companies

Madras

Ahmedabad, the 3rd January 1976
In the matter of the Componles Act, 1956, and of

M/s Pankaj Trade Enterprises Private Limited

No. 1768/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Pankaj Trade Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Ahmedabad, the 9th January 1976

In that matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dedun Union Transport Company Private Limited

No. 674/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Dedun Union Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Ahmedabad, the 9th January 1976

In the matter of the Compenies Act, 1956, and of

M/s. Sea Weeds Extraction Private Limited

No. 2587/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sea Weeds Extraction Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Gujarat
Registral of Companies

Cuttack, the 9th January, 1976 DESTRUCTION OF RECORDS

No. JRQ. 11/76-2809:—Notice hereby given that the Records and correspondences of the under noted companies on the date specified against each pursuant to the provisions and rules of the companies Act., then in force will be destroyed after 3 (three) months from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

| Sl. No. | Name of the company | | w | Act under hich regd. | Date of Registration | Date of struck off | No. of the company | |
|------------|---|--|------|----------------------|-------------------------|-----------------------|--------------------|--|
| 1. | The Sunrise chemical and pharmaceutical wor | | 1913 | 4-7-47 | 2-8-54 | 104 | | |
| 2. | Utkal chemical and Industries Ltd | | | 1913 | 12-9-50 | 2-8-54 | 208 | |
| 3. | Prachi Farms Ltd | | | 1913 | 22-8-51 | 26-10-54 | 237 | |
| 4. | Kalahandi Development Syndicate Ltd. | | | 1913 | 9-6-52 | 13-12-54 | 302 | |

S. N. GUHA, Registrar of Companies, Orissa.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1420.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Lajpat Nagar Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sohan Lal s/o Karam Singh r/o 335, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Sucha Singh s/o Kesar Singh c/o Sh. Amin Chand, 335, Jajpat Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person in occupation of the property]

 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 1893, 2015 and 1949 of May 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

FORM ITNS----

(1) Shri Sohan Lal s/o Karam Singh r/o 335, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1421.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per Schedule situated at

Lajpat Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(2) Sh. Sucha Singh s/o Kesar Singh c/o Sh. Amin Chand, Kothi No. 335-Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 1893, 1949 and No. 2015 of May 1975 of S.R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

Soal :

 Shrimati Charan Kaur w/o Swaran Singh, S/o Jamadar Pratap Singh, Link Road, Model Town, Jullundur City.

(2) Shri Krishan Dev Shori s/o Tirath Ram Shori

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

r/o House No. N. L. 230, Mohalla Mehendru, Jullundur City.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property,
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Jullundur, the 14th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP 1422.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1025 of May, 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

and bearing No. Plots situated at Abohar situated at Link Road, M. Town, Jullundur (and more fully described in the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Jullundur in May, 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Link Road, Model Town, Jullundur City. Land as registered in the office of the Sub-Registrar, Jullundur vide Deed No. 1025 dated May, 1975.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

17—446GI/75

RAVINDER KUMAR Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Dato: 14-1-1976

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1423.-Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1144 of May, 1975 situated at V. Badala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Jullundur in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:-

- (1) I Shri Ghanshyam Dass of Subash Gate, Karnal
 - G.A. to.
 2. Sh. Kartar Singh s/o Sh. Kirpal Singh,
 3. Adesh Kaur d/o Kartar Singh, Karnal.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Avtar Singh, s/o Kartar Singh, r/o Kachima Tch. Nawansharh.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned to be interested in the property]. knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land situated within the Had-Bast of V. Badala, as mentioned in the Registration Deed No. 1144 of May, 1975 of the office of Sub-Registrar, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1424.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bacing No. 1101 of May, 1975 situated at V. Badala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jullundur May, 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ghanshyam Dass Mehta 5/0 Mehta Basana Ram, GA to Kartar Singh 5/0 Kurpal Singh & Smt. Manjinder Kaur d/0 Sh. Kartar Singh, Inside Subash Road, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh s/o Kartar Singh, r/o Kahima, Teh. Nawanshahar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned know, to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated within the Had-Bast of V. Badala as registered in the office of Sub-Registrar, Jullundur vide Deed No. 1101 of May, 1975.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

FORM ITNS——

(1) Shii Ghansyam Dass Mehta s/o Vasna Rani Mehta GA to Kartai Singh s/o Kirpal Singh

2 Adesh Kaur d/o Kartar Singh, Inside Subash Road, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr No 2 above [Person in occupation of the property]

(2) Shri Kaitar Singh R O Kahima, Teh Jullundui

(4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGL, JULLUNDUR

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Jullundur, the 14th January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explies later;

Ref No AP 1425—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and baring No 1102 of May, 1975 situated at V Badala

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Jullundur May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

THE SCHEDULE

I and situated within the Had Bast of V Badala as registered under the Registration Deed No 1102 of May, 1975 in the office of Sub-Registrar, Jullundur

in respect of any income arising from the transfer, and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the 'Said Act',

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957),

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Juliundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Sud Act' to the following persons, namely .—

Date 14 1-1976 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1426.—Whereas, I, RAVINDR KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1232 of May 1975 situated at Bz. Sheikhan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jullundur May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjan Singh S/o Sh. Bhola Singh, Jullundur,

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Lal s/o Jeewan Dass, 118, Shakti Nagar, Jullundur

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Bazai Sheikhan, Jullundur City as registered in Registration Deed No 1232 of May, 1975 in the office of Sub-Registrai, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 14-1-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1427.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1391 of May, 1975 situated at Basti Danishmandhan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at

S.R. Jullundur May, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath s/o Kirpa Ram G. A. to Durga Devi (wife)
r/o Basti Bawa Khel,
Jullundur City.

(Transferor)

(2) The Rekha Lands P. Ltd. Jullundur through G.A. Sh. Krishan Kumar, Managing Director.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as registered in the Registration Deed No. 1391 of May, 1975 in the Office of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP 1428.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 1392 of May, 1975 situated at Basti Danishmandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R. Jullundur in May, 1975 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath s/o Kirpa Ram r/o Basti Kawa Khel Jullundur City.

(Transferor)

(2) M/s Rekha Lands P. Ltd. through Krishan Kumar s/o Daulat Ram, Managing Director.

(Transferee)

- (3) As per Sr, No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Basti Danishmandan, Jullundur as registered in the Registration Deed No. 1392 of May, 1975 in the office of Sub-Registrar, Jullundur City.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1976

FORM TINS-

(1) Shri Chatta S/o Girdhari Mali, R/o Bada Bazar, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramprasad S/o Dayaram (Khati), R/o Village Rajoda, Teh. & Distt, Dewas. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1976

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act.

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

agricultural Jand

situated at Village Rajoda, Teh. & Distt. Dewas

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dewas on 9-4-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Rajoda, Teh. & Distt. Dewas.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-76

(1) Smt. Lilabai W/o Shri Ramchandra Rishi. 6/2 South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Danpatrai S/o Shri Sukhdayalji, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

plot situated at Anoopnagar, Indore area 19796 sq. ft

situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore on 24-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

18—446GJ/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Anoopnagar, Indore Area: 19796 sq. ft.

> V. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-76

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 20th January 1976

IAC/ACQ/BPL/75-76 —Whereas, I, V. K. Ref. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

agricultural land within Municipal limit of 2 65 acres

situated at Indoic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 30-4-75

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :-

- (1) Shii Ramchand Keshaodas Bhalla, 44 Sikh Mohalla, Indore now at Bombay; Bombay address C/o M/s Keshaodas Hassanand, Glass Merchant, 256 Yusuf Heharally Road, Bombay. (Transferor)
- Shri Sadhuram S/o Pokhardas Thorani,
 Shri Keshaodas S/o Pokhardas Thorani,
 Shri Mohanlal S/o Tahalramji Katariya,
 Smt. Uttamibai W/o Sachhanandji,

Smt. Utlamibai w/o occ.
 Shri Vasudeo Pherumalji,
 Shri Kishandas C/o Newandiamji,
 Shi Hajarilal S/o Mishrilal,
 all resident of Palshikar Colony, Indore.
 (Trans

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested said in the immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land within Municipal limit of Indore Area, 265 acres.

> V. K. SINHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-1-76

Seal

(1) Shij Kashmir Singh and Others

(Transferor)

(2) Smt. Charan Kaur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th January 1976

Ref. No. 21-C/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhai Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Village Simrauli Tehsil Bisalpur Distt. Pilibhit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bisalpur on 1-9-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Samrauli Tehsil Bisalput Distt, Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-1-1976

(1) Shri Jagannath Prasad Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 2-YE/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-7/131A situated at Mohalla Senpura, Varanasi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Varanasi on 10-7-1975

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely.—

(2) Smt. Yashoda Devi

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A house property No. C-7/131A alongwith six shops situated at Mohalla Sonpura District Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisiton Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

(1) Shri Shyam Sunder Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Rcf. No. 105-S/ACQUISITION.--Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mohalla Behari Pur Barcilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 18-7-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, name^ty—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated at Mohalla Behari Pur, District Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisiton Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

(1) Shri Ram Mohan and Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Narain Sehgal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 77-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CK 14/51 situated at Nandan Sahu Lane, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Varanasi on 2-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A four storeyed house No. CK 14/51 measuring 1200 sqr. fts. sltuated in Nandan Sahu Lane, District Varanasi,

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisiton Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

Scal:

(1) Shri Inder Prasad Alias Bishambhar Nath and Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devi Bai

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 23-D/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Sec-

tion 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 281/117 situated at Mawalya, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 26-6-1975/30-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

A house property No. 281/117 situated at Mawarye Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

FORM ITNS----

(1) Rama Devi Ojha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 18-U/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 545/635 situated at Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow, on 8-7-1975

for an apparent consideration,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house No. 545/635 situated at Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

(1) Shri Raj Narain Chaddha Alias Raj Kumar Chaddha (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uma Devi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 19-U/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129 situated at Meer-ganj, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 30-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house No. 129, situated at Meer-ganj Allahabad.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow,

Date: 19-1-1976

(1) The Sanyasi Sanskrit College Association (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Basudeo Lal Jaipuria Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 58-B/ACQUISITION.---Whereas, I. Bishambhat Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-10/54 situated at Mohalla Sakshi Vinayak, Varanasi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Varanasi on 11-8-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Weath-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house bearing No. D-10/54 situated in Mohalia Sakshi Vinayak Dist. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1976

Scal:

(1) The Sanyasi Sanskrit College Association (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 44-P/ACQUISITION.---Whereas, I, Bishambhai Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-10/54 situated at Mohalla Sakshi Vinayak Varanası, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valanasi on 11-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house No. D-10/54 situated in Mohalla Sakshi Vjnayak Distt, Lucknow.

BISH AMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 19-1-1976

(1) Shri Brij Nandan Kansal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Mehendra Kumar Jain & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 76-M/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-17, situated at Mahanagar Extension, G-Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. B-17, measuring 10980 sqr. fts, situated in Mahanagar Extension G-Road, Lucknow,

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976.

(1) Smt. Geeta Mukheriee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hira Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 22nd January 1976

Ref. No. 20-H/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-15/25 situated at Faridpur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 25-7-1975

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Staid Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the : Said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. B-15/25, measuring about 1000 sqr. fts. situated in Faridpur. Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 22nd January 1976

(1) Shri Mool Chand

(Transferor)

(2) Shri Sakir Hasan

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No 107-S/ACQUISITION -- Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 314. situated at Vill, Patarsiya Distt Pilibhit (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bisalpur (Distt Pilibhit) on 4-7-1975

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land No 314 measuring 10-80 Dc. situated in Village, Patarsiya, District Pilibhit.

> BISHAMBHAR NATH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date 19-1-1976 Seal:

(1) Shri Mool Chand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sabir Hasan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 106-S/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 314 situated at Vill. Patarsiya Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bisalpur (Distt, Pilibhit) on 4-7-1975 for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land No. 314, measuring 10—80 Dc. situated in Village Patarsiya, District Pilihbit.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

Scal:

(T) Sont. Zalnah Begum

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ram Kishan and Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 79-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2942/8 Etc. situated at Natkur, Pargana Bijnore, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-7-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 2942/8, 2950/2, 2956/3, 2956/5, 2956/7, 3275/2, and 3275/3 measuring 16 Bigha 3 Biswa, situated in Natkut, Pargana Bijnote, District Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-4-1976

Soal:

(1) Ram Adhar Singh and Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Surath Singh and Others

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 78-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 525-Kha Fyc. situated at Village Shivpur-kapur-dear Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 15-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

20-446GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2-40 Decimal situated Village Shivpur-kapur-dear Pargana Doaba District Ballia.

BISHAMBHAR NATH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

Segl:

FORM ITNS----

(1) Shri Ram Adhar Sjngh and Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bajj Nath Singh and Others

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 57-B/ACQUISITION.—Whereas, I. Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 525/Kha/Etc. situated at Village Shivpur-kapur-dear (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 15-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural (and measuring 2-30 Decimal situated at Shivpur-kapur-dear Pargana Doaba, District Ballin,

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PAINA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-134/Acq. 175-76/1902.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 161 (new), M. Plot No. 667 situated at Bhawar Pokhar, Patna Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

 Shrimati Phul Kumari Devi w/o Late Babu Baijnath Prasad Singh Urf Nunu Babu Mahalla-kadamkuan, Congress Nagar, Patna-3.

(Transferor)

(2) Shri Kauleshar Singh S/o Late Ratpari Singh, At Kajm Bigha P.O. Sigariyawan, Dist. Patna. At Present At-Kadamkuan Congress Nagar, Patna-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Bhawar Pokhar, P.S. Kadamkuan, Patna, Cr. No. 14, W. No. 6, H. No. 159 (old), 161 (New), M. Plot No. 667 as described in deed No. 6821 dated 29-6-75,

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 22-1-1976.

Scal:

(1) Shri Parmanand Singh jha S/o Late Dinanand Singh jha of Katihar (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balmukand Dokama S/o Late Minaram Dokama of Sonaili PS—Kadwa Dt. Katihar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Patna, the 22nd January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref No III-135/Acq/75-76/1903,—Whereas, I, A K SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

H No 38, K No 212 situated at Mirchai, Katthar, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katihar on 23-6-75,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHFDULE

Vland 1k 5 Dhur with building at Mirchai, P S Katihar, H No 38 W No 13, Khata No 212, Plot No 628, 629 as described in deed No 12136 dated 23-6-75

(a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the put poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

A K SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date 22-1-1976 Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-136/Acq./75-76/1904.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12603 (Part) situated at Jhapahan tole Jahagirpur, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 6-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act'. to the following persons namely:—

(1) Ram Ekwal Singh S/o Sri Ram Nandan Singh, At P.O. Moisand, Dt. Sitamarhi.

(Transferor)

(2) Shri Anunaya Kumar S/O Dr. Ramanuj Singh and Sii Saurabh Singh S/O Sri Banaya Kumar At P.O. Dhobgama, Dt. Samastipur, At Present:—
Domuchak, Town Muzaffarpur.

(Transferee)

(3) The Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 13 Bigha 10 Dhur at Jhapahan tole Jahagirpur P.S. Sodar Muzaffarpur, K. No. 1572, Plot No. 12603 (part) as described in deed No. 8725 dated 6-6-75.

A. K. SINHA, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar. Patna

Date · 22-1-1976.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL, ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-137/Acq./75-76/1905.—Whereas, J. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 13(old) 40 (New) situated at Nayabazar, Bhagalpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 6-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Sarat Shobha Mitra, W o Late Dr. Khirind Kumar Mitra, Nayabazar P.S. Kotwali Bhagalpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Kanak Late Mitra W/o Sri Vijay Kumar Mitra At Sujaganj, Bhagalpur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3k. 10 Dhur at Nayabazar, Bhagalpur W. No. 5 (old) 8 (new), H. No. 13 (old) 40 (new) as described in deed dated 6-6-1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bihar, Patna

Date · 22-1-1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-138/Acq./75-76/1906.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bibar, Patna.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 537 M.H. No. 369 situated at Makatpur Giridih, (and more fully described in the Schedule annex-

ed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Sumati Bala Bose W/o Late Ashok Kumar Bose, of 65 Thakur Pukur Road, Rangnathpur Colony, Calcutta-63.

(Transferor)

(1) S/Shri Sashi Kumar Modi, Shri Sunil Kumar Modi (minor) and Sanjay Kumar Modi (minor) All sons of Sri Shail Kumar Modi of Station Road, Giridih.

(Transferce)

(3) The Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land more or less 16 k. 8ch. with house, outhouses, trees. Plants, compound walls etc. being part of Plot No. 537 and M. H. No. 369 in W. No. 1 situated at Makatpur, Giridih as described in sale deed dated 27-6-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 22-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-139/Acq./75-76/1907.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 537, M. H. No. 369 situated at Makatpur, Giridih,

Plot No. 537, M. H. No. 369 situated at Makatpur, Giridih, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated.

in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sujata Roy W/o Late Dr. S. N. Roy of E-3. Kailash Colony, New Delhi-48, Maitreyee Bose W/o Late Dr. S. K. Bose of 65 Thakur Pukur Road, Rangnathpur Colony, Calkutta-63, and Sri Somendra Bhusan Bose S/o Late A. K. Bose of Chhota gagulia, P. S. Barasat, D. 24 Parganas.

(Transferor)

(2) S/Shri Sashi Kumar Modi, Sunil Kumar Modi (minor) and Sanjay Kumar Modi (minor). All sons of Sri Shail Kumar Modi, of Station Road, Giridih.

(Transferee)

(3) The Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land area 20K. 6ch. with Pucca well, walls, structures, trees etc. at Makatpur, Giridih, being the part of Plot No. 537, M. H. No. 369 in W. No. I as described in sale deed dated 27-6-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 22-1-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAI. ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-140/Acq./75-76/1908.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihai, Patna,

being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

H. No. 134/142, W. No. 8 situated at Durgapur, Katihar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katihar on 2-6-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

21—446GI/75

 Shri J. N. Prasad Mitra S/o Late N. K. Mitra and Smt. A Rani Mitra W/o Sri J. N. Prasad Mitra, At Amla Tola Katihar, P. O. Dist. Katihar.

(Transferor)

(2) S/Shii N. K. Jain, K. K. Jain, Y. K. Jain and A. K. Jain (minor) All sons of Sri Kauti Lal Jain, At Amla Tola Katihar, P. O. Dist, Katihar.

(Transferee)

(3) Shri J. N. Prasad Mitra. (Person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 4k. 16 Dhur at Durgapur, Katihar, W. No. 8, H. No. 134/142, K. No. 49/Ka, Plot No. 49/50/m. as described in sale deed No. 11083 dated 2-6-75

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 22-1-1976.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 22nd January 1976

Ref. No. III-141/Acq./75-76/1909.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 3633, Cr. No. 6, situated at Patna town, (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 14-6-75,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Triguni Devi of 134/4 Mahatma Gandhi Road, Calcutta (Transferor)
- (2) Shrimati Hiramani Devi and Smt. Prabha Devi of Jagat Narain Rood, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

(3) The Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land area 1k. 4 Dhur in Patna town, P.S. Kotwali, H. No. 3633, Cr. No. 6, W. No. 2, S. Plot No. 877 as described in deed No. J 3499 dated 14-6-75.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date · 22-1-1976,

__ ___ FORM ITNS

Singh, (1) Smt. Man Mohini Mali W/o S. Hargopal R/o 7/188-A (13 and 14) Swaroop Nagar, Kanpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messers Prabhat Chit Fund Finance Co. (P) Ltd. 108/61, P. Road, Kanpur, Through Managing Director Bhisham Lal Lala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1970

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Ref. No. 767/Acq /Kanput /75-76/2395.--Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per schedule situated at As per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ OΓ

Immovable property No. 7/188-A (13 and 14), situated at Swaroop Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 1,80,000/-.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:-

Date: 15-1-1976.

Scal 2

(1) The Development Tiust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agia, Through its Directors, Sri Satish Chandra Crupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
7/43-8, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1976

Ref. No. 316/Acq./Agra/75-76/2399.—hereas, J. VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule situated at (As per schedule)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) Mekenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning a₂ given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 68 Eastern portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13050/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 6-1-1976.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th January 1976

Ref. No. 871/Acq./Kanpur/75-76/2396.---Whereas, 1, VJJAY BHARGAVA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-8-1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Shii Sayed Murtuza Alias Ali Jafar S/o Qasim Abbas R/o Godam Town, Shamshabad, District Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Uberoi S/o Late I. S. Uberoi, R/o 7/202-A, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of portion of plot No. 96 of Bungalow No. 7/260, situated at Swaroop Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,43,261-58.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range. Kanpur

Date: 15-1-1976.

(1) M18. Jakshini Hirday Narain "KAILASH", Ole Kunpur Road, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Dr. Onkar Krishna, As Karta of H.U.F. L-13, Medical College compound, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpul, the 15th January 1976

Ref. No. 945/Acq./Kanpur/75-76/2397.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and baring No.
No. As per schedule situated at As per schedule,
(and more fully described in the Schedule annexed thereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur on 31-10-1975,

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 4-B, outside the Bungalow 'KAII ASH', situated at Parwati Bagla Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 15-1-1976.

Scal.

_ ==

FORM ITNS-

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road,
Agra. Through its Directors, Sri Satish Chandra
Gupta and Suresh Chandra Gupta.
(Transferor)

(2) Mcken/ies Itd., Acharva Donde Maig Sewri, Bombay Through its Attorney, Sri S. N. Jain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
7/43-B. TH AK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Rel. No. 317/Acq /Agra /75-76/2400.--Whereas, I, VIJAY BHAPGAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (As per schedule) situated at (As per schedule)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration wh

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned.—

Objections, it any, to the acquisition of the said property

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 68 Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agia, transferred for an apparent consideration of Rs. 13050/-

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 6-1-1976

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 318/Acq. /Agra/75-76/2401.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule/ situated at (As per schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumens of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely:—

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

(2) Mekenzies I td., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, I brough its A! orney, Sri S. N. Jain, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consiting of plot No. 69 Eastern portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 12,900/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 319/Acq./Agra/75-76/2402,-Whereas, J. VJJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No As per schedule/situated at (As per schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

22-446GI/75

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

Mmg, Sewri. (2) Mekenzies Ltd., Acharya Donde N. Jain. Bombay, Through its Attorney, Sri S. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consiting of plot No. 69 Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 12,900/-.

> VIJAY BHARGAVA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

Scal ·

(1) The Development I rust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Gupta and Suresh Chandra Gupta. Sri Satish Chandra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mckenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sev Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain, Sewri, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Kanpur, the 6th January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 320/Acq /Agra/75-76/2403.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

> EXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having-a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No As per schedule/situated at As per schedule). (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Aera on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No 77 Eastern portion, situated at Gandhi Nugar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 1957).

VIJAY BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :-

Date · 6-1-1976. Seal .

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B. TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 321/Acq./Agia/75-76/2404.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule/situated at As per schedule).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Offic of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment, of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Mekenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 75 Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 322/Acq./Agra/75-76/2405.--Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at (As per schedule)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

(2) Mekenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 75 Eastern portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

Scal :

_____ ~

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref No. 324/Acq./Agra/75-76/2406.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereInafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding $R_{\rm S}$ 25,000/- and bearing

No. As per schedule/situated at As per schedule).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(!) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M G. Road, Agra, Through its Directors, Sii Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

(2) Mekenzies I.td., Acharya Donde Marg, Sewii, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 76 Eastern portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 6-1-1976. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 325/Acq./Agta/75-76/2407.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market—value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (As per schedule) situated at (As per schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Agra on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta,

(Transferor)

(2) Mckenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 76 Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,750/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

1299

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 327/Acq./Agra/75-76/2409.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. (As per schedule) situated at (As per schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated it, the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

(2) Mekenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 72 Eastern portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,888,50.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

THE GAZETTE OF INDIA, FEBRUARY 7, 1976 (MAGHA 18, 1897)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 7/43-B, TILAK NAGAR, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1976

Ref. No. 326/Acq./Agia/75-76/2408—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (As per schedule) situated at (As per schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) The Development Trust (Pvt.) Ltd., 6, M.G. Road, Agra, Through its Directors, Sri Satish Chandra Gupta and Suresh Chandra Gupta.

(Transferor)

(2) Mckenzies Ltd., Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay, Through its Attorney, Sri S. N. Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 72 Western portion, situated at Gandhi Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,888.50.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1976.

Scal:

FORM ITNS----

Shri Kailash Chand Gupta S/o Rameshwar Dayal Gupta R/o 36/264, Nehru Nagar, Agra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kumar Gupta (Minor) S/o Sri Amar-R/o 79, Amarchand Gupta, chand Gupta U/g North Vijai Nagar Colony Agra. (Transferec)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Kanpur, the 8th January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

810/Acq./Agra/75-76/2411.—Whereas, Nol. T,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 8-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

23-446GI/75

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

THE SCHEDULE

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of plot No. 62-A, measuring 457 sq. yds., bearing Municipal No. 25/103F alongwith Tin Shed and boundry wall, situated at Gandhi Nagar, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-1-1976.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st January 1976

Ref. No. 730/Acq./G.Bad/75-76/2412.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 23-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Satish Chandra
 - (2) Shri Navin Chandra, (3) Shri Mahesh Chandra
 - (4) Shri Harish Chandra
 - All sons of Lala Om Parkash, Alias Mitthan Lal R/o Nayaganj, Ghazibad.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Om Prakash S/o Wajeer Chand and
 - (2) Smt. Shanti Devi W/o Wajeer Chand R/o Mukand Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop No. 1 to 5, measuring 266 sq. yds. situated at Moh. Afganan, Delhi Gate, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,666,67.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date . 1-1-1976.

Scal ,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st January 1976

Ref. No. 729/Acq./G.Bad/75-76/2413.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 23-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transler with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following petson, namely :-

- (1) (1) Shri Satish Chandra (2) Shri Navin Chandra,
 - (2) Shri
 - (3) Shri Mahesh Chandia(4) Shri Harish Chandra

All sons of Lala Om Prakash, Alias Mitthan Lal R/o Nayaganj, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Madan S/o S/o Shri Ram Sahai Madan R/o 5187, Karolbagh, Dev Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop Nos. 1 to 5, measuring 266 sq, yds, situated at Moh. Afganan, Delhi Gate, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of 36,666.67.

> VIJAY BHARGAVA Competen Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur

Date 1 1-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpui the 2nd January 1976

Ref No 389/Acq/Kanpur/75-76/2414—Whereas, J. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of of the Registering Officer at Kanpur on 29-7 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby antitate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) M/s Gırdhaı Lal Raja Ram 74/33, Collector ganj, Kanpur, Through Sri Kanhaiya Lal Gupta S/o Sri Behari Lal R/o 10 Shanti Nagar, Cantt Kanpur, and
 - (2) S/Sri Kunj Behari
 - (3) Brindavan
 - (4) Rajaram, Ss/o Sri Mohan Lal R/o F-33, Shanti Nagar, Kanpur, and
 - (5) Smt Shanti Devi Widow Lala Girdhar Lal R/o 90/16, Shukla Sadan, Bakarganj, Kanpur, (Transferor)
- (1) (1) Smt Kamla W/o Pt Ram Swaroop
 - (2) Shri Surendra Nath S/o Pt Ram Swaroop R/o 90/16, Shukla Sadan, Bakarganj, Kanpur, and
 - (3) Sri Rakesh S/o Pt Ram Swaroop, R/o 90/4, Bakarganj, Kanpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No 7, measuring 448 sq yds Block I/1 Scheme No 2 situated at Bagahi, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs 32,256/

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 2-1-1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. JGR/2/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 49 kanals and 5 marlas situated at Village Pona, Tehsil Jagraon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jagraon in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kapoor Singh S/o Shri Bhagat Singh, R/o Village Pona Now at Kamal Pura, Tehsil Jagraon. (Transferor)
- (2) Shri Isher Singh S/o Shri Lahina Singh, R/o Village Pona, Tchsil Jagraon. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 49 kanals and 5 marlas, Jama 12.13, Khata No. 116/135, Killa No. 9/21, 16/1-10-11-20-21, 19/1-10/1 Jamabandi year 1970-71, Village Pona, Tehsil Jagraon.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date; 21-1-1976.

FORM I'INS-

(1) Shri Teja Singh S/o Shri Sucha Singh, R/o Village Bagrian, Tehsil Malerkotla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. MLK/28/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value ex-

ceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and, measuring 57 bighas and 10 biswas, situated at Village Dialpura, Tehsil Maleikotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Malekotla in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (2) (1) Shri Ranjit Singh.
 - (2) Shri Mohinder Singh,
 - Shri Gajjan Singh. Ss/o Thakur Singh.
 - (4) Shri Zora Singh,
 - (5) Shri Charan Singh, Ss/o Amar Singh, R/o Village Nangal, Tehsil Mulerkotla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have 'he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 57 bighas and 10 biswas, situated at Village Dialpura, Tehsil Malerkotla. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 716 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla.)

V. P. MINOCHA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 21-1 1976.

(1) Shii Sirdual Singh S/o Shii Chand Singh, S/o Shii Bhan Singh, R/o Village Ganganagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh the 21st January 1976

Ref No MLK/19/75 76—Whereas, I, V P MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land with building Petrol Pump, situated at Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Malerkotla in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act of the Weilth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(2) (1) Shii Sukhdev Chand Mehta (2) Shii Madan Gopal Mehta,

(3) Shii Vijay Kumar Mehta Ss/o Shii Shivsharan Dass Mehta, R/o Ajit Nagar, Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and with building petrol pump situated at Malerkotla, (Property as mentioned in the Registered Deed No 560 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla)

V P MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Chandigarh

Date 21-1 1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. TSR/1497/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land measuring 119 kanal and 7 marlas along with ½ share in two tube-wells, situated at Village Sulakhni, Tehsil Thanesat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in June 1975,

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiative proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

(1) (1) Shri Rajinder Singh,

(2) Shri Parminder Singh, Sylo Shri Kapoor Singh, R/o Village Sulankhui, Tehsit Thansar.

(Transferor)

(2) (1) Shri Joginder Singh,

(2) Shri Bachan Singh,

(3) Shri Sucha Singh, (4) Shri Gurdeep Singh Ss/o Shri Kishan Singh, R/o Sulakhni, Tehsil Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions hereused in as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 119 kanals and 7 marlas alongwith 3 share in two tubewells, situated at Village Sulakhni, Tehsil Thanesar.

(Property as mentioned in he Registered Deed No. 986 of June, 1975 of the Registering Officer, Thanesar.)

> V. P. MINOCHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 21-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. TSR/1498/75-76—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 67 kanals and 14 marlas alongwith $\frac{1}{2}$ share in two tube-well, situated at Village Sulakhni, Tehsil Thanesar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, under the 'Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

25-446GI/75

(1) (1) Shri Rajinder Singh,
 (2) Shri Parminder Singh Ss/o Kapoor Singh,
 R/o Village Sulakhni, Tehsil Thansar.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Gurdev Singh,
 - (2) Shri Surinder Singh,
 - (3) Shrı Gurnam Singh,
 - (4) Shri Amrik Singh, Ss/o Mohinder Singh,
 - (5) Shri Baldev Singh,
 - (6) Shri Jasvir Singh,
 - (7) Shri Jagdish Singh, Ss/o Dalip Singh, R/o Village Mchdudan, Tehsil Thanesar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 67 kanals and 14 marlas alongwith 3 share in tubewell, situated at Village Sulakhni, Tehsil Thanesar,

(Property as mentioned in he Registered Deed No. 965 of June, 1975 of the Registering Officer, Thanesar.)

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 21-1-1976,

FORM ITNS----

(1) Smt. Lajwanti, W/o Shri Kidar Nath, R/o Tagraon.

(2) Shri Zord Singh S/o Shri Karam Singh. R/o Village Agwar Gujjran, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE. CHANDIGARH, 156, SECIOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. JGR/355/75-76 -Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I and measuring 39 kanals and 3 mailas, situated at Village Agwar Gujjran, Tehsil Jagraon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jagraon in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The term and expressions used defined in Chapter herein as are XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals and 3 marlas, situated in village Agwar Gujjran, Tehsil Jagraon

Rect. No. 25,

Keilla No. 1, 2/1, Rect. No. 17, Killa No. 11, 12/1, 13/3, 19, 20, 22/1, 23/1. Khata No. 211/230, 124/139, 125/140.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 941 of June, 1975 of the Registering Officer, Jagraon.

> V. P. MINOCHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 21-1-1976.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. JGR/354/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land, measuring 36 kanal 10 marlas situated at Village Agwar Gujjran, Tehsil Jagraon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagrapon in June, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

- (1) (i) Shri Mulakh Raj, son of Shrj Basant Ram,
 - (ii) Smt. Chanan Devi, widow of Shri Basant Ram.
 (iii) Smt. Vidya Rani alias Vidya Wanti, daughter of Shri Basant Ram.
 Residents of 2287, Sector 21-C, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Sarvshri
 - (i) Mukhtiar Singh,
 - (ii) Joginder Singh,
 - (iii) Lachhman Singh,
 - (iv) Gurdev Singh,
 - (v) Dalip Singh, sons of Kartar Singh,
 - (vi) Niranjan Singh.
 - (vii) Thaman Singh.
 - (viii) Teja Singh, sons of Dharam Singh.
 - (ix) Sarwan Singh, s/o Saidara Singh,
 - (x) Ajit Singh,
 - (xi) Balbir Singh, sons of Arjan Singh,
 - (xii) Gurdial Singh, son of Natha Singh, and Shri Major Singh s/o Shri Dharam Singh Residents of Village Agwar Pona (Kothe) Tehsil Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 36 kanals and 10 marlas situated in Village Agwar Gujjran, Tehsil Jagraon.

Khata No. 1091/1152-1583/1672-1674,

Rect No. 164,

Kiffa No. 21/2-22-23/1-18/2-12-19, Killa No. 21/3 Jamabandi year 1969-70.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 887 of June, 1975 of the Registering Officer, Jagraon).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

(1) Shri Ujagar Singh, s/o Shri Chanan Singh, Village Ranwan, Tehsil Malerkotla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. MLK./257/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 28 bigha and 14 biswa situated at Village Ranwan, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Malerkotla in June, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(2) Sarvshri

(i) Gulzar Singh, s/o Waryam Singh, (ii) Ajmer Singh, s/o Gurbachan Singh,

(iii) Kuldeep Singh,

(iv) Harinder Singh,

sons of Harbhajan Singh,

(v) Lakhvir Singh, s/o Jagrup Singh, Residents of Village Ranwan, Tehsil Malerkotla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 bigha and 14 biswa, situated at village Ranwan, Tehsil Malerkotla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of June, 1975 of the Registering Officer, Malcrkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref No LDH/C/70/75-76—Whereas, I V P Minocha, Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No Plot of land measuring 8 kanals 8 marlas, situated at Village Habowal Khurd, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in June, 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surjit Singh s/o Shri Ram Singh, Resident of Habowal Khurd, through Shri Pritam Singh, s/o Shri Ajaib Singh, Resident of Dehlon, Tehsil & District Ludhiana (Transferor)
- (2) (1) Shii Guipal Singh, s/o Shii Santa Singh R/o Kothi No 598 Model Town Ludhiana (11) Shii Pal Singh s/o Shii Harnam Singh
 - (n) Shri Pal Singh s/o Shii Harnam Singh R/o 64-E, Sarabha Nagar, Ludhiana (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and, measuring 8 kanals and 9 marias, situated in Village Habowal Khurd, Tehsil Ludhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No 1909 of June, 1975 of the Registering Officer, Iudhiana)

V P MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date 21-1 1976

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath the 21st January 1976

Ref No LDH/C/71/75 76—Whereas, I, V. PMINOCHA

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range Chandigath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Plot of land measuring 8 kanals 9 marlas, situated at Village Habowal Khurd Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in

the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ludhiana in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income alising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely.—

- (1) Shri Surjit Singh, s/o Shii Ram Singh Resident of Habowal Khuid, through Shri Pritam Singh, s/o Shri Ajaib Singh Resident of Dehlon Fehsil and District Ludhiana (Transferor)
- (2) (1) Shri Gurpal Singh, s/o Shii Santa Singh,
 R/o Kothi No 598, Model Town, I udhiana
 (11) Shri Pal Singh, s/o Shri Harnam Singh
 R/o 64-E Sarabha Nagar Ludhiana

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals and 9 marlas, situated in Village Hobowal/Khurd, Tohsil 1 udhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No 1933 of June, 1975 of the Registering Officer Ludhiana)

V P MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Chandigarh

Date 21-1-1976 Scal.

- (i) Shri Paras Ram,
 - (ii) Shri Hans Raj, (iii) Shri Gian Chand,

sons of Shri Banka Mal,

Residents of Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

Presently Commission Agents, Malerkotla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. PTA/319/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/and bearing

No. Land, measuring 62 kanals 9 marlas situated at Village Bakhsiwala, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annex-

ed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) (i) Shri Sarbjit Singh, (ii) Shri Sahip Singh. sons of Balwant Singh,

Residents of Village Lachkani, Tehsil Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 62 kanals and 9 marlas, situated Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala. is (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1279 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

> V. P. MINOCHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. PTA/1456/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason

to believe that the immovable property, having market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 56 kanals and 15 marlas, situated at Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

- (1) (i) Shri Paras Ram,
 - (ii) Shri Hans Raj,
- (iii) Shri Gian Chand,

sons of Shri Banka Mal,

Resident of Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala Presently Commission Agents, Malerkotla,

(2) (i) Shri Sarbjit Singh, (ii) Shri Sahib Singh,

sons of Shri Balwant Singh,

Residents of Village Kachkani, Tehsil Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of/ publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 56 kanals and 15 marlas, situated Village Bakhshiwala, Tchsil Patiala. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1084 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

> V. P. MINOCHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

Shri Kulwant Singh, s/o
 Shri Amar Singh,
 Village Kakowal, District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 21st January 1976

156, SECTOR 9-B

Rcf. No. LDH/C/87/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 6 kanals and 14 marlas, situated at Village Kakowal. District Ludhana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer,

at Ludhiana in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—
25—446GI/75

 M/s. Vikas Investment and Colonisers, Parkash Market, Chaura Bazar, Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals and 14 marlas situated in Village Kakowal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2114 of June, 1975 of the Registering Authority, Ludhjana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976,

(1) Shri Bhupinder Singh, 5/0 Shri Mohinder Singh, House No. 56, Sector 9-A. Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. CHD/58/75-76 - Wheraes, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Commercial Plot No. 40. Sector 7-C, (3/4th share) situated at Chandigarh,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Ac', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

(2) (i) Smt. Rajinder Kaur, w/o Sh. Mehtab Singh, 2122, Sector 15-C, Chandigarh.
(ii) Smt. Raj Kulbir Kaur, w/o S. Bhupinder Singh, 56/9-A, Chandigarh.

(iii) Smt. Gurbhajan Kaur, w/o S. Jagsharan Singh,

(iv) Shri Prabhasharan Singh, s/o Shri Avtar Singh, both rs/o Sandhu Farm, Rudarpur, Distt. Nainltal (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th share in show 100m site No. 40, Madhya Marg,

Sector 7-C. Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 372 of June, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh).

V. P. MINOCHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

(1) Shri Harmohan Singh, s/o Shri Rajinder Singh, Village Sanaur, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. PTA/314/75-76.—Whereas, I, V, P Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 44 kanals and 4 marla situated at Village Sanaui, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Sarvshii (i) Gurpartap Singh,

(ii) Sukhjit Singh, (iii) Baldev Singh,

C/o Shri Harmohan Singh, Resident of Village Sanaur, Yehsil Patiala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 44 kanals and 4 marlas, situated in Village Sanaur, Tehsil Patiala.

(Property as montioned in the Registered Deed No. 1250 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st January 1976

Ref. No. PTA/318/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-

red to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 50 kanal and 12 marlas situated at Village Sanaur, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hardev Singh Chhina, s/o Late Shri Harbans Singh Chhina, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh, Satnam Singh, sons of Shri Sodagar Singh, Village Ghaunsgarh, Tehsil Samrala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 50 kanals and 12 marlas situated in Village Sanaur, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1261 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 21-1-1976,

(1) Shri Gurbax Singh Pabla, s/o late Shri Mota Singh r/o K-9, N. D. S. E-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE-I,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/June-II/(21)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. M-100, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Smt. Usha Bajaj, w/o Shri K. L. Bajaj, R/o D-60, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 100, Block No. 'M' measuring 400 sq. yds. situated in Greater Kailash-II. New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation in the revenue of Village Bahapur and in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road

North: Plot No. M-98 West: South Lane South: Plot No. M-102.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I, Dclhi/New Delhi.

Date: 16-1-1976.

FORM ITNS----

(1) Shri Krishan Lal Kapoor s/o Sh Kanshi Ram Kapooi 1/o S 367 Greater Kadash-I, New Delhi (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Brij Kishore s/o Sh Market Ram r/o No 54, M M Janpath, New Delhi (Tiansferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

New Delhi, the 16th January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Ref No JAC/Acq I/SRIII/31 July II/75 76 —Whereas, I, C V GUPTE,

publication of this notice in the Official Gazette

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No No S 367 situated at Greater Kailash-J, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at

THE SCHEDULE

Delhi on 28-7 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

A plot of land measuring 208 sq yds. bearing No S-367, Greater Kailash-I, New Delhi together with a double storeyed residential building constructed thereon and is bounded as under —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

East Road
West Servec Lane
North Plot No S-365
South Plot No S 369

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

C V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 16-1 1976

FORM ITNS—

 Lt. Genl. Navin Chand Rowlley s/o Dr. Rattan Chand Rowlley and Smt. Sita Rowlley r/o
 Race Course Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shakuntla Verma w/o Shii Manohar Singh Verma r/o B-14, Vishal Colony Najafgarh Road, New Delhl.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE-I.

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th January 1976

Ref. No. IAC/Acq I/SRIII/June-I/809(8)/75-76 —Whereas, I, C. V. GUPTE_{α}

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No. As specified in the Schedule situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on 4th June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chap'er.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 15 Bighas and 12 Biswas, bearing Khasra Nos. 397/1 (3 Bighas 5 Biswas), 397/2 (0-3 Biswas) 398 (3 Bighas 12 Liswas), 399 (4 Bighas and 16 Biswas), 400/2 (3 Bighas and 16 Biswas) with boundary wall, one room and tube well, situated in village Gadaipur, Tehsil Mehiualy, New Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisiton Range-1, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:

Date: 16-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-I.

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th January 1976

Ref. No. 1AC/Acq.I/SRIII/Junc-II/839(2)/75-76.—Whereas, I. C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-11, situated at Lajpat Nagar-III, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Daya Kaur Wd/o S. Kiishan Singh D/o L. Prabh Dayal r/o K-11, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Parvati Kaur w/o S. Labh Singh,
 - (2) S. Mohinder Singh s/o S. Labh Singh and
 - (3) S. Balbir Singh s/o S. Labh Singh r/o 4-B/15. Daya Nand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building built on Plot of land measuring 200 sq. yds and bearing No. 11 in Block K, situated in the colony known as Lajpat Nagar-III, New Delhi and bounded as under:—

North: Road

South: Service Lane

East: House on Plot No. K-12 West: House on Plot No. K-10.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 16-1-1976.

(1) Shri Parshuram Waman Patil & Others.

(Transferor)

(Fransferee)

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,

AYURVFDIC HOSPITAL BLDG.,

5TH FLOOR, ROOM NO. 520,

NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-2.

Bombay-400002, the 24th January 1976

Ref. No. AR. V(331/6)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 19, S. No. 142, H. No 2 (pt), S. No. 137 situated at Village Nahur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on 2-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—446GI/75

(2) Santosh Apartment Cooperative Housing Society Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land situate lying and being at Village Nahur (Mulund) West, in the Registration Sub-District of Bombay, Bombay Suburban District, bearing Plot No. 19 of Survey No. 142 H. No. 2 (Part) & Survey No. 137 Hiss No Nil admeasuring 968 20 sq. metres t.e. 1158 square yards or thereabouts and bounded as follows, that is to say on or towards the East by the property of Nahur Sitara Co-operative Housing Society Ltd. On or towards the West by 22' -0" proposed Access Road, on or towards the North by 60' -("D. P. Road and On or towards the South by Plot No 20.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V
Ayurvedic Hospital Bldg., 5th floor
Room No. 520, Near Charni Road Station,
Bombay-2.

Date 24-1-1976 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGF-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

> > New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq II/1035347/75-76 —Whoreas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

81 situated at Shivaji Park, Shahdara, Delhi (and more fully described

in the Schodule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chuni I al Batra s/o Sh. Gobind Ram Batra r/o 690-C/2, Qabool Nagar, Shahdara, Delhi-32 as general power of Attorney of Sh. Gurbachan Singh Bhatia.

(Transferer)

(2) Shri Ram Nath Agarwal s/o Shri Nand Kishore Agarwal, r/o 452/1, Prag Bhawan, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storcyed house constructed on a plot of land measuring 170 sq. yds bearing No 81, Shivaji Park, Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 79 South: Plot No. 83 West: Road 30' Fnast: Plot No. 82

S. N. L. AGARWALA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1976

(1) Shri Madan Mohan s/o Shii Parshotam Dass r/o A-1/66, Lawerance Road, Delhi.

r/o 4898, Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk

(2) Smt. Lalita Rani w/o Shii Bhim Sen,

Delhi |

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2049/1036/75-76.—Whereas, I, S. N. L AGARWALA.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 1/2 share of 4898

situated at Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May, 1975

tor an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a double storeyed building constructed on a plot of land measuring 113 sq. yds situated at No. 4898, Kucha Ustad Dag Chandni Chowk, Delhi

> S. N. I. AGARWAIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date . 27-1-1976 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF AI J ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1978/1037/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

B-3/8 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh Lamba s/o S. Sunder Singh, r/o B-3/8, Model Town, Delhi self and general attorney of Smt. Sneh Lata w/o Shri Rajinder Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Jain w/o Shri R. D. Jain, r/o F-5/4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Shri Om Parkash Kapoor,
 Smt. Jasbir Kaur,
 M/s. Jasbir Enterprises,
 r/o B-3/8, Model Town, Delhi.

[Persons in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double stoleyed house built at free-hold land measuring 118 sq. yds of plot No. B-3/8 out of 200.14 sq. yds. situated in Model Town, Delhi and bounded as under:—

North: Service Road

South: Remaining portion of B-3/8 East: Property No. B-3/9 West: Property No. B-3/7A.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1976

(1) M/s, Meattless (P) Ltd., 1. Dufferin Bridge, Mori Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Nand Lal s/o L. Niamat Rai, r/o Flat No. 3, High Land Cooperative Society, Pali Hill, Bombay.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2030/1038/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. III/3908 Hamilton Road,

No. III/3908 Hamilton Road, situated at Mori Gate, Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(3) Shri J. C. Kochhar & Sh. N. Chatterjee, r/o III/3908, Hamalton Road, Delhi-6.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

[Persons in occupation of the property].

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house constructed on a plot of land measuring 210 sq. yds. situated at No. II1/3908, Hamalton Road, Mori Gate, Delhi.

S, N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date · 27 1-1976

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u>.__ _____ .___ .</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. JAC/Acq. II/2026/1039/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

III/3907 and 3906 situated at Hamilton Road, Mori Gate, Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Sard Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth 'Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

- (1) M/s Meattless (P) Ltd.
 No. 1, Dufferin Bridge, Mori Gate, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Fulsa Ram s/o Shri Bagha Ram r/o Malout Mandi, Distt. Ferozepur (Punjab)

(Transferec)

(3) M/s. Montgomery Transport Co-operative Society, Delhi.
2, Sh. P. Chaterjee.

[Persons in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 210 sq. yds situated No. III/3906 & 3907, Hamilton Road, Mori Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 27-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD F1 OOR,

NEW DFI.HI

New Delhi, the 27th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2077/1040/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGAIWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

344, T.S N. Scheme,

situated at New Rohtak Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registation Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in May, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 5mt, Bishan Kaur w/o Shri Pritam Singh r/o 8/10, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Shanti Devi w/o Shri Iagan Nath Malhotia r/o 8720, Shiddipura, Kaiol Bugh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds situated at No. 344, Block B, Ward No. XVII Village Sadhora Khurd, Delhi (in scheme of T.S.N. situated at New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi).

S. N. L. AGARWALA,
Competen Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 27-1-1976

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4-Λ/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR. NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/1025/1023/75-76 —Whereas, I, S. N. L, AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 of 244 situated at Gali Kadle Kasan, Fatchpuri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regitering Officer at Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Kamla Devi w/o Sh. Devadas
 - Sh. Gian Dass
 - 3. Sh. Jai Bhagwan

 - 4. Sh. Raj Dev sons of Sh. Devadas 5. Smt. Krishna Devi w/o Sh. Chaman Lal, 244, Gal Kandle Kasan, Fateypuri, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Hira lat
 - 2. Sh. Naresh Chand
 - 3. Sh. Suresh Chand Ved Parkash (minor)

 - 5. Sh Ram Avtar (minor) sons of Shri Murari Lal r/o

450, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi (Transferee)

List of tenants in property No. 240 Gali Kadle Kasan Fateypuri, Delhi.

- (3) S/Shri
 - 1. Laxmi Narain
 - 2. Jagannath
 - 3. Ram Chander
 - 4, Jai Narain
 - 5. Kharity I al 6. Bhola Ram
 - Tota Ram
 - 8. Ram Kishan
 - 9. Rameshwar Dayal
 - 10. Nathu Ram 11. Tej Pal
 - 12. Ishwar Dutt
 - 13. Nand Kishore
 - 14. Kunde Lal
 - Nikku Ram 15.
 - 16. Charan Singh
 - 17. Baij Nath

 - 18. Bhagat Singh 19. Balbir Saran

 - 20. Ravi Dutt 21. M/s. Rum Krishan Floor Mill
 - 22. Prakash Chand
 - 23. Brij Mohan
 - 24. Mohan Lal 25. Smt. Maina.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share of three-storeyed house constructed on a plot of land measuring 643 sq. yds situated at No. 244 Gali Kadle Kasan, Fateypuri, Delhi.

S. N. L. AGARWALA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 21-1-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi the 21st January 1976

Ref No IAC/Acq II/2073/1022/75-76 -Whereas, I, S. N. I AGARWALÂ,

being the competent authority under section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

1 share of 244 situated at Gali Kadla Kasan, Fateypuri, Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-Delhi in May, 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the falr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes Income-tax Act, 1922 (11 of of the Indian 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely -27-446GI/75

Smt Kamla Devi w/o Sh Devadas, (1) 1

Sh Gian Dass

3 Sh Jai Bhagwan 4 Sh Raj Dev sons of Sh Devadas

Smt Krishana Devi w/o Sh Chaman Lal, r/o 244, Gali Kadle Kassan, Fateypuri, Delhi

(Transferor)

(2) Smt Maya Devi w/o Shri Murari Lal r/o 450 Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi (Transferee)

(3) List of tenants in property No 240 Gali Kadla Kasan Fateypuri, Delhi.

S/Shri

Laxmı Narain

Jagannath

Ram Chander

Iai Narain

Kharity Lal Bhola Ram

6

Tota Ram

Ram Kishan Rameshwar Dayal

10 Nathu Ram

Tej Pal

Ishwar Dutt Nand Kishore 13

14 Kunde Laf

Nikku Ram Charan Singh 16

17 Baij Nath

Bhagat Singh

Balbir Saran

Ravi Dutt

M/s Ram Krishan Floor Mill

Prakash Chand Brij Mohan

Mohan Lal

Smt Marma

[Person(s) in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever petiod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

I share of a three storeyed house construed on a plot of land measuring 643 sq yds situated at No 244, Gali Kadle Kasan Fatheypuri, Delhi

S N I AGARWAYA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

21-1 1976 Date Seal

(1) Smt Sham Rati wd/o Shri Durga Pershad, r/o Village Khera, Najafgarh, New Delhi, (Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NFW DELHI

New Delhi, the 21st January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1997/1021/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing situated at Gali Tanki Wali Ghas Mandi, Pahari Dhiraj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Raja Ram Verma s/o Shri Tribeni Sehai and Smt. Ram Wati w/o Shri Raja Ram Verma r/o 7016-7018, Gafi Tanki wati Ghas Mandi, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Purshotam Dass

2. Sh. Dharam Pal s/o Sh. Durga Dass.

3. Sh. Om Parkash

4. Shri Babu Lal 5. Sh. Surinder Kumar

6. Sh. Dharam Pal Sharma

7, Sh. Arender Kumar

8. Shri Chittar Mal

sh. Sh. Raja Ram r/o 7016 to 18. Gali Tanki Wali, Ghas Mandi, Pahari Dhiraj, Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 146 sq. yds situated at No. 7016 to 18 Ward No. XIV, Gali Tanki Wali, Ghas Mandi, Pahari Dhiraj, Delhi and bounded as under:—

North: Others property

South : Lane

East: Property of others.

West : Gali.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Deihi/New Delhi

Date : 21-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II. 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 21s January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2062/1019/75-76,—Whereas, I, S, N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referted to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22561 to 2564 Ward No. XI situated at Tehra Behram Khan, Darya Ganj, Delhi (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi in May, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 33 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Shri Pukh Raj Singh s/o Sh. Chhajju Singh, 828, Chandni Mahal, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)

(2) Shii Nainu Ram s/o Shi Narain Dass 2. Smt. Banno Bai w/o Sh. Lila Ram, r/o 1498, Suiwalan, Gali Kotana, Delhi-6. (Transferee)

(3) 1. Shri Shabu.

2. Sh. Vinodi Lal

Sh. Lalji Mal Ram Sarup,
 2561 to 2565, Tiraha Behram Khan,
 Darya Ganj, Delhi

[Perons in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on a plot of land measuring 95 sq. yds sltuated at No. 2561 to 2564, Ward No. XI, Tiraha Behram Khan, Darya Ganj, Delhi and bounded as under:—

North: Others property. South: Property No. 2560 East: Chowk

West: Property of Siri Kishan Saini.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date . 21-1-1976

(1) Shri Dev Raj. Mohinder Lal, Inder Lal sons of Shri Sian Dass, r/o 2853, Ashok Gali, Mori Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Sheela Wati w/o Shri Charanjit Lal,

r/o 2853, Ashok Gali, Mori Gate, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring about 100 sq. yds situated at No. 2853, Ashok Gali, Dhobi Wara, Mori Gate, Delhi.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 21-1-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1020/2011/75-76,-Whereas, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter TCferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/4th share 2853.

situated at Ashok Gali, Dhobiwara, Mori Gate, Delhi (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-Λ/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR. NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2050/1033/75-76,--Whereas, I. S. N. L. AGARWALÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/2 share of D-32,

situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt. Kailash Wati Agarwal w/o Sh. Amar Nath, r/o 166-D, Kamla Nagar, Delbi.
 - 2. Sh. Hari Chand s/o Sh. Ranqui Ram r/o Village Libaspur, P.O. Badli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chander s/o Shri Ghisa Ram, r/o Village Libaspur, P.O. Badli, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in a house constructed on a plot of land measuring 233 33 sq. yds situated at No. D-32, Kamla Nagar, Delhi.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 22-1-1976

(1) I. Smt. Kailash Wati Agarwal W/o Shri Amar Nath Agarwal 1/o 166-D, Kamla Nagar, Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14-A ASAF AT I RD., 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1976

No. IAC/Acq II/1939/1034/75-76.—Whereas I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

No. 1/2 share of D-32 situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Delhi in May, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Hari Chand s/o Shri Rangqul Ram r/o 4/3, Roop Nagar, Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Ram Chander s/o Shri Ghisa Ram r/o Village Libaspur, P.O. Badli, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in a house constructed on a plot of land measuring 233.33 sq. yds situated at No. D-32, Kamla Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 22-1-1976

- (1) 1. Shri Chulal Mukandas Gandhi, 81 Nana peth, Poona-2.
 - 2 Shri Punamchand Kondiram Gundecha, 1384/2, Bhavani peth, Poona-2.

(2) Parshwanath Co. op. Hosing Society Ltd., by its Chairman . Shri Morilal Tarachand Marlecha, Kasarwadi, Poona-18.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 21st January 1976

No. C.A. 5/May '75/Haveli-II(Poona)/262/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 434/2 situated at Bhosari (Poona)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 26-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Se tion 269°C of the 's id act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold open land at S. No. 434/2 of Bhosari, Kasarwadi, Tal. Haveli, Dist. Poona. 18. Area. Acres, 2 Gunthas (properly as mentioned in the Regd. deed No. 1104 dated 26-5-76 registered at the Registering authority, Haveli-11, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Poona

Date . 21-1-76. Seal :

(1) Shri Mangalbhai Nathabhai Patel, Partner : on behalf of Shri Sarada Oil Mill, Dhulia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 23rd January 1976

No. C.A.5/Dhulia/September'75/263/75-76.—Whereas, I. H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 4742/1,4742/2, S.No. 549/2, 549/A2 situated at Dhulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Dhulla on 23-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri Murlidhar Shriram Poddar, Partner : on behalf of Shree Oil Mill. Dhulia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property N.A, Land₈ at Dhulia

Area
Acre. Guntha

(i) C.S.No. 4742/1, S.No. 549/2

(ii) C.S.No. 4742/2

(iii) C.S.No. 4742/2

(iii) C.S.No. 4742/2

and structures standing thereon, right to receive rent with good-will of the Oil Mill, and right to collect rent paid in advance and electric motor etc.,

(Property as described in the document for transfer registered under No. 1537 dated 23-9-75 of the Sub Registrar, Dhulia).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23-1-1976,

FORM ITNS----

- == ==

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OLFICE OF THE INSPECTING ASSET, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 20th Jaunary 1976

Ref. No. C.A.5/Nasik/September'75/2610f75-76.—Whereas, I. II. S. Aulakh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S.No. 622/5, Municipal No. 480/K situated at Nasik (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 22-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indain Income-tax A.t., 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narayan Uderam Vaishya, Near Ashok Stambha, Raviwar peth, Nasik. (Transferor)
- (2) Mandar Co. operative Housing Society, Gole Colony, Nasik-2.

Chief Promoter:

 Shri Sudhakar Shivram Nikumbh, Nikumbha Wada, Bhikusa Lane, Nasik.

Jt. Chief Promoter:

2. Shri Gopal Anant Advadkar, 1842 Juni Tambat Lane, Talajiya Building, Nasik.

(Transferee)

- (3) Transferor himself and office of the Asstt. Sales-tax Commissioner, Nasik.

 (person in occupation of the property)
- (4) Annexure to Notice No C A. 5/Nasik/Septemb r, 75/261 of 75-76 dated 20-1-1976.
- (1) Vijay S. Deshpande, C/o. S. P. Deshpande, 450, Raviwar peth, Nasik.

 Bidg., Nasik.
 Di K. N. Chitnis, Wandekar Bungalow, Agra Rd., Nasik.

(2) G. A. Adwadkar 1842 Juni Tambat I ane, Talajiya

- (4) M. I. Kulkarni, C./o. P. C. Kulkarni, Chandratre Blocks, Gole colony, Nasik.
- (5) Vi udeo Gopil Pandit, Niphad Sahikari Sakhar Kukhina, Post Bahusaheb Hire Nagur Lal Niphad, Dist, Nasik.
- (6) Onkar Sbivram Potdar, Painter, M.G. Road, Nasik
- (7) Dt. Y. A. Joshi, 840 Goreram Kot. Nasik.
- (8) M. V. Bapat, C/o D. S. Lele, 450 Raviwar Peth. Nasik.
- (9) I. V. Chavada 132-B Vakil Wadi Nasik
- (10) J. B. Kapadiya, 432-B. Vakil Wadi, Nasik
- (11) M. K. Deshmukh, Gazetted officers colony Dhote Bungalow, plot no. 6 Behind Law college, Dinkar Nagar, West High court Road, Nagpur.
- (12) Y. U. Barve, 2080 Dilli Darvaja, Bada, Nasik
- (13) S. S. Nikumbh, 957(B) Bhikusa Iane, Nikumbh Wada, Nasik.
- (14) San Prumila Ozarkar Nachan Mangal Karyalav, 2195, Nava-Darvaia, Nasik.
- (15) P. S. Nikumb, Excise Inspector, Central Excise & Customs, Block No. 8, Plain View Bhachakum, Alipost Panad, Vasai, Dist. Thana.
- (16) Vijav Raghunath Kale post sinner, Dist Nasik,
- (17) R. J. Gold de J. S. P. Ountlets, F-9, Post Nasik Road, Disc Nasik,
- (18) S. G. Turkunde, Post Valence Bhairav, Tal. Chandwad, Dist. Nasik.
- (19) S. K. Shah, Post Vadner Bhairav, Tal. -do-
- (20) D₁ R N. Karyakarte, Post Vadnet Bhairav, Tal
- (21) Sau Sunanda Pradhan C/o, T G Pradhan Pleader Near K G H Vidvalava 'Kesar Smruli' Patil colony Poddar Painter Bldg., Gancapur Rd Nasik.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Survey No. 665/9, C.S.No. 622/5, Municipal No. 480/K. Goley Colony, Nasik, admeasuring 1694 q. yd. with single storey old bungalow.

(as described in the sale deed registered under No. 1765 dated 22-9-75 in the office of the Sub Registrar, Nasik).

H. S. AULAKH

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex, Acquisition Range, Poona

Date : 20-1-1976.

Scal:

28-446GI/75

(3) Tenants

FORM TINS____

(1) Shu Abdul Tayeb Ismaili Maskati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Abdul Tayeb Ismailji Maskati & (Trustee of Maskati Charitable Properties Trust)

(Transferee)

(2...,-----

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

SMT, KGMP AYURVFD HOSPITAL BLDG., NETAU SUBASH ROAD, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 20th January 1976

Ref. No. AR.I/1178-4/May 75.—Whereas, I, V. R. AMIN Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CSNo. 2/610 of Mandvi Division situated at Plot No. 73 of Syndenham

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'snid Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning us given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece of land containing an area of six hundred and seventy one (671 square yards i.e. 561.02 sff, mtrs. or thereabouts situate on and being Plot No. 73 of the Syndenham Road Estate Scheme No. 37 of the Corporation in the City and Island and Registration Sub-District of Bombay together with huilding theren and bearing Collector's New Survey Nos. 2124-2126 (parts) and Cadestral Survey No. 2/610 of Mandvi Division situated at Mohomedali Road, Bombay-3 and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and faxes under B Ward Nos. 637 to 641 Street Nos. 76 and 76-G and 30-34 and bounded on the North-East by Mohomedalli Road, on the South-East by Bhajingla Lane, on the South-West by Sweeper's passage and 67 the North West by Bhoja's mosque.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 20-1-1976.

FORM ITNS---

(1) M/s, sterling Investment corpn, Pvt. Ltd.
(Transferor)

(Persons in occupation of the property)

(2) The sonthlands co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(3) Tanants

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BIJAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 20th January 1976

Ret. No. AR-1,1180-6/May 75.—Whereas, I, V. R. AMIN Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Bombay

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S.No. 30 of Colaba Divn. situated at East side of Colaba Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-5-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land or ground situate on the last Side of Colaba Road (formerly known as Middle Colaba-Road) at Colaba within the City and Registration District and Sub-District of Bombay containing by admeasurement 1590 sq. yds. equivalent to 1329 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows: that is to say on or towards, the North partly by the property in the occupation of the Trustee of the Baptist Church and partly by the lease hold property in the occupation of Mohomed Hussein Hashan and on or towards the South and Fast by the lease hold property in the occupation of Mohamed Hussein Hassan on or towards the West By Colaba Road and which said Piece of Tand is registered in the books of the Collector of Bombay under Rent Roll No 7636 and beara Cadastral Survey No. 30 of the Colaba Division, together with buildings and crections standing thereon assessed by the Municipality of Bombay under Award Nos. 187(1) and 187(2) and Street Nos. 177 and 177A of Colaba Road.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Bombay.

Date: 20-1-1976.

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, $\Lambda \text{COUISITION RANGL, KAKINAD} \Lambda$

Kakinada, the 27th December 1975

Ref. No. Acq, File No. 290 ME. No. 71/75-76.—Whereas, I B. V. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteried to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 77-1 Ac. 891 cents at Rayavaram at Vizag Dt. (and more fully described in the Schedule anneved hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Yelamanchili on 12-5-1975

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Appala Venkataramana S/o Venkunayana Yelamanchili, Vizag. Dt. (Transferor)

 Shi Adikamsetty Eswararao 2. Adikamsetty Jagannadharao 3. Adikamsetty Babji sons of Sreeramulu, Rayavaram, Vizag. Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1754/75 of S.R.O., Yelamanchili registered on 12-5-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 27-12-1975.

(1) 1. Shri Chekuri Janaki amaraju, 2. Ch. Venkataramanaraju 3. Ch. Bhaskararaju S/o Tammiraju Minor sons of Janakiramaraju, Dwarapudi

(2) Shrimati Palakuri Manikyamba W/o China Subbayya,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 292 ME. No. 7/75-76.--Whereas, I B. V. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 54 and 55/2 Ac. 18-00 situated at Vemulapalla Ramachandrapuram Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandapeta on 22-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Mandapeta.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 856/75 of S.R.O., Mandapeta registered on 22-5-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 27-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 27th December 1975

Ref. Acq. File No. 291 ME. No. T/75-76.—Whereas, IB, V Subbarao

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-mafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S No. 53/2, 55/2 Ac. 18-60 cents situated at Vernulapalli Ramachandrapuram Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mandapeta on 22-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chekuri Rajagopalaraju 2. Chedkuri Subbaiaju, Minoi by guaidian Ch. Rajagopalaraju, Dwaiapudi (Tiansferor)
- (2) Shrimati Palukuri Venkatachala Subaschandra Babii, S/o Cobna Subbayya, Mandapeta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 857/75 of S.R.O., Mandapeta registered on 22-5-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date . 27-12-75

(1) I. Shrimati Guduru Suscela Z. Guduru Baba Baskararao 3. Iampa Satyavathi 4. Sarvisetty Surya Kumari 5. Guduru Nagamani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Patri Sambasiyarao

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 29th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 296 J. No. 1(VSP)47/75-76.—Whereas, 1 B. V. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Bearing No. 18-2-27&27(1) sitated at Rajabazar Road, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 31-5-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act.' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2395/1975 of the S.R.O., Vizianagaram registered during the fortnight ended 31-5-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 29-12-1975.

 Shri Ramesh Chandra Nanalal Desai, Ranganavari Street, Damodar & Co., Main Bazar, Vijayawada.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Manepalli Bala Sundara Hanumantha Rao, S/o Seshanadri, Gulabchand Street, Vijayawada

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 9th December 1975

Ref No. Acq. File No. 276 J. No. I(48)/KR/75-76.—Whereas, I B. V. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 11-5-20 situated at Ranganavari Street, Vijayawada (and more fully rescribed in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vijayawada on 31-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as document No. 1696/75 registered during the fortnight 31-5-1975 of the S.R.O., Vijayawada,

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Kakin.ada.

Date: 10-12-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 10th December 1975

Ref. No. Acq File No. 275 Me. No. 51/75-76.—Whereas, I B. V. Subbatao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-21-37 situated at Potturivari Street Old town, Guntum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 31-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29-446GI/75

- (1) 1. Shri Annapiagada Gopalakrishnamurthy, S/o A. V. Ratnam 2. Annapragada Sitaramanjaneya Sarma, S/o Gopalakrishnamurthy 3. A. Suryaprakasarao, 4. Annapragada Srinivasarao being minor represented by father Sri A. Gopalakrishnamurthy, Guntur. (Transferor)
- (2) Shrimati Kattamuri Lalitamba, W/o Sri Venkateswarlu, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2044/1975 of the S.R.O., Guntur registered during the fortnight ended on 31-5-76.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 17th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 287 J. No. 11/WG/75-76.—Whereas, I B. V. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-62-53 & 54 situated at Ward No. 7 Rayaroluvari Street, Bhimavaram

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Bhimavaram on 31-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pucha Venkata Subbaraya Sarma, Opposite to Girls High School, Bhimavaram. (Transferor)
- (2) Shri Seshadri Sriramamurthy, Divisoinal Officer, L.I.C., Bhimavaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 943/75 of the S.R.O. Bhimavaram registered during the fortnight ended on 31-5-75.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17th January 1976